जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 220 प्रभात बीकानेर, शुक्रवार 6 मार्च, 2026 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

'अमेरिका का शत्रु होना खतरनाक पर, अमेरिका से दोस्ती घातक है'

हैनरी किसिंजर की यह सीख न मानना बहुत भारी पड़ रहा है, अमेरिका के वैस्ट एशिया के मित्र देशों को

- नोबल पुरस्कार विजेता,अमेरिकी इकॉनमिस्ट जैफरी साक्स के अनुसार ट्रंप भ्रम के शिकार हैं, अतः उन्हें रोकना जरुरी है, इसके पहले कि, वे ग्लोबल इकॉनमी को खण्डहर की स्थिति में पहुंचा दें, तथा विश्व के सभी क्षेत्र इकोनॉमिक ''स्लो डाउन'' से ग्रस्त हो जायें।
- जैफरी साक्स को आशंका है, कि विश्व में ऑयल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल को भी पार कर जायेगी।
- ईरान का स्ट्रेट ऑफ होरमुज़ पर तो आधिपत्य है ही, तथा ईरान द्वारा उन खाड़ी देशों पर लगातार बमबारी जारी रखना, जो अमेरिका के सहयोगी व मित्र हैं, से इस क्षेत्र की ऑयल प्रोड्यूसिंग सुविधाएं और अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चरल सुविधाएं नष्ट करने के परिणाम वर्षों तक महसूस किये जायेंगे।
- सऊदी अरब की ऑयल फैसिलिटी, कतर की गैस फील्ड्स को बंद करना पड़ा है, ईरान के ड्रोन-आक्रमणों के कारण। एक ऑयल फील्ड को बंद करना एक बहुत महंगी प्रक्रिया है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 मार्च। बीसवीं सदी की कूटनीति के महान ज्ञाता हैनरी किसिंजर ने एक बार कहा था, "अमेरिका का दुश्मन होना खतरनाक हो सकता है, लेकिन उसका दोस्त होना जानलेवा है।" वर्षों पहले कही गई इस बात की सच्चाई अमेरिका के पश्चिम एशियाई साथी अब सीख रहे हैं, जिसका उन्हें बहुत नुकसान और कष्ट उठाना पड़ रहा है।

कुछ विशेषज्ञ युद्ध को तुरंत समाप्त करने की मांग कर रहे हैं, जो ब्रिक्स देशों के एक साथ आने से ही संभव है। नोबेल पुरस्कार विजेता अमेरिकी अर्थशास्त्री जैफरी सैक्स ने कहा कि चीन, रूस, भारत और यूरोपीय संघ जैसे देशों द्वारा युद्ध रोकने की संयुक्त आवाज़, तथा अमेरिकी आक्रामकता को तुरंत रोकने की मांग, रुख में बदलाव ला सकती है और युद्ध रुक सकता है।

बदलाव के कुछ संकेत भी दिखाई दे रहे हैं। भारतीय विदेश सचिव ने भारत में ईरानी दूतावास में शोक-पुस्तिका पर हस्ताक्षर कर ईरान के प्रति एकजुटता दिखाई है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची से टेलीफोन पर बात की और तनाव कम करने के तरीकों पर चर्चा की।

सैक्स का मानना है कि डॉनल्ड ट्रंप भ्रमित हैं और उन्हें किसी भी कीमत पर रोका जाना चाहिए, क्योंकि युद्ध जारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अजरबैजान ने ईरान पर ड्रोन हमले का आरोप लगाया

तेल अवीव/तेहरान, 05 मार्च। अजरबैजान के विदेश मंत्रालय ने ईरान पर उसके नखचिवान क्षेत्र पर ड्रोन हमला किए जाने का बृहस्पतिवार को आरोप लगाया।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि एक ड्रोन नखचिवान के हवाई अड्डे के पास और दूसरा एक स्कूल के पास गिरा।

राष्ट्रपति इलहाम अलीयेव ने कहा कि इस घटना पर ईरान को माफी मांगनी चाहिए। इसके अलावा ईरानी राजदूत को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

- ईरान ने कहा उसने अजरबैजान की ओर कोई ड्रोन नहीं दागा।

इस घटना में एयरपोर्ट टर्मिनल को नुकसान पहुंचा और दो नागरिक घायल हो गए। राष्ट्रपति अलीयेव ने इस घटना को 'कायराना हमला' बताते हुए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की है। हालांकि ईरान ने इस ड्रोन हमले में हाथ होने से इनकार किया है और कहा है कि इस घटना की जांच की जा रही है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अपने अजरबैजानी समकक्ष से फोन पर बातचीत में कहा कि तेहरान ने अजरबैजान की ओर कोई ड्रोन या अन्य प्रोजेक्टाइल नहीं दागा। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे हमलों के पीछे इजराइल की भूमिका हो सकती है, जिसका उद्देश्य ईरान और उसके पड़ोसी देशों के बीच संबंध खराब करना है।

खामनेई की हत्या के छः दिन बाद भारत ने संवेदना व्यक्त की

लेकिन विलम्ब से संवेदना व्यक्त करना एक क्षतिपूर्ति करने की कोशिश जैसा निर्णय माना जा रहा है।

- अंततोगत्वा भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी द्वारा संवेदना व्यक्त करने का निर्णय लेने का कारण यह था कि शायद खामनेई की अमेरिका बमबारी से हुई मृत्यु पर भारत द्वारा चुप्पी बनाये रखना, ग्लोबल साऊथ और कुछ यूरोपीय देशों को बहुत अखरा था

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 05 मार्च। देर से ही सही, लेकिन भारत ने आज ईरान के मारे गए सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की हत्या पर शोक व्यक्त किया। उन्हें तेहरान में इज़राइली मिसाइल हमले में मारे जाने के छह दिन बाद संवेदना प्रकट की गई।

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने भारत सरकार की ओर से ईरान के मारे गए सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने नई दिल्ली स्थित ईरान के दूतावास में जाकर शोक-पुस्तिका पर भी हस्ताक्षर किए।

28 फरवरी को तेहरान में उनके आधिकारिक निवास पर हुए संयुक्त अमेरिका-इज़राइल हमले खामेनेई मारे गये थे। उनकी मृत्यु के बाद दूतावास ने शोक-पुस्तिका खोली, जहां राजनयिकों और अधिकारियों ने नई दिल्ली स्थित मिशन में जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहाली भी मिसरी के दूतावास दौरे के दौरान मौजूद थे। खामेनेई की मृत्यु पर फतहाली ने कहा, हमने एक महान व्यक्तित्व खो दिया है-वह हमारे नेता, हमारे पिता थे। वह महान हस्ती हमेशा हमें इतिहास के सही पक्ष में खड़े होने की पूरी कोशिश करने की सलाह देती थी। मेरा मानना है कि वे इतिहास के सही पक्ष में खड़े रहे और उन्हें उसका प्रतिफल मिला।

अमेरिका-इज़राइल बनाम ईरान संघर्ष पर फतहाली ने कहा हम उनकी मंशा जानते हुए भी बातचीत की मेज पर आए, और उन्होंने समय तय किया और लेकिन उससे पहले ही हमला कर दिया। हमने घोषणा की कि हम इसका जवाब देंगे। दुर्भाग्य से इस क्षेत्र ने पहले ही बहुत समस्याओं का सामना किया है और यहूदी शासन हमारे क्षेत्र की सभी संपत्तियों को अस्थिर और नष्ट करना चाहता है।"

उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार, विदेश सचिव के माध्यम से औपचारिक शोक व्यक्त करने का निर्णय व्यापक विचार-विमर्श के बाद लिया गया। यह महसूस किया गया कि अमेरिका - समर्थित इज़राइली हमले पर प्रतिक्रिया न देने का पूर्व निर्णय वैश्विक दक्षिण के देशों और यूरोप के कुछ देशों में अच्छा नहीं माना जा रहा था और इससे वैश्विक जनमत भी भारत से दूर हो रहा था।

एक पूर्व आईएफएस अधिकारी, जो कई महत्वपूर्ण देशों में भारत के राजदूत भी रह चुके हैं, ने कहा, यह नुकसान की भरपाई करने की कोशिश अधिक है, लेकिन दुर्भाग्य से नई दिल्ली को यहूदी खेमे का हिस्सा और अमेरिका-इज़राइल धुरी का अनुगामी माना जा रहा है।

बुलैट ट्रेन प्रोजैक्ट की लागत 83 प्रतिशत तक बढ़ी

मुम्बई और अहमदाबाद के बीच बन रहे इस प्रोजैक्ट को पूरा करने के लिए 90,000 करोड़ रु. की और आवश्यकता है

- पूर्व में इस प्रोजैक्ट की लागत एक लाख 800 करोड़ रु. आंकी गई थी और इसका 81 प्रतिशत खर्च जापान बतौर कर्ज दे रहा था पर रोलिंग स्टॉक और सिग्नलिंग अनुबंधों पर भारत की असहमति के बाद जापान ने और कर्ज देने से इन्कार कर दिया।
- खबरों के अनुसार, प्रोजैक्ट की लागत बढ़कर 1,98,000 करोड़ रु. हो गई है और यह बढ़ी हुई लागत रेल विभाग, केन्द्र सरकार और संबंधित राज्य सरकारों को वहन करनी होगी।

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 5 मार्च। भारत की पहली हाई-स्पीड रेल लाइन (बुलेट ट्रेन), मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर), की परियोजना लागत में 83 प्रतिशत की भारी वृद्धि होना बताया जा रहा है। इस लाइन के निर्माण के लिए अब लगभग 90,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आवश्यकता होगी।

जापान ने मूल अनुमानित लागत 1,08,000 करोड़ रुपये में से लगभग 81 प्रतिशत राशि ऑफिशियल डवलपमेंट असिस्टैंस (ओडीए) ऋण के रूप में देने की सहमति दी थी। लेकिन रोलिंग स्टॉक और सिग्नलिंग अनुबंधों को लेकर भारत और जापान के बीच मतभेद के कारण, टोक्यो में नई सनाई ताकाइची सरकार द्वारा इस पहले से ही विलंबित परियोजना के लिए अतिरिक्त ऋण देने की संभावना कम मानी जा रही है।

रिपोर्टों के अनुसार, अब परियोजना की लागत बढ़कर 1,98,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। इसका अर्थ है कि अतिरिक्त राशि भारत सरकार के समेकित कोष (कन्सॉलिडेटेड) द्वारा वहन की जाएगी। प्रोजेक्ट एग्जीक्यूटिंग एजेंसी के एक प्रवक्ता ने कहा (एनएचएसआरसीएल) की अपनी वित्तीय संरचना है, जिसमें भारत सरकार और राज्य सरकारें शामिल हैं। इसलिए यह कहना सही नहीं होगा कि बढ़ी हुई पूरी लागत का बोझ भारतीय रेल पर डाला जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, संशोधित लागत पर एक नोट जल्द ही केन्द्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'बिहार में जनादेश के साथ धोखा'

नई दिल्ली, 05 मार्च। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की पुष्टि करने के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस के सांसद जयराम रमेश ने इसे बिहार में नेतृत्व तख्तापलट करार दिया है। साथ ही बिहार

- कांग्रेस ने नीतीश को राज्यसभा में भेजे जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए यह भी कहा कि बिहार में नेतृत्व का तख्तापलट हुआ है।

के जनादेश के साथ विश्वासघात बताया है। कांग्रेस सांसदजयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि बिहार चुनाव प्रचार के समय कांग्रेस जो बात कह रही थी, वह अब सच साबित हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि जी2 ने मिलकर सत्ता में बदलाव और तख्तापलट किया है। उनके अनुसार, यह कई मायनों में लोगों के जनादेश के साथ विश्वासघात है।

महाराष्ट्र में शरद पवार कैसे बने विपक्ष के सर्वसम्मत उम्मीदवार

पवार की बेटी ने न केवल इस रणनीति की रचना की बल्कि उस पर सफलता से अमल भी किया

- सूत्रों ने बताया कि पवार ने अंतिम क्षणों में राज्यसभा में पुनः जाने की इच्छा जताई, तो सबसे बड़ी चुनौती थी उन्हें विपक्ष का सर्वसम्मत प्रत्याशी बनाने की, क्योंकि तभी वे जीत सकते थे।
- इस चुनौती को साधने की कमान संभाली उनकी पुत्री सुप्रिया सुले ने। पहले वे उद्धव ठाकरे से मिली और पवार के लिए समर्थन मांगा। ज्ञातव्य है कि ठाकरे इस बार सीट पर दावा कर रहे थे और उद्धव के पुत्र आदित्य ठाकरे ने तो यहां तक कह दिया था कि पहले शरद पवार को समर्थन दे चुके हैं अब उनकी बारी है, लेकिन अंततः उद्धव ठाकरे ने शरद पवार को समर्थन देने की बात मान ली। यह सुप्रिया की पहली रणनीतिक सफलता थी।
- इसके बाद सुप्रिया ने महाराष्ट्र के कांग्रेस नेताओं को साधा और अंततः कांग्रेस के केन्द्रीय नेतृत्व ने भी शरद पवार को समर्थन देने की घोषणा कर दी, पर एक शर्त के साथ कि एनसीपी के दोनों गुटों का विलय नहीं होगा और शरद पवार एनडीए में नहीं जाएंगे। इस सम्बंध में आश्वासन मिलने के बाद शरद पवार की उम्मीदवारी पक्की हो गई।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 मार्च। महाराष्ट्र के विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी (एम.वी.ए.) ने राज्य में मिलने वाली एकमात्र संभावित राज्यसभा सीट को लेकर होने वाला विवाद टाल दिया है।

शरद पवार ने आखिरी समय में अपने पहले के फैसले से यू-टर्न लेते हुए चुनाव लड़ने की इच्छा जताई और उन्हें विपक्ष का संयुक्त उम्मीदवार घोषित कर दिया गया। उद्धव ठाकरे की पार्टी, शिव सेना (यू.बी.टी.), जो यह सीट अपने किसी नेता को देना चाहती थी, ने अपना दावा वापस ले लिया।

इस संयुक्त मोर्चे की मुख्य रणनीतिकार पवार की बेटी सुप्रिया सुले थीं, जिन्होंने कांग्रेस से संपर्क करने की पहल की।

सूत्रों के अनुसार, नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की ओर से सुले ने पूरे दिन महाराष्ट्र, कांग्रेस नेताओं से बातचीत की।

सबसे पहले उन्होंने उद्धव ठाकरे से मिलकर पवार के समर्थन की मांग की, क्योंकि शिवसेना (यू.बी.टी.) ही इस सीट पर नजर रखे हुए थी।

ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे ने यह भी कहा था कि चूँकि उन्होंने पहले एक सीट शरद पवार के लिए छोड़ी थी, इसलिए अब एहसान लौटाने का समय है।

सूत्रों ने बताया कि पासा तब पलटा, जब महाराष्ट्र कांग्रेस नेताओं ने दिल्ली में फोन कर खड़गे और राहुल गांधी से परामर्श किया।

कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने शरद पवार की उम्मीदवारी को मंजूरी दे दी। उनका मानना था कि महाराष्ट्र और राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष के लिए उनकी मौजूदगी महत्वपूर्ण है। सूत्रों का कहना है कि 85 वर्षीय पवार आने वाले दिनों में मुख्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार-महाराष्ट्र समेत कई राज्यों के राज्यपाल बदले

नई दिल्ली, 05 मार्च। बिहार-महाराष्ट्र समेत देश के कई राज्यों के राज्यपाल बदल गए हैं। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और दिल्ली के लैफ्टिनैंट गवर्नर (उप राज्यपाल) भी बदल गए

- सबसे महत्वपूर्ण बदलाव पश्चिम बंगाल में हुआ जहां राज्यपाल सी वी आनंद बोस का इस्तीफा स्वीकार कर तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि को नया राज्यपाल बनाया गया है।

हैं।दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर विनय कुमार सक्सेना को लद्दाख का नया लेफ्टिनेंट गवर्नर बनाया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान के आकाश पर अमेरिका के विमान ही विमान नज़र आते हैं

ये सभी विमान गत दो -तीन दशकों में लगातार भारत को ऑफर किए गए थे, पर भारत ने एक भी अमेरिकी फाइटर विमान का ऑर्डर नहीं दिया, आज तक

- कारण, हरदम की तरह टैक्नोलॉजिकल कारण बताता आया है भारत। पर क्या अमेरिकी फाइटर हवाई जहाज न खरीदने का कारण, शुद्ध टैक्नोलॉजी है या कुछ और भी।
- शीत युद्ध के दौरान अमेरिका ने एक बड़ा निर्णय लिया, पाकिस्तान को हथियार व फाइटर प्लेन सप्लाई करने का और पाकिस्तान ने बड़ा इठला-इठला कर, इन विमानों का भारत के खिलाफ जमकर उपयोग किया।
- भारत ने भी अपनी विमान व हथियार खरीदने की नीति निर्धारित की, और अपनी वायुसेना की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए रुस की ओर देखा।
- शीत युद्ध की समाप्ति के बाद, दोनों तरफ से भारी कोशिश हुई, भारत व अमेरिका को नज़दीक लाने के लिये, पर फिर मई 1998 में भारत ने न्युक्लियर बम बनाने की दृष्टि से, टैस्टिंग आरंभ की। अमेरिका ने बेरहमी से भारत पर दण्डात्मक प्रतिबंध लगाये।

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 5 मार्च। आजकल ईरान के आसमान पर एक नजर डालिए जो परमाणु ऊर्जा से चलने वाले विमानवाहक पोतों के डेक से उड़ान भरते अमेरिकी एफ/ए-18 सुपर हॉर्नेट, खाड़ी के ठिकानों से उड़ते एफ/ए-15 स्ट्राइक ईगल, लगातार कॉम्बैट एयर डिफेंस मिशन पर तैनात एफ-16, इज़राइल से अपनी पहली युद्ध तैनाती पर गए एफ-22 रैप्टर स्टेल्थ फाइटर, रात में बिना रुके उड़ान भरते बी-2 स्टेल्थ बॉम्बर, और कई स्तरों वाली वायु रक्षा को पार करते एफ-35ई दिखे, जिनमें से एक ने हाल ही में अपनी पहली एयर-टू-एयर जीत भी दर्ज की।

यह अमेरिकी लड़ाकू वायुशक्ति का सबसे बड़ा जमावड़ा है-युद्ध के दौरान होने वाली एक तरह की पूरी अभ्यास प्रस्तुति, जो दिखाती है कि जब अमेरिका पूरी ताकत से उतरता है तो उसकी वायुसेना और नौसेना क्या कर सकती हैं।

दिलचस्प बात यह है कि इन आसमानों में दिखाई देने वाले लगभग हर लड़ाकू विमान को पिछले 20 वर्षों में कभी-न-कभी भारत को भी बेचने के लिए पेश किया गया था। और भारत ने हर बार उन्हें खरीदने से मना कर दिया था।

यह समझने के लिए कि ऐसा क्यों हुआ, आपको मिसाइलों, स्टेल्थ जेटों और अरबों डॉलर के रक्षा संबंधों से पहले के दौर में जाना होगा-शीत युद्ध के समय में, जब अमेरिका ने एक ऐसा फैसला लिया था जिसे भारत आज तक नहीं भूला है।

शीत युद्ध के दौरान वॉशिंगटन ने पाकिस्तान को हथियार दिए, सिर्फ राइफल और टैंक ही नहीं, बल्कि अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू विमान भी, जैसे एफ-86 सेबर, एफ-104 स्टारफाइटर, एफ-86डी, एफ-37 और बाद में बेहद अहम एफ-16 फाइटिंग फाल्कन, जो दुनिया के सबसे सक्षम बहु-भूमिका वाले लड़ाकू विमानों में से एक है। पाकिस्तान ने इन जेटों को उड़ाया, इनके साथ युद्ध लड़े, और इन्हें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लद्दाख के उपराज्यपाल ने इस्तीफा दिया

लेह, 05 मार्च। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस अचानक त्यागपत्र से प्रदेश की राजनीति में बड़ी हलचल मच गई है। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया

- दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को लद्दाख का उपराज्यपाल बनाया गया है।

है, जब कुछ ही देर पहले पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने भी इस्तीफा दिया था।

कविंदर गुप्ता के इस्तीफे की खबर ने राजनीतिक गलियारों में कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इस फैसले के पीछे के कारणों को लेकर विभिन्न स्तरों पर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, उपराज्यपाल के पद छोड़ने का वास्तविक कारण अभी तक सार्वजनिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

विश्व में अग्रणी भूमिका निभाने की आकांक्षा रखने वाला कोई भी देश शुद्ध या दीर्घकालीन अनुसंधान की उपेक्षा नहीं कर सकता। –होमी भाभा

जीडीपी बेहतर मापने के लिये तरीकों में जरूरी बदलाव!

देश की अर्थव्यवस्था को बेहतर ढंग से दिखाने के लिए केंद्र सरकार जीडीपी को मापने के तरीके में बड़े बदलाव कर रही है। बताया जा रहा है कि इन बदलावों का मकसद भारत के जीडीपी आंकड़ों को ज़्यादा सही, विस्तृत और असली अर्थव्यवस्था को दिखाने वाला बनाना है। भारत की अर्थव्यवस्था पहले कृषि-प्रधान थी, लेकिन अब सेवाक्षेत्र, आईटी, बैंकिंग, स्टार्टअप, डिजिटल सेवाएं आदि का योगदान बहुत बढ़ गया है। जब अर्थव्यवस्था में नई-नई गतिविधियां जुड़ती हैं, तो उन्हें जीडीपी में सही ढंग से शामिल करने के लिए उसके तरीके अपडेट करने पड़ते हैं। फरवरी महीने की शुरुआत में इन्फ्लेशन बास्केट में बदलाव किया गया और उसके बाद, अब 2022-23 को नया बेस ईयर मानकर जीडीपी के गणित को फिर से बनाया जा रहा है और 27 फरवरी से पिछले कुछ सालों के बैक-सीरीज़ डेटा भी जारी किए गए हैं। फरवरी महीने की शुरुआत में, सरकार ने जनवरी के लिए कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स आधारित इन्फ्लेशन डेटा जारी किया, जो बेस ईयर 2024 के साथ नई उपभोक्ता मूल्य सूचकांक सीरीज़ के तहत पहली रीडिंग था। यह भी बताया जा रहा है कि यह कवायद एक्यूरेसी को बेहतर बनाने के मकसद से इकोनॉमिक स्टैटिस्टिक्स के बड़े रिवीजन का एक हिस्सा है, जिसमें ज़्यादा ग्रेन्युलर इंडिकेटर्स शामिल होंगे जो कोरोना महामारी के बाद खपत में आये बदलाव और डिजिटल इकॉनमी के तेज़ी से विस्तार को बेहतर ढंग से कैप्चर करेंगे और अर्थव्यवस्था की हालत बेहतर तरीके से समझी जा सकेगी।

मिनिस्ट्री ऑफ़ स्टैटिस्टिक्स एंड प्रोग्राम इम्प्लीमेंटेशन का कहना है कि यह परिवर्तन/संशोधन मौजूदा खर्च के पैटर्न को बेहतर ढंग से दिखाने और उसकी शुद्धता में सुधार करने के लिए लागू किया जा रहा है। इसके तहत नवीनतम घरेलू खपत सर्वे और ताजा मार्केट डेटा का इस्तेमाल करके इन्फ्लेशन बास्केट को अपडेट किया जा रहा है। इंडस्ट्रियल आउटपुट में बदलाव का एक मुख्य माप इंडेक्स ऑफ़ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन सीरीज़ होती है उसे बेस ईयर 2022-23 वाली बनाया जा रहा है। नई सीरीज 28 मई, 2026 को जारी होने वाली है। उसे भी डेटा को अपडेट करने और इसे बदले हुए नेशनल अकाउंट्स फ्रेमवर्क के साथ अलाइन रखने की कोशिशों का हिस्सा बताया जा रहा है। इसीलिए डिजिटल सर्विस और रिन्यूएबल एनर्जी जैसी नई इंडस्ट्री, कंजम्प्शन में बदलाव और इन्वेस्टमेंट पैटर्न में बदलाव को शामिल करने के लिए बेस ईयर को 2011-12 से 2022-23 में अपडेट किया जा रहा है। इसके अलावा भी सभी सेक्टरों में मॅप के तरीकों को सुधारा जा रहा हैं। जैसे मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस क्षेत्रों में अब कीमतों में बदलाव के असर को बताने के लिए जीडीपी की नई गणित में नई तकनीकों का इस्तेमाल किया जायेगा जिनसे अनौपचारिक (इनफॉर्मल) और गिग इकॉनमी के हालात को सर्वे, जीएसटी डेटा और दूसरे हाई-फ्रीक्वेंसी इंडिकेटर का इस्तेमाल करके बेहतर तरीके से प्रस्तुत किया जा सकेगा। नई व्यवस्था में तिमाही जीडीपी अनुमानों को एक नए बेंचमार्किंग तरीके -प्रोपोर्शनल डेंटन तरीके- के जरिये बेहतर बनाया जाएगा। शॉर्ट-टर्म इकॉनमिक ट्रेंड को उनकी संपूर्णता में दिखाने के लिये बिना किसी बनावटी उछाल के तिमाही नंबरों को सालाना कुल के साथ जोड़ा जाएगा, जिससे यह संपूर्णता सुनिश्चित होगी। इसके अलावा, फूड सब्सिडी, जिसे पहले प्रोडक्ट सब्सिडी में गिना जाता था, अब ट्रांसफर इन काइंड के तौर पर माना जायेगा। नई सीरीज़ में ग्रॉस जीएसटी और कम्पनसेशन सेस के बजाय सेस समेत नेट गुड्स एंड सर्विसेज़ टैक्स कलेक्शन का इस्तेमाल किया जायेगा, जबकि स्टेट एक्साइज़, यूनियन एक्साइज़, सेल्स टैक्स और कस्टम्स ड्यूटी को उनकी असल वैल्यू का इस्तेमाल करके दिखाया जाएगा।

सवाल उठता है कि बेस ईयर को अभी क्यों अपडेट किया जा रहा है, और इसे कितनी बार बदला जाएगा? अधिकृत तौर पर बताया गया है कि यह बदलाव पहले ही अपेक्षित था। पिछले कुछ समय में देश की अर्थव्यवस्था में कुछ दूरगामी इकॉनमिक बदलाव हुए हैं। पहले जीएसटी आया, और फिर कोविड आ गया। अर्थव्यवस्था को दर्शाने वाले आंकड़ों को अपडेट करने की आवश्यकता इसलिये भी बनी क्योंकि पिछले साल इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आइएमएफ) ने भारत के नेशनल अकाउंट्स स्टैटिस्टिक्स के लिए मेथड की कमियों को इंगित किया था और इसे सी रेटिंग दी थी। इसका मतलब था कि आइएमएफ को सरकार ने जो डेटा दिए थे उनमें कुछ कमियां थी जो, कुछ हद तक आकड़ों पर नज़र रखने में रुकावट डालती थीं। बताया गया है कि यह बदलाव अब किया जा रहा है क्योंकि भारत की इकोनॉमी के बदलते स्ट्रक्चर को बेहतर ढंग से दिखाने के लिए ज़्यादा अपडेटेड और भरोसेमंद डेटा उपलब्ध हैं। उम्मीद की जा रही है कि भविष्य में बेस ईयर में बदलाव हर पांच साल में या उसके आसपास किया जाएगा। पहले जीडीपी के अनुमान सर्वे और सीमित डेटा पर आधारित होते थे। अब डिजिटल रजिस्ट्रेशन, जीएसटी डेटा, कंपनी मामलों के मंत्रालय के रिकॉर्ड जैसे स्त्रोतों से अधिक सटीक आंकड़े मिलने लगे हैं जिनका उपयोग करके जीडीपी का चित्र अधिक स्पष्ट बनाया जा सकता है। जीडीपी मापने के लिए संयुक्त राष्ट्र की सिस्टम ऑफ नेशनल अकाउंट्स गाइडलाइन भी होती है। भारत सरकार समय-समय पर इन मानकों के अनुसार अपने तरीकों को अपडेट करती रहती है ताकि उनकी वैश्विक तुलना आसान और भरोसेमंद हो। इसीलिए इसमें नवीनतम घरेलू खपत एवं एक्सपेंडिचर सर्वे, अनइनकॉरपोरेटेड सेक्टर एंटरप्राइजेज का सालाना सर्वे, लेबर फोर्स का आवधिक सर्वे, उद्योगों का वार्षिक सर्वे और ऑल-इंडिया डेट एंड इन्वेस्टमेंट सर्वे शामिल हैं, जो मिलकर खपत, रोज़गार और बिजनेस एक्टिविटी की ज़्यादा माक़ूल तस्वीर प्रस्तुर करते हैं। इसके अलावा, सरकार कवरेज और एक्यूरेसी को बेहतर बनाने के लिए गुड्स एंड सर्विसेज़ टैक्स डेटा, पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम, ई-वाहन गाड़ी रजिस्ट्रेशन डेटा और पेट्रोलियम सेक्टर डेटा जैसे एडमिनिस्ट्रेटिव डेटा सोर्स का प्रमुखता से इस्तेमाल कर रही है, जिससे यह पक्का करने में मदद मिलेगी कि नेशनल अकाउंट्स अलग-अलग सेक्टर्स में स्ट्रक्चरल बदलावों को बेहतर ढंग से पकड़ सकें।

> **भारत की अर्थव्यवस्था पहले कृषि-प्रधान थी, लेकिन अब सेवाक्षेत्र, आईटी, बैंकिंग, स्टार्टअप, डिजिटल सेवाएं आदि का योगदान बहुत बढ़ गया है। जब अर्थव्यवस्था में नई-नई गतिविधियां जुड़ती हैं, तो उन्हें जीडीपी में सही ढंग से शामिल करने के लिए उसके तरीके अपडेट करने पड़ते हैं। फरवरी महीने की शुरुआत में इन्फ्लेशन बास्केट में बदलाव किया गया और उसके बाद, अब 2022-23 को नया बेस ईयर मानकर जीडीपी के गणित को फिर से बनाया जा रहा है और 27 फरवरी से पिछले कुछ सालों के बैक-सीरीज़ डेटा भी जारी किए गए हैं।**

इस बड़े बदलाव का मुख्य मकसद डबल डिफ्लेशन की ओर बदलाव भी है। यह एक ऐसा तरीका है जो रियल वैल्यू एडेड को ज़्यादा सही तरीके से मापने के लिए इनपुट और आउटपुट की कीमतों को अलग-अलग एडजस्ट करता है। इससे अनुमानों में सुधार होने की उम्मीद है, खासकर मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में, जहां इनपुट और आउटपुट की कीमतों के बीच अंतर ने पहले के सिस्टम की गड़बड़ियों के बारे में चिंताएं पैदा की थीं। इन बदलावों से गिग और डिजिटल इकॉनमी को भी बेहतर ढंग से कैप्चर किया जाने का प्रयास किया जाएगा। हालांकि गिग वर्क पहले से ही जीडीपी अनुमानों में शामिल था, लेकिन अब इसे इंडिकेटर्स की एक बड़ी रेंज, जिसमें अनइनकॉरपोरेटेड एंटरप्राइजेज के सर्वे, कॉर्पोरेट फाइलिंग और जीएसटी डेटा शामिल हैं, का इस्तेमाल करके ज़्यादा सही तरीके से दिखाया जा सकेगा। इससे यह पक्का होगा कि प्लेटफॉर्म-बेस्ड और सेल्फ-एम्प्लॉयड वर्कर्स और बेहतर तरीके से दर्ज हो सकें। इसी तरह, इनफॉर्मल सेक्टर को और गहराई से मापाने की ओर कदम बढ़ाया गया है। इस माप के लिये डेटा की कमी को पूरा करने के वास्ते रोज़गार के पैटर्न और घरेलू कामों को ट्रैक करने वाले सर्वे के साथ-साथ मोटर गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन और फ्यूल की खपत जैसे हाई-फ्रीक्वेंसी डेटा का भी इस्तेमाल किया जाने लगा है। इन बदलावों का मकसद फ़ॉर्मल और इनफॉर्मल दोनों क्षेत्रों को साथ मिलाकर आर्थिक गतिविधियों की ज़्यादा पूरी और असली तस्वीर प्रस्तुत करना बताया गया है।

अर्थशास्त्रियों का कहना है कि बदली हुई सीरीज़ भारत के महंगाई और जीडीपी डेटा मौजूदा अर्थव्यवस्था को ज़्यादा ऊंची दिखाएगी। निवेशकों और बाज़ार भारत की महंगाई और उसके नेशनल अकाउंट का सही आकलन कर पाएंगे और वे अर्थव्यवस्था की असली ऊंचाई को देख पाएंगे, क्योंकि महंगाई और जीडीपी दोनों के नंबर मौजूदा खपत और प्रोडक्शन पैटर्न को दिखाएंगे। नई व्यवस्था में सेवा क्षेत्र (सर्विसेज़) का वज़न ज़्यादा होने की संभावना है और आम तौर पर खेती की तुलना में वहां तेज़ी से वृद्धि होगी। नई सीरीज़ ज़्यादा औसत असली जीडीपी ग्रोथ दिखा सकती है, भले ही असल अर्थव्यवस्था वही रहे। वर्ष 2024-2026 की नई जीडीपी सीरीज देश की अर्थव्यवस्था के आकार और तिमाही ग्रोथ रेट को बदल सकती है। ये डेटा पॉइंट्स भारत के ग्रोथ-इन्फ्लेशन मिक्स और मॉनेटरी पॉलिसी एक्शन की दिशा का फिर से आकलन करने के लिए अहम हो सकते हैं।

जीडीपी की गणना में एक आधार वर्ष तय किया जाता है, जिससे कीमतों की तुलना की जाती है। केंद्र सरकार ने समय-समय पर -1993-94, 1999-2000, 2004-05 और 2011-12 में बेस ईयर बदला है। अब सरकार नई आर्थिक वास्तविकताओं को शामिल करने के लिये 2022-23 को नया बेस ईयर बनाने पर काम कर रही है। अर्थशास्त्री कहते हैं कि बेस ईयर बदलने से जीडीपी में महंगाई का असर सही दिखेगा और उसमें नई कंपनियां और सेक्टर शामिल होंगे। मगर 2015 में जब नई सीरीज़ (2011-12 बेस ईयर) लागू हुई थी, तब कई अर्थशास्त्रियों की इस पद्धति पर बहस हुई थी। अंततः यह माना गया कि इसमें समय-समय पर समीक्षा और सुधार आवश्यक है। ऐसे सुधारों के समर्थक कहते हैं कि जीडीपी मापने के तरीके में बदलाव का उद्देश्य आंकड़ों को 'बढ़ाना' नहीं, बल्कि उन्हें अधिक सटीक, पारदर्शी और आधुनिक अर्थव्यवस्था के अनुरूप बनाना है। यद्यपि आधार वर्ष परिवर्तन और पद्धति सुधार एक सामान्य एवं आवश्यक प्रक्रिया है, ताकि वह पारदर्शिता, विश्वसनीयता और असंगठित क्षेत्र के समुचित आकलन को सुनिश्चित किया जा सके। साथ ही सरकार को सांख्यिकीय प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाकर सभी पक्षों का विश्वास अर्जित करना चाहिए।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

राजस्थान का बदलता स्टार्टअप परिदृश्य और युवा सशक्तिकरण

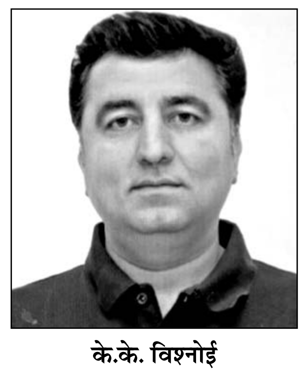

के.के. विश्नोई

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य ने स्टार्टअप, नवाचार और कौशल-आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में कदम बढ़ाकर विकास की पारंपरिक धारणाओं को नया आयाम दिया है। पिछले दिनों आयोजित राजस्थान स्टार्टअप समिट 2026 ने इस परिवर्तनशील परिदृश्य को एक मंच पर प्रस्तुत अवश्य किया। यह परिवर्तन दीर्घकालिक नीतिगत दृष्टि और प्रशासनिक इच्छाशक्ति का प्रतिफल है।

राजस्थान लंबे समय तक खनिज, हस्तशिल्प, कृषि और पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था के लिए जाना जाता रहा। डिजिटल क्रांति और नई अर्थव्यवस्था के दौर में राज्य ने स्वयं को तकनीकी उद्यिमता के अनुकूल ढालने का प्रयास किया है। जयपुर, जोधपुर, उदयपुर और कोटा जैसे शहरों में अब फिनटेक, एग्रीटेक, हेल्थटेक और एडटेक स्टार्टअप्स का उभार स्पष्ट दिखाई देता है। विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों से निकलने वाली नई पीढ़ी पारंपरिक नौकरी की अपेक्षा उद्यमिता की ओर अग्रसर हो रही है।

राज्य सरकार की आई-स्टार्ट पहल के अंतर्गत 3450 से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत होना इस बात का प्रमाण है कि राजस्थान में उद्यिमता की संस्कृति विकसित हो रही है। प्रदेश के 658 स्टार्टअप्स को लगभग 22.5 करोड़ रुपये की कराई गई फंडिंग शुरुआती स्तर पर पूंजी की समस्या से जूझ रहे युवाओं के लिए संबल है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की यह पहल वित्तीय सहायता के साथ ही स्टार्टअप हब्स, टिंकरिंग लैब्स, डीप-टेक और एआई लैब्स की स्थापना की दिशा में बजटीय प्रावधान भविष्य की तकनीकों के प्रति राज्य की प्राथमिकता का प्रमाण है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट सम्मिट 2024 में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हस्ताक्षिरत होना और 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश पर कार्य प्रारंभ होना यह संकेत देता है कि राजस्थान निवेशकों की रुचि में मजबूती से स्थापित हो चुका है। निवेश का यह प्रवाह यदि स्टार्टअप इकोसिस्टम से जुड़ता है, तो बड़े उद्योगों और नवाचार आधारित उद्यमों के बीच सहजीवी संबंध स्थापित हो सकते हैं। सेमीकंडक्टर और एयरोस्पेस जैसी नीतियां उच्च-तकनीकी विनिर्माण के लिए मार्ग प्रशस्त करने से तकनीकी कौशल की मांग और स्टार्टअप अवसर दोनों बढ़ेंगे। राजनिवेश पोर्टल और सिंगल विंडो क्लीयरेंस प्रणाली के माध्यम से 2 हजार से अधिक प्रस्तावों को स्वीकृति दी जा चुकी है। इनका प्रस्तावित निवेश लगभग 49 हजार करोड़ रुपये है।

स्टार्टअप्स के लिए समय और प्रक्रिया की लागत सबसे बड़ी चुनौती होती है। भूमि उपयोग परिवर्तन में सरलीकरण और औद्योगिक क्षेत्रों में अनावश्यक एनओसी समाप्त करना उद्यमिता के मार्ग की बाधाओं को कम करना महत्वपूर्ण सुधार सकारात्मक संकेत हैं।

राजस्थान एमएसएमई नीति-2024 के अंतर्गत 3,410 उद्योगों को प्रमाण पत्र जारी किए जा चुके हैं। स्टार्टअप और एमएसएमई के बीच सहयोग की संभावनाएं विशाल हैं। पारंपरिक उद्योग नवाचार आधारित समाधान जैसे एग्रीटेक के माध्यम से कृषि आपूर्ति श्रृंखला में सुधार या डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से हस्तशिल्प के वैश्विक विपणन आदि अपनाकर रोजगार और आय दोनों में वृद्धि कर सकते हैं। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का प्रयास है कि युवा केवल रोजगार मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बने। राजस्थान युवा नीति और रोजगार नीति इसी दृष्टि को आगे बढ़ाती हैं। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के माध्यम से 18 से 45 वर्ष तक के युवाओं को ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराना उद्यमिता को प्रोत्साहन देता है। प्रदेश के 33 जिलों में 65 लॉन्च पैड विकसित कर सरकार ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों तक स्टार्टअप संस्कृति पहुंचाने का प्रयास कर रही है। राजस्थान ने एनीमेशन, गेमिंग, एक्सटेंडेड रियलिटी और कॉमिक्स जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यह संकेत है कि राज्य पारंपरिक उद्योगों से आगे बढ़कर रचनात्मक अर्थव्यवस्था को भी महत्व दे रहा है। युवा आबादी और डिजिटल पहुंच को देखते हुए यह क्षेत्र रोजगार के नए अवसर सृजित कर सकते हैं।

राजस्थान का वर्तमान स्टार्टअप परिदृश्य संक्रमण काल में है। यहां नीतियां आकार ले चुकी हैं, निवेश प्रवाहित हो रहा है और युवा तैयार हैं। अब आवश्यकता है क्रियान्वयन की निरंतरता और पारदर्शिता की। राज्य सरकार की पहलें, निजी निवेश और युवाओं की नवाचारी ऊर्जा से राजस्थान आने वाले वर्षों में स्टार्टअप और कौशल-आधारित अर्थव्यवस्था का मजबूत मॉडल बन रहा है। राजस्थान भविष्य गढ़ने की तैयारी में है और इस भविष्य की धुरी नवाचार, कौशल और युवा उद्यमिता है।

–के.के. विश्नोई,
उद्योग, युवा मामले, कौशल,
नियोजन एवं उद्यिमता राज्य मंत्री

मेवाड़-वागड़ क्षेत्र की उपेक्षा

डॉ. पी. सी. कंठालिया

राजस्थान के एकीकरण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण चरण तब आया जब 'राजस्थान संघ में उदयपुर रियासत का विलय हुआ और इसका नया नाम 'संयुक्त राजस्थान रखा गया। उदयपुर के शासक महाराणा भूपालसिंह मेवाड़ की 20 लाख जनता की इच्छा के अनुरूप विलय के लिए सहमति जाहिर की 23 मार्च 1948 को महाराणा ने प्रधानमंत्री सर राममूर्ति को दिल्ली भेजा और तत्कालीन गृहमंत्री सरदार पटेल के अधीन एकीकरण का काम देख रहे वीपी मेनन के पास गए उन्होंने अपनी मांगें भारत सरकार के सामने रखीं इस दौरान एक मांग थी उदयपुर को संयुक्त राजस्थान की राजधानी बनाया जाए 18 अप्रैल, 1948 को स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की उपस्थिति में, उदयपुर के फतेह प्रकाश पैलेस के दरबार हॉल में विलय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए, तभी राजस्थान संघ का नाम बदलकर 'संयुक्त राजस्थान कर दिया गया महाराणा भूपालसिंह को राजप्रमुख और प्रधानमंत्री माणिक्यलाल वर्मा को बनाया गया मेवाड़ के शामिल होने के साथ ही उदयपुर को राजधानी शहर भी बनाया गया।

14 जनवरी, 1949 को सरदार वल्लभभाई पटेल भी उदयपुर आए दो माह बाद 30 मार्च 1949 को मेवाड़ के नेतृत्व में अन्य बड़ी रियासतों द्वारा विलय पत्र पर हस्ताक्षर करने के बाद राजस्थान का नया राज्य बना इसके बाद राजस्थान की राजधानी जयपुर में स्थानांतरित कर दी गई और जयपुर के महाराजा सवाई मान सिंह को राजस्थान का राज-प्रमुख नियुक्त किया गया। वहीं, महाराणा भूपाल सिंह को आजीवन महाराज-प्रमुख के पद पर पदोन्नत किया गया इसी के चलते 30 मार्च को राजस्थान दिवस मनाने की परंपरा की शुरू हुई इस तरह राजस्थान राज्य के गठन में मेवाड़ महाराणा भूपालसिंह की प्रमुख भूमिका रही परन्तु आज यही मेवाड़ - वागड़ क्षेत्र उपेक्षा का शिकार है।

मेवाड़ का इतिहास केवल राजस्थान का नहीं, बल्कि संपूर्ण भारत के शौर्य और स्वाभिमान का प्रतीक है। मेवाड़, राजस्थान का एक ऐसा क्षेत्र है जिसने स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए सदियों से संघर्ष किया है। मेवाड़ के राजाओं ने शपथ ली थी कि जब तक दिल्ली पर विदेशियों का शासन रहेगा, वो दिल्ली नहीं जाएंगे। लेकिन आज 2026 के परिप्रेक्ष्य में जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो गौरवशाली अतीत के बावजूद मेवाड़ की उपेक्षा का प्रश्न बार-बार खड़ा होता है। मेवाड़-वागड़ क्षेत्र, जो राजस्थान के दक्षिणी भाग में स्थित है, पिछले कई दशकों से उपेक्षा का शिकार हो रहा है। यह क्षेत्र अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन इसके बावजूद, यहां के लोगों को विकास और सुविधाओं के मामले में बहुत पीछे छोड़ दिया गया है।

मेवाड़-वागड़के साथ हमेशा अन्याय हुआ है चाहे कांग्रेस सरकार हो या बीजेपी सरकार उदयपुर के लिए लगभग स्वीकृत आई.आई.टी. कोटा होकर जोधपुर चली गयी। सबसे अधिक झीले उदयपुर में है परन्तु झील प्राधिकरण का मुख्यालय जयपुर को दिया गया, सबसे अधिक वन क्षेत्र उदयपुर संभाग में है परन्तु वन अनुसन्धान संस्थान जोधपुर में है। राजस्थान में मेवाड़ को छोड़कर जोधपुर, कोटा, बीकानेर, अजमेर, जयपुर संभाग में 30 साल पूर्व ही रल्वे ब्रॉड गेज जोड़ दिया गया था, इन शहरों से देश के हर कोने के लिए रेलवे सुविधा है। इधर आज हम उदयपुर - अहमदाबाद - मुंबई, उदयपुर -मारवाड़ रेलवे के ब्रॉड गेज के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बांसवाडा - रतलाम रेल लाइन फाइलों में दब गई है, कोई सुनने वाला नहीं। आदिवासी क्षेत्र में रेलवे के लिए मात्र आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला है। उदयपुर स्थित खान एवं भूविज्ञान विभाग एवं एस.आई.आर.टी. आदि को कमजोर कर जयपुर ले जाने की तैयारी की जा रही है।

मध्य प्रदेश के विभाजन के बाद क्षेत्रफल के आधार पर राजस्थान भारत का सबसे बड़ा राज्य है। इसकी विशालता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि बांसवाड़ा से श्री गंगानगर की यात्रा में लगभग 24 घंटे का समय लग जाता है। इतने बड़े राज्य को एक ही प्रशासन के तहत चलाना एक बड़ी चुनौती है। भारतीय जनता पार्टी का मानना है कि छोटे राज्य के गठन से तेजी से विकास होता है, इसी कारण उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ एवं झारखण्ड को पृथक राज्य बनाने के लिए जोर-शोर समर्थन दिया था मेवाड़- वागड़ क्षेत्र के भी कई लोगों का मानना है कि राजस्थान को छोटे-छोटे राज्यों में बांटा जाये ताकि इस क्षेत्र का तेजी से विकास हो। उदयपुर में राजस्थान उच्च न्यायालय की पीठ स्थापित करने की मांग पिछले कई दशकों से की जा रही है। उदयपुर में उच्च न्यायालय की पीठ स्थापित करने की मांग 1970 के दशक से की जा रही है। 1980 के दशक में इस मांग को लेकर अधिवक्ताओं ने हड़ताल की थी। 2013 में मेवाड़-वागड़ हाईकोर्ट बेंच संघर्ष समिति ने इस मांग को लेकर आंदोलन शुरू किया था। उदयपुर राजस्थान के दक्षिणी भाग में स्थित है, जो जोधपुर से काफी दूर है। यहां के लोगों को न्याय पाने के लिए जोधपुर जाना पड़ता है, जो समय और पैसा दोनों की बर्बादी है। उदयपुर में उच्च न्यायालय की पीठ स्थापित करने की मांग को लेकर आंदोलन जारी है परन्तु इतने लम्बे संघर्ष के बावजूद कोई सफलता नहीं मिली है। राजस्थान में कृषि विकास को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से वर्ष 1987 में बीकानेर में एक स्वतंत्र कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। राज्य की विशाल भौगोलिक विविधता, विभिन्न फसल पद्धतियों, जलवायु परिस्थितियों एवं मृदा मानकों को ध्यान में रखते हुए वर्ष 1999 में राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालयों का पुनर्गठन किया गया, जिसके अंतर्गत महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का गठन हुआ। दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज यही विश्वविद्यालय सरकार की घोर उपेक्षा का शिकार बना हुआ है। विश्वविद्यालय में लगभग 80 प्रतिशत अध्यापकों एवं कृषि वैज्ञानिकों के पद वर्षों से रिक्त पड़े हैं, जिससे न केवल शिक्षा और शोध प्रभावित हो रहा है, बल्कि राज्य के कृषि विकास की गति भी अवरुद्ध हो गई है। स्थिति यहाँ तक गंभीर हो चुकी है कि विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनकी वैध पेंशन तक समय पर नहीं मिल पा रही है। कम्प्यूटेड पेंशन का भुगतान पूर्णतः बंद कर दिया गया है तथा ग्रेच्युटी के भुगतान के लिए कर्मचारियों को दो-तीन वर्षों तक प्रतीक्षा करनी पड़ रही है। यह न केवल प्रशासनिक विफलता को दर्शाता है, बल्कि उन कर्मचारियों के प्रति घोर अन्याय भी है, जिन्होंने अपना पूरा जीवन इस संस्थान की सेवा में समर्पित कर दिया।

मेवाड़-वागड़ राज्य का गठन एक ऐसा विचार है जो कई वर्षों से चर्चा में है। यह क्षेत्र वर्तमान राजस्थान राज्य के दक्षिणी भाग में स्थित है, जिसमें उदयपुर, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, और राजसमंद जिले शामिल हैं। मेवाड़-वागड़ की भौगोलिक स्थिति राजस्थान के अन्य क्षेत्रों से काफी अलग है। यह क्षेत्र अरावली पहाड़ियों से घिरा हुआ है, जो इसे एक अलग भौगोलिक इकाई बनाता है। यहां की जलवायु भी राजस्थान के अन्य भागों से अलग है, जो अधिक आर्द्र और शीतल है। जलवायु एवं फसल चक्र के अतिरिक्त रीति रिवाज एवं समस्याओं में भी विभिन्नता है।

मेवाड़-वागड़ क्षेत्र की उपेक्षा एक चिंताजनक स्थिति है, मेवाड़-वागड़ क्षेत्र की उपेक्षा के कई कारण हैं।

मेवाड़-वागड़ क्षेत्र को राजनीतिक रूप से अनदेखा किया गया है, जिससे यहां के लोगों को अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ता है।उदयपुर में लम्बे संघर्ष के बावजूद भी रजस्थान उच्च न्यायालय के पीठ की स्थापना नहीं हो पाई और बीकानेर को यह पीठ दे दी गई, चुनाव के बाद यहाँ से विजयी राजनेता मेवाड़-वागड़ क्षेत्र को भूल जाते हैं

राजस्थान के दक्षिणी भाग के आदिवासियों के लिए 7.5 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई थी, यहाँ के आदिवासी मीना कहलाते है परन्तु इसका लाभ पूर्णतया नहीं मिला। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति आयोग ने 'भील मीना' के लिए आरक्षण की सिफारिश की थी। लेकिन एक छपाई की गलती (भील और मीना के बीच अल्पविराम) के कारण पूरे मीना / मीणा समुदाय को आरक्षण मिल गया। आज तक कोई भी भील मीना आईएस अधिकारी नहीं बना। आरक्षण का लाभ जयपुर, टोंक, सवाई माधोपुर और करौली जिला के मीणा भी उठा रहे हैं क्योंकि छपाई की गलती से इन्हें अनुसूचित जनजाती में मान लिया गया यह आरक्षण केवल राजस्थान में है।

इस क्षेत्र में विकास की कमी है, जिससे यहां के लोगों को बुनियादी सुविधाओं के लिए तरसना पड़ता है। मेवाड़-वागड़ क्षेत्र में भ्रष्टाचार एक बड़ी समस्या है, जिससे विकास कार्यों में बाधा आती है। मेवाड़-वागड़ क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग किया जा रहा है, जिससे यहां के लोगों को नुकसान हो रहा है। आज हम अरावली पर्वत को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं

मेवाड़-वागड़ क्षेत्र की उपेक्षा के परिणाम बहुत गंभीर देखने को मिल रहे हैं। इस क्षेत्र में गरीबी एक बड़ी समस्या है, जिससे लोगों को अपने परिवार का पालन-पोषण करने में कठिनाई हो रही है। रोजगार नहीं मिलाने के कारण लोगो का पलायन हो रहा है। मेवाड़-वागड़ क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की कमी है, जैसे कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी, बिजली आदि। मेवाड़-वागड़ क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों का नुकसान हो रहा है, जिससे यहां के लोग को प्रभावित हो रहे हैं।

मेवाड़-वागड़ राज्य की स्थापना से कई आर्थिक लाभ हो सकते हैं। एक अलग राज्य बनने से प्रशासनिक कार्य अधिक प्रभावी ढंग से चलाए जा सकते हैं, और लोगों को अपने अधिकारों का अधिक आसानी से उपयोग करने का अवसर मिल सकता है। एक अलग राज्य बनने से मेवाड़-वागड़ क्षेत्र में राजस्व में वृद्धि हो सकती है, क्योंकि राज्य सरकार को अधिक अधिकार मिलेंगे और वे अपने संसाधनों का बेहतर उपयोग कर सकेंगे। एक अनुमान के अनुसार राजस्थान के राजस्व में मेवाड़-वागड़ क्षेत्र का योगदान लगभग 47 प्रतिशत है। मेवाड़-वागड़ क्षेत्र में उद्योगों का विकास हो सकता है, क्योंकि राज्य सरकार उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए नीतियों और योजनाओं को लागू कर सकती है। सीमेंट के लिए आवश्यक खनिज प्रदार्थ के बहुतायत से उपलब्ध है इस कारण कई सीमेंट उद्योग की स्थापना हो सकती है।

मेवाड़-वागड़ क्षेत्र में पर्यटन में वृद्धि हो सकती है, क्योंकि राज्य सरकार पर्यटन स्थलों को विकसित करने और प्रचार करने पर ध्यान केंद्रित कर सकती है। मेवाड़-वागड़ क्षेत्र में कृषि विकास हो सकता है, क्योंकि राज्य सरकार कृषि को बढ़ावा देने के लिए नीतियों और योजनाओं को लागू कर सकती है। जैविक खेती को बढ़ावा मिल सकता है।

मेवाड़-वागड़ राज्य की स्थापना से रोजगार के अवसर बढ़ सकते हैं, क्योंकि उद्योगों और सेवाओं का विकास होगा। मेवाड़-वागड़ राज्य की स्थापना से बुनियादी ढांचे का विकास हो सकता है, जैसे कि सड़कें, पुल, बिजली, पानी आदि।

मेवाड़-वागड़ राज्य की स्थापना से राज्य के संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सकता है, जैसे कि खनिज, वन, जल आदि। वागड़- मेवाड़ क्षेत्र विशेष रूप से उदयपुर, बांसवाड़ा और राजसमंद जैसे जिले, खनिजों से समृद्ध हैं, जिनमें सीसा, जस्ता, चांदी और मैंगनीज प्रमुख हैं। इनके अलावा, यहाँ तांबा, लौह अयस्क, संगमरमर, ग्रेनाइट और विभिन्न औद्योगिक खनिज जैसे बैराइट्स, फेल्डस्पार और चाइना क्ले के भी पर्याप्त भंडार हैं, जो अरावली पर्वतमाला की महत्वपूर्ण खनिज संपदा को दर्शाते हैं। प्रमुख स्थलों में सीसा-जस्ता के लिए जावर (उदयपुर) और मैंगनीज के लिए बांसवाड़ा शामिल हैं। वैज्ञानिक तौर से दोहन के लिए कई उद्योग का विकास हो सकता है

अतः कुशुल प्रशासन एवं न्यायोचित विकास के लिए अलग से मेवाड़ राज्य की स्थापना की मांग की जाये भारत में स्वतंत्रता के बाद कई राज्यों को विभाजित किया गया है। विभाजन के बाद तेजी से विकास किया है, अगर मेवाड़- वागड़ राज्य की मांग की जाय और मांग मान ली जाती है तो राजधानी उदयपुर बनने पर इस क्षेत्र की सारी मांगे स्वतः ही पूरी हो जाएगी। मेवाड़ का भी तेजी से विकास हो सकता है, मेवाड़-वागड़ राज्य की स्थापना से उच्च न्यायालय को स्थापित करने कोई नहीं रोक सकता है।

–डॉ. पी. सी. कंठालिया,
पूर्व प्रोफेसर एवं मुख्य मृदा वैज्ञानिक

राशिफल शुक्रवार 6 मार्च, 2026

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, हस्त नक्षत्र प्रातः 9:30 तक, गंड योग प्रातः 7:06 तक, विष्टि करण सायं 5:54 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 10:19 से तुला राशि में संचार करेगा।

गृह स्थितिः सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कुम्भ, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज राजयोग दिन 9:30 से सायं 5:54 तक है। भद्रा प्रातः 5:29 से सायं 5:54 तक रहेगी। आज कल्पादि, चतुरथी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर सूर्योदय से 8:17 तक, लाभ-अमृत 8:17 से 11:11 तक, शुभ 12:38 से 2:05 तक, चर 4:59 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:50, सूर्यास्त 6:26

मेष
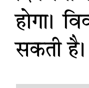

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे। दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

वृष
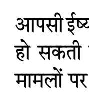

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। आज व्यावसायिक/आर्थिक मामलों पर ध्यान देना अच्छा रहेगा।

मिथुन
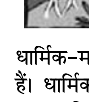

घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
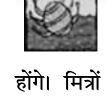

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह
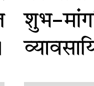

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कन्या
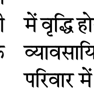

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला
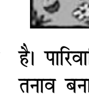

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण मानसिक तनाव बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक
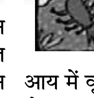

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

धनु
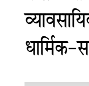

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
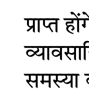

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

कुंभ
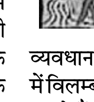

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

मीन
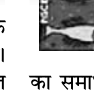

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

स्वस्थ जीवनशैली से ही रूकेगा बच्चों में बढ़ता मोटापा : डॉ. जी. एस. तंवर

- जंक फूड, अल्ट्रा-प्रोसेस्ड व न्यूट्रिशनली फूड, कार्बोनेटेड पेय और शुगर से भरपूर पेय से बचने की सलाह दी

एसपी मेडिकल कॉलेज और पीडियाट्रिक सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में विश्व मोटापा दिवस पर आयोजित कार्यशाला को डॉ. जी. एस. तंवर ने संबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। विश्व मोटापा दिवस के अवसर पर आज पीबीएम के बच्चा अस्पताल में बच्चों में तेजी से बढ़ रही मोटापे की समस्या पर एक विशेष अभिभावक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

शिशु रोग विभाग, सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज, बीकानेर और बीकानेर पीडियाट्रिक सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में हुई इस कार्यशाला में अभिभावकों ने विशेषज्ञों से सीधे संवाद किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर एवं विभागध्यक्ष शिशु रोग विभाग डॉ. जी. एस. तंवर, ने बताया कि बदलती जीवनशैली, जंक फूड का बढ़ता सेवन, शारीरिक गतिविधियों की कमी और ज्यादा स्क्रीन टाइम बच्चों में मोटापे के मुख्य कारण बन रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि समय रहते स्वस्थ आदतें अपनाकर इस समस्या को रोका जा सकता है।

कार्यक्रम में प्रश्नोत्तर सत्र रखा गया, जिसमें लगभग 40 अभिभावकों ने सक्रिय भाग लिया। अभिभावकों के कई महत्वपूर्ण सवालों के विस्तृत जवाब डॉ. तंवर और वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. श्याम अग्रवाल ने दिए। बच्चे के वजन का सही आंकलन कैसे करें, इस पर विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया कि केवल वजन देखकर नहीं बल्कि बीएमआई फॉर एज प्रतिशत चार्ट के आधार पर जांच करनी चाहिए। बाल रोग विशेषज्ञ ग्रोथ चार्ट की मदद से सही मार्गदर्शन देते हैं। यह धारणा गलत है कि मोटापा उम्र बढ़ने के साथ खुद-ब-खुद कम हो जायेगा। विशेषज्ञों के अनुसार अधिकांश मोटे बच्चे बिना किसी हस्तक्षेप के मोटे वयस्क बन जाते हैं। इसलिए शुरूआती उम्र में ही जीवनशैली में सुधार बहुत जरूरी है। मोटापा सिर्फ ज्यादा खाने से नहीं होता। इसके कई अन्य कारण भी हैं, जैसे आनुवंशिक कारक, हार्मोनल असंतुलन, नींद की कमी, तनाव, अत्यधिक स्क्रीन टाइम और अस्वस्थ खान-पान का वातावरण। हार्मोनल समस्या का संदेह तब करना चाहिए जब वजन बढ़ने के साथ लम्बाई कम बढ़ रही हो, नियंत्रित भोजन के बावजूद वजन तेजी से बढ़ रहा हो, यौन परिपक्वता में देरी हो रही हो या थायराइड से जुड़े लक्षण जैसे गर्दन में सूजन, कम ऊर्जा या बिना कारण कब्ज दिखाई दें। ऐसे में बाल रोग विशेषज्ञ से जांच करानी चाहिए।

बच्चों को सख्त या क्रैश डाइट पर नहीं रखना चाहिए। क्योंकि बढ़ते बच्चों को संतुलित पोषण की जरूरत होती है। भोजन की मात्रा नियंत्रित रखें, घर का पौष्टिक भोजन दें और नियमित समय पर भोजन कराएं। यानी जंक फूड, अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड, न्यूट्रिशनली इनएप्रोप्रिएट फूड, कार्बोनेटेड पेय और शुगर से भरपूर पेय से पूरी तरह बचें। पांच वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों और किशोरों के लिए रोजाना कम से कम 60 मिनट मध्यम से तेज शारीरिक गतिविधि आवश्यक है। अधिक स्क्रीन टाइम वजन पर बुरा असर डालता है। क्योंकि इससे शारीरिक गतिविधि कम हो जाती है और अनावश्यक स्नेकिंग की आदत बढ़ जाती है। मनोरंजन के लिए स्क्रीन टाइम को 1-2 घंटे प्रतिदिन तक सीमित रखना चाहिए। यदि किशोर अपने शरीर को लेकर असहज महसूस कर रहे हो तो उन्हें आलोचना या तुलना से बचाएं।

बैंक कैश वैन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

सूरतगढ़, (कासं)। सूरतगढ़ में इंदिरा सर्किल पर हुए सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। बैंक की कैश वैन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल युवक ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

पुलिस ने मृतक के परिजनों की रिपोर्ट पर वैन ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान जीतू पुत्र कुरड़ाराम बाजीगर, निवासी वार्ड नंबर 10, सूरतगढ़ के रूप में हुई है। मृतक के बड़े भाई महबूद ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि बुधवार को जीतू घर से बाइक लेकर बाजार के लिए निकला था। जब वह इंदिरा सर्किल के पास पहुंचा तभी बैंक की कैश वैन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल अवस्था में परिजन और राहगीर उसे तत्काल राजकीय चिकित्सालय लेकर पहुंचे जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने उसे जिला मुख्यालय श्रीगंगानगर रेफर कर दिया। वहां उपचार के दौरान जीतू ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि इसके बाद देर शाम को शव सूरतगढ़ के राजकीय चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया गया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

सार-समाचार

लक्ष्मण शतरंज संघ के प्रदेशाध्यक्ष

राजस्थान शतरंज संघ के निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित होने पर लक्ष्मण राघव का सम्मान किया।

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान शतरंज संघ की नवगठित कार्यकारिणी वर्ष 2026-30 हेतु विशेष आमसभा एवं चुनाव प्रक्रिया का आयोजन बुधवार को सर्किट हाउस में किया गया। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के सलाहकार एडवोकेट एसएल हर्ष ने बताया कि बुधवार को बीकानेर सर्किट हाउस में 22 जिलों के अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में नॉमिनेशन अवधि के बाद नाम वापसी प्रक्रिया समाप्त होने पर सर्वसम्मति से राजस्थान शतरंज संघ के अध्यक्ष पर लक्ष्मण राघव को चुना गया। लक्ष्मण राघव इससे पूर्व बीकानेर चैस एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इसी क्रम में सचिव विनेश शर्मा नागौर, कोषाध्यक्ष शैलेश गुप्ता बीकानेर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष निलेश बल्दवा चित्तौड़गढ, उपाध्यक्ष प्रद्युमन गौतम बारां, देवकिशन पंवार जैसलमेर, सोनल गर्ग उदयपुर, संयुक्त सचिव कपिल पाण्डया डूंगरपुर, पवन सैनी चूरू, मुकेश मंडलोई कोटा, दिलीप भोजक नागौर से निर्विरोध निर्वाचित हुए। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महावीर रांका ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि राजस्थान में शतरंज खेल को परवान पर लाने के सकारात्मक प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान चुनाव अधिकारी उमेश शर्मा सेवानिवृत जिला न्यायाधीश, अतिरिक्त चुनाव अधिकारी शिवकुमार मिश्रा, आल इंडिया चैस फैडरेशन की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षक ए.आर. अंकुश एवं खेल विभाग अधिकारी सुरेंद्र हर्ष, शंकरलाल हर्ष पूर्व सचिव की उपस्थित रही।

वन्य जीवों के बचाव पर कार्यशाला

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर के वन्य जीव अध्ययन एवं प्रबंधन केन्द्र द्वारा 'वन्य जीवों के बचाव और विवाद निवारण' विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला गुरूवार को शुरू हुई। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कुलगुरू डॉ. सुमंत व्यास ने कहा कि वर्तमान समय में शहरों और आसपास के क्षेत्रों में मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। उन्होंने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम-1972 की हाल ही में संशोधित अनुसूचियों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इसमें कई नए वन्यजीवों को शामिल किया गया है, जिससे उनके संरक्षण को नई दिशा मिलेगी। कुलगुरू डॉ. सुमन्त व्यास ने कहा पशु चिकित्सकों को प्रशिक्षण के माध्यम से अर्जित कौशल वन्यजीवों के रेस्क्यू, इलाज एवं संरक्षण हेतु लाभप्रद होगा।

लापरवाही पर डॉक्टर समेत 4 कर्मचारी एपीओ

- महिला ने हॉस्पिटल के गेट पर बच्चे को जन्म दिया, 30 मिनट तक तड़पती रही प्रसूता, साथ आई महिलाओं ने ही कराई डिलीवरी
- प्रसव पीड़ा होने पर दोपहर 1 बजे गर्भवती को भादला पीएचसी लेकर गए थे लेकिन गेट बंद था। अंदर डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ मौजूद नहीं था

नोखा, (कासं)। एक महिला ने सरकारी हॉस्पिटल के गेट पर ही बच्चे को जन्म दिया। महिला 30 मिनट तक प्रसव पीड़ा से तड़पती रही। ज्यादा दर्द होने पर साथ आई महिलाओं ने कपड़े की ओट में डिलीवरी कराई। घटना के बाद नाराज ग्रामीणों ने अस्पताल के गेट पर धरना शुरू कर दिया।

परिजनों ने आरोप लगाया कि प्रसव पीड़ा होने पर दोपहर 1 बजे गर्भवती महिला को हॉस्पिटल लेकर आए थे, लेकिन गेट बंद था। अंदर डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ मौजूद नहीं था। मामला पांचू थाना क्षेत्र भादला गांव स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का है। बीकानेर सीएमएचओ पुखराज साध ने बताया कि प्रथमदृष्टया लापरवाही सामने आने पर अस्पताल में तैनात डॉक्टर सहित कुल 4 कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से एपीओ कर दिया गया है। मामले की विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है।

प्रसूता अस्पताल के बाहर 30 मिनट तक दर्द से परेशान रही। इस दौरान साथ में आई महिलाओं ने मौके पर ही डिलीवरी कराई। जोगेन्द्र सिंह ने निवासी भादला गांव ने बताया कि पास के गांव में रहने वाला एक व्यक्ति अपने छोटे भाई की पत्नी को प्रसव पीड़ा होने पर डिलीवरी के लिए पीएचसी लेकर आए थे, लेकिन अस्पताल का गेट बंद था। अंदर न तो कोई डॉक्टर था और न कोई नर्सिंगकर्मी।

गर्भवती महिला 30 मिनट तक अस्पताल के गेट पर दर्द से तड़तपी रही। ज्यादा दर्द होने पर साथ में आई महिलाओं ने गर्भवती महिला के चारों तरफ कपड़े की ओट की और उसकी डिलीवरी कराई। प्रसूता के जेठ ने बताया कि मैं भाई की पत्नी को लेकर भादला पीएचसी आया था, लेकिन यहां पर कोई स्टाफ मौजूद नहीं था। पास के ही गांव बूंगड़ी के डॉक्टर यहां पर कार्यरत है, जो कि 30 मिनट बाद आए और प्रसूता को अंदर भर्ती किया।

अस्पताल के प्रभारी डॉक्टर गोविंद गेधर ने पूरी घटना से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में एक महिला डिलीवरी के लिए आई थी। इस दौरान ओपीडी से पहले ही उसकी डिलीवरी हो गई। सभी ऑन कॉल पर ही थे। प्रसूता और बच्चा दोनों सुरक्षित हैं। दोनों अस्पताल में ही भर्ती है।

घटना से नाराज ग्रामीण भादला पीएसची के आगे धरने पर बैठ गए और मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की। गांव के पूर्व सरपंच मेघ सिंह ने बताया कि 1-2 आदमी ही अस्पताल खोलते हैं। बाकी लोगों की फर्जी हाजरी लगती है।

सूरतगढ़ सर्किल के थानों में नहीं खेली होली

सूरतगढ़, (कासं)। पिछने महीने महिला एसएचओ का निधन होने से इस बार सूरतगढ़ सर्किल में पुलिस कर्मियों ने होली नहीं खेली। गुरूवार को सिटी, सदर और राजियासर पुलिस थानों में होली के बाद धुलंडी को होने वाला कोई भी आयोजन नहीं हुआ और पुलिसकर्मी सामान्य दिनों की तरह अपनी ड्यूटी करते दिखाई दिए।

दरअसल पिछले महीने जिला मुख्यालय श्रीगंगानगर में एक सड़क दुर्घटना में महिला थाना अधिकारी ज्योति नायक का ड्यूटी के दौरान निधन हो गया था। पुलिस वाहन और एक कार के बीच हुई भिड़ंत में उनकी मौत हो गई थी। इस घटना के बाद पूरे पुलिस महकमे में शोक का माहौल बना हुआ है। सिटी थानाधिकारी दिनेश सारण ने बताया कि मानवीय संवेदना को ध्यान में रखते हुए पूरे जिले में पुलिसकर्मियों ने स्वेच्छा से इस बार होली नहीं मनाने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि ड्यूटी के दौरान एसएचओ ज्योति नायक के निधन से पुलिस विभाग को गहरा आघात पहुंचा है। दुख की घड़ी में पूरा पुलिस परिवार उनके परिजनों के साथ खड़ा है।

अभिषेक शर्मा हत्याकांड, गोगामेड़ी थाने का घेराव

- आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से लोगों में आक्रोश
- आक्रोशित लोगों ने हत्याकांड के विरोध में पुलिस बैरिकेड्स को तोड़कर रोष जताया

हनुमानगढ़, (कासं)। प्रदर्शनकारियों ने थाने के सामने लगाये गए पुलिस बैरिकेड्स को तोड़ प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

नेठराना के छात्र अभिषेक शर्मा हत्याकांड को लेकर क्षेत्र के आक्रोशित लोगों ने गोगामेड़ी थाने का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने थाने के सामने लगाये गए पुलिस बैरिकेड्स को तोड़ दिया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने अभिषेक के हत्यारों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आज गोगामेड़ी थाने के सामने भारी भीड़ उमड़ पड़ी। आक्रोशित लोगों ने हत्याकांड के विरोध में पुलिस बैरिकेड्स को तोड़कर अपना गुस्सा व्यक्त किया। प्रदर्शनकारी लगातार हत्यारों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग कर रहे हैं।

नेठराना प्रशासक एडवोकेट राजेंद्र कुमार ने बताया कि तीन बार थाने का घेराव करने और जांच अधिकारी बदलने के बावजूद हत्यारे पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। संघर्ष समिति ने हत्यारों को पकड़ने के लिए पुलिस को 5 मार्च तक का समय दिया था। लेकिन यह समय सीमा बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। एडवोकेट राजेन्द्र कुमार ने कहा कि आमजन का पुलिस प्रशासन के खिलाफ आक्रोश बढ़ता जा रहा है। जब तक हत्यारे पकड़े नहीं जाते, वे पुलिस थाने के सामने डटे रहेंगे। आज के प्रदर्शन में दीपलाना, परलीका, मोठसरा, गोगामेड़ी, खिंचवाना, भरवाना, ढिलकी जाटान, नेठराना रामगढ़, उज्जवलवास, मुंसरी, जमाल और बरासरी सहित सैकड़ों गांवों के हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए।

जुआरियों पर शिकंजा, 20 गिरफ्तार

चूनावढ़,(कासं)। जिले के चूनावढ़ पुलिस ने होली पर्व के मद्देनजर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस थाना चूनावढ़ ने अवैध शराब और जुआ-सट्टा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 20 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान पुलिस ने 91 पव्वे अवैध देशी शराब तथा जुआ के 53,280 रूपये बरामद किए हैं।

जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि श्रीगंगानगर जिले में मेडिकेटेड नशा, मादक पदार्थों की तस्करी और जुआ-सट्टा जैसी अवैध गतिविधियों के खिलाफ जिला पुलिस लगातार विशेष अभियान चला रही है। इसी अभियान के तहत पुलिस थाना चूनावढ़ के थानाधिकारी ज्ञानेन्द्र भारती (आईपीएस प्रोबेशनर) के नेतृत्व में अलग-अलग स्थानों पर चार बड़ी कार्रवाई की गई।

पहली कार्रवाई में एएसआई कंवरपाल मय पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर 9 जी पुलिया सड़क आम के पास दबिश दी। यहां से आरोपी हरविन्द्र सिंह उर्फ बब्बू पुत्र जोगेन्द्र सिंह निवासी धालेवाला के कब्जे से 91 पव्वे अवैध देशी शराब बरामद की गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दूसरी कार्रवाई में एएसआई उदयभान, एएसआई महेन्द्र सिंह, मय पुलिस टीम ने हनुमान मंदिर चूनावढ़ के पास सार्वजनिक स्थान पर ताश के पत्तों पर जुआ खेलते मनजीत सिंह, देशराज, अमर सिंह, सतनाम सिंह और जगमाल को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से 6,600 रूपये की जुआ राशि और ताश के पत्ते बरामद किए।

अनियंत्रित कार पलटी, युवक की मौत

नाल, (कासं)। बीकानेर के नाल थाना क्षेत्र में देर रात एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना श्रीरामसर से बच्छासर मार्ग पर हुई।

पुलिस के अनुसार कार के सामने अचानक एक जानवर आ जाने से चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। इसके परिणामस्वरूप कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कार सवार मुकेश देवड़ा और शिव भारद्वाज गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही नाल थाना पुलिस के एएसआई सुभाष यादव और हैड कांस्टेबल प्रशांत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने मुकेश देवड़ा को मृत घोषित कर दिया।

गड्ढे से बचने के प्रयास में कार बेकाबू होकर स्कूटी से टकराई

- स्कूटी सवार दो युवक घायल हो गए, एक को गंभीर चोट आने पर निजी अस्पताल से जयपुर रेफर किया गया

सूरतगढ़, (कासं)। यहां रेलवे ओवरब्रिज की जर्जर सड़क एक हादसे की वजह बन गई। पुल पर बने गड्ढे से बचने के प्रयास में एक कार बेकाबू होकर स्कूटी से टकरा गई, जिससे स्कूटी सवार 2 युवक घायल हो गए। इनमें से एक युवक को गंभीर चोट आने पर निजी अस्पताल से जयपुर रेफर किया गया। हादसे में स्कूटी और कार भी क्षतिग्रस्त हो गए।

घटना रात करीब 8.30 बजे की है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी लेकर क्षतिग्रस्त वाहनों को सिटी थाना में खड़ा करवाया। इस संबंध में घायल पारस चावला के पिता विंकल चावला, वार्ड-37 निवासी ने सिटी थाना में परिवाद दिया है। घायल के पिता ने बताया कि बायपास रोड पर उनका होटल है। वहां से उनका बेटा पारस चावला अपने दोस्त राहुल सिंधी के साथ स्कूटी पर घर लौट रहा था। बसंत विहार कॉलोनी से रेलवे ओवरब्रिज पर सामने से आ रही कार के ड्राइवर ने पुल की टूटी सड़क पर बने गड्ढे से बचने के लिए अचानक गाड़ी मोड़ दी और स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में राहुल और पारस दोनों घायल हो गए।

टिवंकल के अनुसार कार की आगे की सीट पर बैठे 2 लोग शराब के नशे में थे, जो घटना के बाद मौके से फरार हो गए। दोनों घायलों को तुरंत अपेक्स हॉस्पिटल पहुंचाया गया, जहां जांच में पारस के कूल्हे में फ्रैक्चर पाया गया। डॉक्टरों ने उसे प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर कर दिया।

डॉक्टरों के अनुसार पारस को करीब 3 महीने का बैड रेस्ट और 2 ऑपरेशन की जरूरत बताई गई है। पारस चावला 12 वीं विज्ञान वर्ग का छात्र है और सीकर में रहकर नीट परीक्षा की तैयारी कर रहा है। होली के कारण वह घर आया हुआ था। इन दिनों उसके 12वीं बोर्ड के एग्जाम भी चल रहे हैं और 10 मार्च को उसका अगला पेपर है। मई में नीट परीक्षा भी प्रस्तावित है।

ऐसे में डॉक्टरों द्वारा लम्बा आराम बताए जाने से उसकी पढ़ाई और परीक्षाओं पर संकट खड़ा हो गया है। परिजनों ने बोर्ड अधिकारियों से स्थिति बताकर मार्गदर्शन भी मांगा है। बसंत विहार कॉलोनी के जागरूक नागरिक अशोक भट्ट ने बताया कि रेलवे ओवरब्रिज की खराब हालत को लेकर कई बार प्रशासन को अवगत करवाया जा चुका है। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से भी पुल की जर्जर सड़क के

एस. सी. वर्ग के 30 विद्यार्थियों को बकरी पालन का तीन दिवसीय प्रशिक्षण

बकरी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम को वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलगुरू डॉ. सुमन्त व्यास ने संबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली की अनुसूचित उपयोजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग के 30 विद्यार्थियों हेतु 'बकरी पालन में व्यावसायिक अवसर' विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण गुरूवार को शुरू हुआ।

उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलगुरू डॉ. सुमंत व्यास ने कहा कि वेटरनरी के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं है विद्यार्थियों में डिग्री पाठ्यक्रम के साथ-साथ एन्टरप्रेन्योरशिप (व्यवसायिक) प्रशिक्षणों के माध्यम से उद्यमशीलता का विकास कर सकते हैं। इन प्रशिक्षणों से कौशल विकास करके विद्यार्थी भविष्य में सफल उद्यमी बन सकते हैं। कुलगुरू डॉ. सुमंत व्यास ने विद्यार्थियों को जॉब सीकर की बजाय जॉब प्रोवाइडर बनने हेतु प्रेरित किया। डॉ. सुमंत व्यास ने कहा कि इन प्रशिक्षणों का उद्देश्य विद्यार्थियों में उद्यमिता का विकास करना है ताकि भविष्य में रोजगार के विभिन्न अवसरों का समुचित उपयोग हो सके। अधिष्ठाता, वेटरनरी महाविद्यालय प्रो. बी.एन. श्रृंगी ने विद्यार्थियों को बकरी पालन को कम लागत का व्यवसाय बताते हुए कहा कि कम लागत, कम समय में अधिक मुनाफा देने वाला व्यवसाय है जिसको विद्यार्थी अपनी शिक्षा के साथ-साथ तथा बाद में भी उद्यमिता के रूप में शुरू कर सकते हैं।

निदेशक प्रसार शिक्षा प्रो. राजेश कुमार धूड़िया ने बताया कि प्रसार शिक्षा निदेशालय के माध्यम से विद्यार्थियों हेतु बकरी पालन, मुर्गीपालन एवं डेयरी उद्यमिता के तीन प्रशिक्षण आयोजित किए जा रहे हैं। जिसमें प्रत्येक प्रशिक्षण में अनुसूचित जाति वर्ग के 30 विद्यार्थी हिस्सा ले रहे हैं जो उद्यमशीलता के विकास में सहायक होंगे।

प्रशिक्षण के दौरान स्वागत भाषण प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. संजय सिंह ने किया एवं धन्यवाद डॉ. देवी सिंह ने किया। डॉ. पारमेष्ट विष्णु कुमार शर्मा

नहर में डूबने से दो दोस्तों की मौत

बीकानेर, (कासं)। नहर में नहाते हुए 2 दोस्तों की डूबने से मौत हो गई। साथ आये ग्रुप ने एक को डूबने से बचा लिया जबकि 2 बहाव में बह गए।

मामला बीकानेर के गजनेर थाना इलाके के कोडमदेसर का का है। गजनेर थानाधिकारी राकेश कुमार स्वामी ने बताया कि कोडमदेसर नहर में युवकों के डूबने की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से एक युवक को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। युवक कोडमदेसर दर्शन कर लौटते समय नहर में नहा रहे थे। इसी दौरान तीन युवक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। साथ आए युवकों ने एक को बचा लिया। जबकि रामपुरा बस्ती निवासी आनंद सिंह राठौड़ और खाजूवाला के 14 बीडी निवासी मुकेश को नहीं बचाया जा सका। दोनों मृतकों के शवों को गजनेर सीएचसी पहुंचाया गया जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया जारी है। पुलिस ने मर्ग दर्ज कर पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं चिताणा गांव में गुरूवार को जेठदास जी धोरा के पास आवारा कुत्तों के हमले में एक हिरण गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों ने हिरण को कुत्तों के चंगुल से बचाया।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक : नियमन/2026/5191 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक :5-3-26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री जुगलकिशोर शर्मा पुत्र स्व. श्री इन्द्राज शर्मा निवासी म.न. 143 व 144 स्वामी विवेकानंद कॉलोनी, हनुमान चौक के पास, श्रीगंगानगर के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखण्ड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखण्ड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखण्ड के नामान्तरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूमि का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 5 ई छोटी मुरब्बा नं. 1 के किला नं. 20 मे माप 30 इन्टू 50 फीट भूखण्ड संख्या 143-144, विवेकानंद कॉलोनी, श्रीगंगानगर	उक्त भूखण्ड का आवासीय का पट्टा संख्या 1986 दिनांक 31.12.2002 को श्री इन्द्राज शर्मा पुत्र श्री बद्री प्रसाद के नाम से जारी है।	श्री जुगल किशोर शर्मा द्वारा पंजीकृत दस्तबरदारी दिनांक 29.03.2022 की प्रति प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड के नामान्तरण बाबत न्यास में ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस सम्बन्ध में श्री जुगलकिशोर शर्मा पुत्र स्व. श्री इन्द्राज शर्मा निवासी म.न. 143 व 144 स्वामी विवेकानंद कॉलोनी, हनुमान चौक के पास, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज/फ्री लीज होल्ड पट्टे के सम्बन्ध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/उजर/दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास/हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा एवं कोई आपत्ति/उजर स्वीकार नहीं होगा। आवेदन संख्या :- SGNR/FY25-26/MUT/1333 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक : नियमन/2026/5192 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक :5-3-26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अभिषेक अग्रवाल पुत्र श्री ओमप्रकाश अग्रवाल निवासी संगरिया, जिला हनुमानगढ़ के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित व्यावसायिक भूखण्ड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखण्ड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखण्ड के नामान्तरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूमि का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 6 ई छोटी मुरब्बा नं. 09 के किला नं. 7 में माप 15 इन्टू 30 फीट भूखण्ड संख्या 16, बसंत कुंज, श्रीगंगानगर	उक्त भूखण्ड का आवासीय का पट्टा संख्या 4019 दिनांक 11.12.2014 को डा. ओपी अग्रवाल पुत्र श्री भागीरथ मल के नाम से जारी है।	श्री अभिषेक अग्रवाल द्वारा पंजीकृत वसीयतनामा दिनांक 19.12.2013 की प्रति प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड के नामान्तरण बाबत न्यास में ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस सम्बन्ध में श्री अभिषेक अग्रवाल पुत्र श्री ओमप्रकाश अग्रवाल निवासी संगरिया, जिला हनुमानगढ़ द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज/फ्री लीज होल्ड पट्टे के सम्बन्ध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/उजर/दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास/हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा एवं कोई आपत्ति/उजर स्वीकार नहीं होगा। आवेदन संख्या :- SGNR/FY25-26/MUT/1324 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक : नियमन/2026/5194 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक :5-3-26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती प्रियंका अरोड़ा पुत्री श्री मोहन बाबू एवं श्री राहुल अरोड़ा पुत्र श्री मोहन बाबू निवासी आरसी चायल स्कूल, चक 3 ई छोटी, श्रीगंगानगर के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखण्ड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखण्ड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखण्ड के नामान्तरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूमि का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 5 ई छोटी मुरब्बा नं. 19 के किला नं. 09 में माप 33.9 इन्टू 62.6 फीट भूखण्ड संख्या बी-15, विश्वनाथ कॉलोनी, श्रीगंगानगर	उक्त भूखण्ड का आवासीय का पट्टा संख्या 2929 दिनांक 13.2.2013 को श्रीमती सुनीता कुक्कड़ पत्नी श्री मोहनलाल के नाम से जारी है।	श्रीमती प्रियंका एवं श्री राहुल अरोड़ा द्वारा पंजीकृत वसीयतनामा दिनांक 20.08.2019 की प्रति प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड के नामान्तरण बाबत न्यास में ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस सम्बन्ध में श्रीमती प्रियंका अरोड़ा पुत्री श्री मोहन बाबू एवं श्री राहुल अरोड़ा पुत्र श्री मोहन बाबू निवासी आरसी चायल स्कूल, चक 3 ई छोटी, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज/फ्री लीज होल्ड पट्टे के सम्बन्ध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/उजर/दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास/हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा एवं कोई आपत्ति/उजर स्वीकार नहीं होगा। आवेदन संख्या :- SGNR/FY25-26/MUT/1357 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक : नियमन/2026/5195 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक :5-3-26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मनोज कुमार शर्मा पुत्र श्री गौरीशंकर निवासी म.न. 135, एल ब्लॉक, श्रीगंगानगर के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखण्ड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखण्ड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखण्ड के नामान्तरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूमि का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 6 ई छोटी मुरब्बा नं. 20 के किला नं. 24 में माप 33.6 इन्टू 70 फीट में से माप 20 इन्टू 33.6 फीट, भूखण्ड संख्या 2540 पार्ट, श्रीगंगानगर	उक्त भूखण्ड का आवासीय का पट्टा संख्या 17157 दिनांक 07.11.2022 को श्री श्रीराम पुत्र श्री शिवलाल के नाम से जारी है।	श्री मनोज कुमार शर्मा द्वारा पंजीकृत बैयनामा दिनांक 28.02.2024 की प्रति प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड के नामान्तरण बाबत न्यास में ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस सम्बन्ध में श्री मनोज कुमार शर्मा पुत्र श्री गौरीशंकर निवासी म.न. 135, एल ब्लॉक, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज/फ्री लीज होल्ड पट्टे के सम्बन्ध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/उजर/दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास/हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा एवं कोई आपत्ति/उजर स्वीकार नहीं होगा। आवेदन संख्या :- SGNR/FY25-26/MUT/1409 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक : नियमन/2026/5196 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक :5-3-26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सोमा देवी पत्नी श्री प्रेम पाल निवासी म.न. 34, गुरुनगर, वार्ड नं. 6, पुरानी आबादी श्रीगंगानगर के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखण्ड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखण्ड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखण्ड के नामान्तरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूमि का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 6 जैड ए मुरब्बा नं. 08 के किला नं. 20 में माप 40 इन्टू 30 फीट भूखण्ड संख्या ए-34, गुरुनगर, श्रीगंगानगर	उक्त भूखण्ड का आवासीय का पट्टा संख्या 1256 दिनांक 21.5.2001 को श्री किशनलाल पुत्र श्री घासीराम के नाम से जारी है।	श्रीमती सोमा देवी द्वारा पंजीकृत दस्तबरदारी दिनांक 27.01.2026 की प्रति प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड के नामान्तरण बाबत न्यास में ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस सम्बन्ध में श्रीमती सोमा देवी पत्नी श्री प्रेम पाल निवासी म.न. 34, गुरुनगर, वार्ड नं. 6, पुरानी आबादी श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज/फ्री लीज होल्ड पट्टे के सम्बन्ध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/उजर/दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास/हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा एवं कोई आपत्ति/उजर स्वीकार नहीं होगा। आवेदन संख्या :- SGNR/FY25-26/MUT/1346 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

क्र. :- LU2012/SGN/2025-26/101485 **लोक सूचना** दि. : 30.01.2026

श्री सुभाष टाँटिया पुत्र श्री राम लाल टाँटिया निवासी 7-ए-1, जवाहरनगर, श्रीगंगानगर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजनार्थ के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं./भूमि का विवरण	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)
1	6 ई छोटी तहसील व जिला श्रीगंगानगर	श्री सुभाष टाँटिया पुत्र श्री राम लाल टाँटिया	चक 6 ई छोटी मुरब्बा नं. 30 के किला नं. 16/2 में 0.1330 है. यथाकुल 0.1330 हैक्टे.	यथाकुल 0.1330 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते हैं। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 30.01.2026 को जारी की गयी।

RajKaj Ref. No. 20240813 - प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

Telefax No. 0154-2466652, Email :- SECYUIT.SGNR@RAJASTHAN.GOV.IN Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001

क्र. :- नियमन/2026/5201 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 05.03.2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती दीपिका शर्मा पत्नी श्री राजेश कुमार निवासी म.नं. ओ-5, आनन्द विहार, श्रीगंगानगर हाल आबाद सत्य कॉलोनी, श्रीगंगानगर के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखंड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखंड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :-

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखंड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखंड के नामांतरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूखण्ड का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 5 ई छोटी मुरब्बा नं. 5 के किला नं. 21 में माप 30 इंटू 50 फीट भू.सं. केपी-21, कैलाश पुरी, श्रीगंगानगर	उक्त भूखंड का आवासीय पट्टा सं. 1116 दिनांक 20.12.2012 को श्री चरण सिंह पुत्र श्री महिपाल सिंह के नाम से जारी है।	श्रीमती दीपिका शर्मा द्वारा पंजीकृत बैयनामा दिनांक 06.10.2025 की प्रति प्रस्तुत कर उक्त भूखंड के नामांतरण बाबत न्यास में ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस संबंध में श्रीमती दीपिका शर्मा पत्नी श्री राजेश कुमार निवासी म.नं. ओ-5, आनन्द विहार, श्रीगंगानगर हाल आबाद सत्य कॉलोनी, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज/फ्री लीज होल्ड पट्टे के संबंध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/उजर/दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास/हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जायेगा एवं कोई आपत्ति/उजर स्वीकार नहीं होगा। आवेदन संख्या :- SGNR/FY25-26/MUT/1317 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

जोधपुर ग्रामीण न्यायालय, बीकानेर व नागौर कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली

बीकानेर में आये ई-मेल में लिखा कि दोपहर दो बजे 14 बम ब्लास्ट होंगे, ड्रोन का इस्तेमाल किया है

- **जोधपुर ग्रामीण न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया और जांच की**
- **किसी प्रकार की अवांछनीय सामग्री नहीं मिली, पुलिस के बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वायड आदि के साथ सर्च जारी रहा**

बीकानेर/ जोधपुर/ नागौर, (निसं)। बीकानेर में जिला एवं सत्र न्यायालय को गुरुवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कोर्ट परिसर को खाली करवाया। वहीं जोधपुर ग्रामीण न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद एक बार फिर प्रशासन हरकत में आया। न्यायालय परिसर को खाली करवाने के साथ आस पास पार्किंग स्टैण्ड पर भी सर्च चलाया गया। सूचना मिलने के साथ पुलिस उपायुक्त पूर्व पीडी नित्या और अन्य अधिकारियों ने मोर्चा संभाल लिया। दोपहर तक किसी प्रकार की अवांछनीय सामग्री नहीं मिली। पुलिस का बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वायड आदि के साथ सर्च जारी रहा। इसी प्रकार नागौर शहर के कोर्ट परिसर को बम से उड़ाने की सूचना के बाद हड़कंप मच गया। ई-मेल के माध्यम से नागौर कोर्ट और मेड़ता कोर्ट परिसर में बम होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया और तत्काल प्रभाव से कोर्ट परिसर को खाली करवा लिया गया।

जानकारी के अनुसार बीकानेर में गुरुवार सुबह 4:42 पर धमकी से भरा ई-मेल आया था। इसमें लिखा है कि दोपहर 2 बजे एक 14 साइनाइड बम लगा ब्लास्ट होंगे। 11 बजे तक कोर्ट को खाली करवा लें। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सुरक्षा को देखते हुए कोर्ट परिसर खाली करवाया और तलाशी शुरू की। इस दौरान कोर्ट परिसर में लगे बैंच से लेकर पार्किंग तक में एक-एक कर सभी वाहनों को चेक किया गया। धमकी भरे ई-मेल मिलने के बाद यहां लोगों की आवाजाही बंद कर दी। लोगों को भी अंदर जाने से मना कर दिया गया। कोर्ट परिसर में पुलिस जाब्ता भी तैनात रहा। यहां एंट्री पर रोक लगा दी गई है।

एसपी कावेंद्र सिंह सागर ने बताया कि ये मेल 5 मार्च को सुबह 4 बजे आया है। इसमें लिखा है कि ठीक दोपहर 2 बजे कोर्ट में 14 साइनाइड बम ब्लास्ट होंगे। साथ में लिखा है आज होने वाले ब्लास्ट के लिए हथियारों से हुए नुकसान का अंदाजा कोर्ट के अंदर एपिसेंटर से 1.75 किमी रेडियस लगाया है। सुरक्षित रहने के लिए सुबह 11 बजे तक सभी को निकाल लें। 14 डिवाइस लगाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया है। इसकी जानकारी मिलने के बाद टीम यहां पहुंच गई थी। कोर्ट परिसर के साथ ही पूरी बिल्डिंग, छत और पार्किंग समेत अन्य हिस्सों को देखा गया। ई-मेल किसने किया था और कहां से आया था, इसकी जांच की जा रही है। घटना की सूचना पर एडीएसपी चक्रवर्ती सिंह राठौड़ भी मौके पर पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। वहीं बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय पुरोहित ने सभी अधिवक्ताओं और न्यायिक कर्मचारियों को तुरंत अदालत परिसर छोड़कर सुरक्षित स्थान पर जाने की अपील की।

अजय पुरोहित ने कहा कि अदालत परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है, इसलिए सभी लोग तत्काल परिसर खाली कर दें। साथ ही जो वकील अभी तक कोर्ट नहीं पहुंचे हैं, उन्हें भी फिलहाल अपने घरों में ही सुरक्षित रहने की सलाह दी गई है। धमकी के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा पूरे परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया। ई-मेल भेजने वाले की पहचान करने के लिए मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। बीकानेर जिला एवं सत्र न्यायालय को गुरुवार को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस ने एहतियातन नोखा कोर्ट परिसर की भी जांच की। पुलिस उप अधीक्षक जनरैल सिंह और नोखा थानाधिकारी अरविंद भारद्वाज पुलिस बल के साथ नोखा अपर जिला एवं सत्र न्यायालय पहुंचे।

सीओ जनरैल सिंह ने बताया कि बीकानेर कोर्ट को धमकी भरा ई-मेल मिला था। एहतियात के तौर पर नोखा पुलिस ने कोर्ट परिसर में स्थित सभी एसीजेएम और जेएम क्वार्टर्स का निरीक्षण किया। जांच के दौरान परिसर में कोई संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति नहीं मिला। पुलिस फिलहाल पूरे मामले की जांच में जुटी है और कोर्ट परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

जोधपुर में अब ग्रामीण न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी, परिसर कराया खाली :- राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर-जयपुर को कई बार बम से उड़ाने की धमकियां मिल चुकी है। धमकी भरे ई-मेल मिलने के बाद प्रशासन हरकत में आता रहा है। मगर हाथ कुछ नहीं लगता। हर बार फौरी धमकी दी जा रही है। गुरूवार को जोधपुर ग्रामीण न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद एक बार फिर प्रशासन हरकत में आ गया। दोपहर तक किसी प्रकार की अवांछनीय सामग्री नहीं मिली है।

राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर और जयपुर पीठ गत दिनों बम से उड़ाने की धमकी के मामले का खुलासा ही नहीं हुआ और गुरूवार को डीजे ग्रामीण कोर्ट को उड़ाने की धमकी ई-मेल के जरिये दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। मौके पर बम निरोधक दस्ते को भी बुलाया गया और कोर्ट को खाली कराकर सघन तलाशी अभियान चलाया गया। जिला एवं सेशन न्यायाधीश ने समस्त न्यायालयों के कर्मचारी एवं पीठासीन अधिकारियों को जिला न्यायालय जोधपुर ग्रामीण की अधिकृत ई-मेल आईडी पर बम ब्लास्ट की मेल प्राप्त होने से आगामी आदेश तक न्यायालय परिसर एवं कार्यालय तुरंत खाली कर सुरक्षित एवं खुले स्थान पर प्रस्थान जाने के निर्देश दिए गए।

नागौर कोर्ट परिसर में नहीं मिली कोई संदिग्ध वस्तु :- ई-मेल के माध्यम से नागौर कोर्ट और मेड़ता कोर्ट परिसर में बम होने की सूचना मिली थी। सुरक्षा के मद्देनजर पूरे परिसर को छावनी में तब्दील कर दिया गया तथा आमजन और वकीलों की आवाजाही पर अस्थायी रोक लगा दी गई। पुलिस ने अजमेर से स्निफर डॉग्स और बम निरोधक दस्ता बुलाया। जब तक टीम नागौर नहीं पहुंची, तब तक स्थानीय पुलिस ने कोर्ट परिसर की घेराबंदी कर रखी और हर गतिविधि पर नजर बनाए रखी। बाद में स्निफर डॉग्स और बम निरोधक दस्ते की टीम ने नागौर व मेड़ता दोनों कोर्ट परिसरों में सघन तलाशी अभियान चलाया। टीम ने एक-एक कोने की बारीकी से जांच की, लेकिन कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। नागौर कोतवाल वेदपाल ने बताया कि सूचना की गंभीरता को देखते हुए व्यापक स्तर पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया, परंतु जांच में कोई भी संदिग्ध सामग्री बरामद नहीं हुई। उन्होंने कहा कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह सामान्य है और कोर्ट परिसर सुरक्षित है। जांच पूरी होने और स्थिति स्पष्ट होने के बाद पुलिस ने वकीलों को पुन: अदालत परिसर में प्रवेश की अनुमति दी।

पत्नी ने नाबालिग पुत्र के साथ मिलकर पति की हत्या की

- **पति के शराब पीने और लड़ाई-झगड़ा व मारपीट करने से परेशान थी पत्नी**
- **पुलिस टीम में मामले में चार को गिरफ्तार किया, वहीं नाबालिग को डिटेन किया**

बांसवाड़ा, (निसं)। पति के शराब पीने और लड़ाई-झगड़ा व मारपीट करने से त्रस्त पत्नी ने अपने नाबालिग पुत्र के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। पति पेशे से चालक था। ऐसे में पत्नी गांव वालों को कहती रही कि पति कहीं बाहर गया है और हत्या के दसवें दिन उसने सदर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई और संयोग से उसी दिन पति का शव नाले में मिला। परिजनों ने शव का पीएम करवाकर अन्तिम संस्कार भी करवा दिया, लेकिन जब गांव वालों को शक हुआ तो मृतक के भाई ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी, एएसपी नरपत सिंह भाटी के सुपरविजन तथा पुलिस उप अधीक्षक गोपीचंद मीणा के निकट पर्यवेक्षण में सदर थानाधिकारी प्रोबेश्वर आरपीएस सुहासी जैन के नेतृत्व में गठित टीम ने जब इसका राजफाश किया तो चौकाने वाला मामला सामने आया।

थानाधिकारी रूपसिंह ने बताया कि गत एक तारीख को प्रार्थी वेजा पुत्र मकन चरपोटा निवासी खेड़ापाड़ा टामटिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके घर से कुछ दूरी पर बड़ा भाई विट्ठल परिवार सहित रहता है। विट्ठल के साथ उसकी पत्नी नीमा व उसका नाबालिग पुत्र रहता है। विट्ठल वाहन चालक था और शराब पीने का आदी भी, जिससे वह शराब के नशे में परिवार से झगड़ा करता रहता था। लगभग दस दिन पूर्व गांव वालों को विट्ठल की पत्नी नीमा व पुत्र ने बताया कि विट्ठल कहीं चला गया है तो गांव वालों ने सोचा कि गाड़ी चलाने के लिये कहीं चला गया होगा। काफी दिनों तक विट्ठल का पता नहीं चला तो परिवारजनों ने इधर-उधर तलाश की और पत्नी को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने के लिये कहा। इस पर 26 फरवरी को नीमा ने अपने पति विट्ठल की गुमशुदगी की रिपोर्ट सदर थाने में दर्ज कराई। इधर इसी दिन विट्ठल का शव सुंदनपुर पानी के नाले में मिला। परिजनों ने शव की पहचान की और 27 फरवरी को पुलिस को रिपोर्ट दी जिस पर शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सुपुर्द किया गया और बाद में अंतिम संस्कार करवा दिया गया।

इधर विट्ठल की मौत को लेकर गांव वालों को शंका हुई तो इस बारे में पूछताछ शुरू की। पूछताछ के दौरान हरीश पुत्र हुका ने बताया कि 18 फरवरी की रात को विट्ठल की पत्नी नीमा, उसका नाबालिग पुत्र, रंजना पत्नी अनिल, शारदा पत्नी जालमा मेरे घर पर आये तथा नीमा व उसके नाबालिग पुत्र ने कहा कि विट्ठल शराब के नशे में आये दिन झगड़ा करता था जिससे वे तंग आ चुके थे। आज भी शराब के नशे में विट्ठल ने पत्नी और पुत्र से झगड़ा किया, गाली-गलौच की तो दोनों ने मिलकर रूमाल से गला घोंटकर उसको मार डाला। उसके शव को पानी में डालना है इसलिये तुम्हारी मदद की जरूरत है। नीमा हरीश की बड़ी साली होने के कारण विट्ठल के घर गया और विट्ठल के शव छपरे पर पड़ा था। उसे हम पांचों लकड़ी की सीढ़ी पर रखकर पैदल-पैदल ले जाकर गांव से गुजर रहे पानी के नाले में डाल आये। सागड़ौद तालाब का गेट खुलने से नाले में पानी का बहाव तेज हो जाने से शव बहकर सुंदनपुर पहुंच गया। पुलिस टीम में मामले में पांचों को डिटेन किया व सभी से पूछताछ व तकनीकि अनुसंधान कर चारों को गिरफ्तार किया वहीं नाबालिग को डिटेन किया।

युवक की दम घुटने व जलने से मौत

उदयपुर, (निसं)। जिले के पानरवा गांव में दम घुटने एवं जलने से युवक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पानरवा गांव निवासी भेरूलाल (45) पुत्र रामलाल बुधवार रात में अपने कमरे में सोया था। दूसरे दिन जाग नहीं होने पर खिड़की से देखा तो वह पलंग पर पड़ा हुआ था एवं कमरे में धुआं हो रहा था। इस पर किवाड़ तोड़ कर उसे बाहर निकाल चिकित्सायल पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। इधर सूचना मिलने पर पानरवा थानाधिकारी भगीरथ, एएसआई प्रकाश मय जाब्ता ने मौके पर पहुंच कर मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा।

बताया जा रहा है कि बुधवार को धुलंडी खेलने के बाद भेरू शराब के नशे में घर आया था, जहां किसी बात को लेकर विवाद होने पर वह कमरे में कुंदी लगा कर सो गया था। रात में तिगारी में लगे अंगारे पास में रखे थे, जिसकी चिंगारी लगने से रात में धुआं उठने के साथ ही आग लग गई, जिसके चलते चारपाई में आग लगने से वह झुलस गया था। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

अजमेर में सूने मकान से चार लाख नकद व जेवर चोरी

- **परिवार के जैन तीर्थ नागेश्वर धाम जाने के दौरान हुई चोरी की वारदात**
- **वारदात के बाद चोर जल्दबाजी में एक थैला, पेचकस सहित कुछ सामान छोड़ गये**

अजमेर, (कासं)। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित सुंदरविलास इलाके में सूने मकान को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोरों ने लाखों रुपए की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर मकान का ताला तोड़कर भीतर घुसे और अलमारी का लॉक तोड़कर करीब चार लाख रुपए नकद तथा सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मकान मालिक गौतमचंद जैन अपने परिवार के साथ जैन तीर्थ स्थल नागेश्वर धाम गए हुए थे और घर पर ताला लगाकर गए थे। इसी दौरान सूने मकान का फायदा उठाते हुए चोरों ने देर रात मकान में घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि सुबह पड़ोसी ने गौतमचंद जैन को फोन कर सूचना दी कि उनके मकान से तीन युवक बैग लेकर निकलते हुए दिखाई दिए हैं। सूचना मिलने पर गौतमचंद जैन तुरंत अजमेर पहुंचे और घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की। फुटेज में तीन संदिग्ध युवक मकान में आते-जाते नजर आए। चोरी की वारदात के बाद चोर जल्दबाजी में एक थैला, पेचकस सहित कुछ सामान मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए। मकान में सामान बिखरा हुआ मिला और अलमारी के लॉक टूटे हुए पाए गए।

घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मौका मुआयना किया। मकान मालिक गौतम चंद जैन की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और संदिग्ध युवकों की पहचान कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

1.50 लाख की नगदी और आभूषण चोरी : -जोधपुर शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस थाना क्षेत्र में दो महिने से बंद एक मकान में चोरी हो गई। चोरी का पता तब लगा जब सोसायटी के लोग होली पर चंदा मांगने आए। अज्ञात चोर घर से डेढ़ लाख की नगदी के साथ सोने चांदी के लाखों के आभूषण के साथ सैनेट्री का सामान भी ले गए। चौहाबो पुलिस ने मामला दर्ज कर अब जांच आरंभ की है।

पुलिस ने बताया कि यूआईटी कॉलोनी, शंकर नगर पेट्रोल पंप के सामने रहने वाली गरिमा सिंह पुत्री ओमसिंह ने यह रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसके मां पिताजी इलाज के लिए उदयपुर बड़ी बहन के पास गए हुए हैं। घर दो महिनों से बंद है। एक मार्च को सोसायटी वाले होली का चंदा लेने आए तब उनको घर के ताले टूटने की जानकारी मिली। इस पर सोसायटी वालों ने उसके पिता ओमसिंह को सूचना दी। बाद में रिश्तेदार ने आकर यहां चैक किया तब पता लगा कि घर के पीछे का भी ताला टूटा हुआ है। दो मार्च को गरिमा खुद मुंबई से लौटी तब पता पता लगा कि चोर घर से नगदी और जेवर ले गए।

युवक की मौत

मसूदा, (निसं)। मसूदा थाना क्षेत्र के ग्राम रूपाहेली कला में पेड़ से गिरने से चन्द्र सिंह की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया।

मृतक के पिता ओम सिंह पुत्र प्रेम सिंह ने पुलिस को रिपोर्ट में बताया कि बुधवार को मेरा पुत्र चन्द्रसिंह (20) पेड़ के उपर चढ़कर टहनियों को काट रहा था कि अचानक पर फिसलने में वह नीम से पेड़ ऊंचाई से नीचे की और गिर गया जिससे उसके शरीर पर चोटें आई। घायल को निजी वाहन से जिला चिकित्सालय पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना मसूदा पुलिस को मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया। युवक को पेड़ से गिरने से मौत हो जाने पर महिला चिकित्सक द्वारा पोस्टमार्टम करने से मना कर देने से मृतक का पोस्टमार्टम 3 घंटे बाद विधायक के हस्तक्षेप के बाद हुआ। विधायक ने चिकित्सालय पहुंचकर परिजनों से जानकारी ली एवं चिकित्सा अधिकारी लखेंद्र सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय गहलोत से वार्ता कर एक चिकित्सक डॉ. सविता बुनकर को चिकित्सालय भेजा तब दोनों चिकित्सकों ने मोर्चरी में शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंपा।

'उदयपुर फाइल्स प्रकरण' में उदयपुर में दो धड़ों में बंटी भाजपा

- **भाजपा का बड़ा धड़ा मामले के नेताओं पर चारित्रिक रूप से खराब होने का आरोप लगाकर पार्टी के पदों से हटाने के लिए लॉबिंग कर रहा है**
- **नेताओं ने शिकायत में कहा कि इस कांड के पदाधिकारियों के पद पर रहने पर आगामी निगम चुनाव में संगठन को बड़ा नुकसान के साथ विपक्ष को बड़ा मुद्दा मिल जाएगा**
- **पार्टी का दूसरा धड़ा अपने आपको निर्दोष बताते हुए दो केन्द्रीय मंत्रियों के जरिए अपने आपको राजनीति का शिकार बता रहा है**
- **उदयपुर में भाजपा नेत्री के कथित वीडियो कांड के जांच अधिकारी को बदलने के बाद चर्चाएं तेज हुई**

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में भाजपा नेत्री के कथित वीडियो कांड के जांच अधिकारी को बदलने के बाद चर्चाएं तेज हो गई हैं। भाजपा का बड़ा धड़ा मामले के नेताओं पर चारित्रिक रूप से खराब होने का आरोप लगाकर पार्टी के पदों से हटाने के लिए लॉबिंग कर रहा है। उन्हें अब जांच अधिकारी के बदलने पर कुछ नेताओं के नाम सामने आने की उम्मीद है।

नेताओं ने शिकायत में कहा कि इस कांड के पदाधिकारियों के पद पर रहने पर आगामी निगम चुनाव में संगठन को बड़ा नुकसान के साथ विपक्ष को बड़ा मुद्दा मिल जाएगा। इस पर पार्टी की छवि को सुधारना बहुत ज्यादा मुश्किल होगा। वहीं पार्टी का दूसरा धड़ा अपने आपको निर्दोष बताते हुए दो केन्द्रीय मंत्रियों के जरिए अपने आप को राजनीति का शिकार बता रहा है। उनका कहना है कि कुछ नेताओं द्वारा टारगेट कर दुष्प्रचार किया जा रहा है। जबकि ऐसे कोई सबूत ही नहीं हैं। बिना सबूत के क्यों इस्तीफा दें।

जयपुर से लेकर दिल्ली तक रोजाना बडे घटनाक्रम की अपडेट दी जा रही है। इसी बीच राष्ट्रीय नेतृत्व के पदाधिकारियों और सीएम भजनलाल शर्मा ने भी इस मामले पर जल्द निष्पक्ष जांच के बाद ही कार्रवाई का आश्वासन दिया है। यही नहीं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी इस मामले को उदयपुर फाइल्स का नाम देकर विधानसभा में उठाया था।

गौरतलब है कि पिछले दिनों उदयपुर में जनसुनवाई के दौरान पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से आरोपी के परिवार ने पुलिस और भाजपा नेताओं की कार्यशैली पर सवाल खड़े करते हुए तोड़फोड़ करने के आरोप लगाए थे। आरोपी के परिवार ने निष्पक्ष जांच के बाद कार्रवाई करवाने की मांग की थी। इस मामले पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, आरएलपी प्रमुख हनुमान बेनीवाल और बीएपी सांसद राजकुमार रोत भी भाजपा को आडे हाथ ले चुके हैं।

जानकारी के अनुसार उदयपुर में गत 11 फरवरी को भूपालपुरा थाने में भाजपा महिला नेता ने एक वकील पर एआई के जरिए अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का मामला दर्ज करवाया था। इस पर पुलिस ने रात करीब 3 से 4 बजे के बीच कार्रवाई कर वकील को उसके घर से उठाया था। महिला नेता के साथ तथाकथित कई बड़े पदाधिकारियों के साथ आपतिजनक स्थिति में होने की बात कही जा रही है। इस दौरान कुछ लोगों ने हाथ में सरिए और अन्य औजारों के साथ वकील के घर में घुसकर तोडफोड की थी। इस पर आरोपी के परिवार ने पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से मिलकर जबरन घर में घुसकर हथियार लेकर आए युवकों और पुलिस पर टॉर्चर के आरोप लगाए थे। इस मामले को ले कर उदयपुर से लेकर प्रदेश तक के भाजपा नेताओं ने चुप्पी साध रखी है।

दुबई में फंसे 120 भक्तों का दल जोधपुर लौटा

कथावाचक सूरसागर बड़ा रामद्वारा के संत अमृतराम महाराज के साथ कथा श्रवण करने गए थे

- **'दुबई में एयरपोर्ट बंद होने की वजह से फंस गए थे, जितना माहौल सोशल मीडिया के जरिए बताया जा रहा है, उतना खराब नहीं है'**

जोधपुर, (कासं)। दुबई में फंसे जोधपुर के 120 भक्तों का दल गुरुवार को जोधपुर लौट आया। ये सभी लोग कथावाचक सूरसागर बड़ा रामद्वारा के संत अमृतराम महाराज के साथ कथा श्रवण करने गए थे।

जोधपुर आने पर लोगों ने कहा कि 28 फरवरी को कथा समाप्ति पर वे लोग एयरपोर्ट पहुंचे तो मालूम हुआ कि फ्लाइट नहीं जाएगी। इससे सभी लोग डर गए थे। दुबई एयरपोर्ट गए तो होटल जाने को बोला गया। हमारे पास पैसे भी खत्म हो रहे थे। वहीं होटल वालों ने भी किराया बढ़ा दिया था। ऐसे में दुबई में रहने वाले माहेश्वरी, माली, राजपुरोहित, जांगिड़, राजपूत समाज के लोगों ने मदद की। ये सभी युद्ध के कारण फंस गए थे, जो आज आ गए हैं।

जानकारी के अनुसार दुबई में जोधपुर के सूरसागर बड़ा रामद्वारा के संत अमृतराम महाराज की 24 से 28 फरवरी तक कथा थी। महाराज समेत जोधपुर शहर से 120 श्रद्धालु 23 फरवरी को दुबई गए थे। 28 फरवरी को कथा समापन के बाद वापस लौटना था, ऐसे में एयरपोर्ट पहुंच गए थे। युद्ध के चलते सभी को एयरपोर्ट से वापस मीना बाजार स्थित एक होटल भेज दिया गया था।

120 भक्तों में से 76 यात्री दुबई से कोच्चि और 30 यात्री अहमदाबाद पहुंच गए थे। 14 लोग दुबई में थे। आज अलग-अलग रूट से सभी जोधपुर लौटे। कैलाश भूतड़ा ने बताया कि दुबई में एयरपोर्ट बंद होने की वजह से फंस गए थे, जितना माहौल सोशल मीडिया के जरिए बताया जा रहा है, उतना खराब नहीं है।

भूतड़ा ने बताया कि महाराज की कथा का एक लाख रुपए प्रति व्यक्ति का पैकेज था। यह बजट बढ़कर तीन लाख रुपए तक पहुंच गया। हालांकि फ्लाइट कैंसिल होने पर वहां भारत के रहने वाले लोगों से पैसों में काफी मदद मिली। कथा में ले जाने वाले महाराज का भी इतना सहयोग नहीं मिला। त्रिलोकनाथ ने बताया कि वो 23 फरवरी को गए थे। 28 की रात को वापस लौटने वाले थे, लेकिन युद्ध के चलते फ्लाइट भी कैंसिल हो गई। इसके बाद वापस होटल पहुंचे तो होटल वालों ने किराया बढ़ा दिया। वहां पर अभिमन्यु सिंघवी ने मदद की।

गोकुलजी की प्याऊ के रहने वाले ललित देवड़ा ने बताया कि युद्ध के चलते उन्हें एयरपोर्ट से वापस होटल जाना पड़ा था। एक कमरे के करीब बीस-बीस हजार रुपए लिए गए। इसके बाद माहेश्वरी समाज के दबाव में दस हजार रुपए किए। वहां से दो फ्लाइट मिली थी। एक शारजाह से कोच्चि और दूसरी दुबई से अहमदाबाद की फ्लाइट थी। जिसे जो फ्लाइट मिली, उससे भारत आए और अब अपने-अपने हिसाब से जोधपुर आए। सूरसागर बड़ा रामद्वारा के संत अमृतराम महाराज और मनोहर दास महाराज ने दुबई ले जाने के लिए प्रतिव्यक्ति 90 हजार रुपए लिए थे।

सूरसागर बड़ा रामद्वारा के संत अमृतराम महाराज ने बताया कि दुबई का माहौल तो ठीक ही था, लेकिन 28 फरवरी को हुए ब्लास्ट के चलते एक दिन थोड़ी घबराहट रही। उस दिन 120 लोग साथ थे। यह चिंता थी कि इतने लोगों को कैसे मैनेज किया जाए, लेकिन सब ठीक हो गया। हालांकि वहां रह रहे भारत के लोगों ने खूब सेवा की।। मनोहर दास महाराज ने बताया कि कथा के आखिरी दिन हम आबूधाबी जाने वाले थे, लेकिन वहां पर धमाका हो गया था।

युवक को पीटा, बचाव में आए परिजनों पर भी हमला किया

- **गांव नदीगांव की है घटना, गांव में पुलिस जाब्ता तैनात**

रुदावल/भरतपुर, (निसं)। रुदावल थाना क्षेत्र के नदीगांव में नामजदों ने युवक के साथ बेरहमी से मारपीट कर निर्वस्त्र कर अपमानित भी किया। जब पीड़ित के परिजन उसे बचाने पहुंचे, तो उन पर भी कांच की बोतलों और लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिसमें कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीशनल एसपी हरिराम कुमावत सहित रुदावल एसएचओ मय जाब्ता के मौके पर पहुंचे और घायलों को उपचार के लिए चिकित्सालय पहुंचाया। गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस जाब्ता तैनात कर दिया है। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने नामजदों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रुदावल पुलिस ने बताया कि नदीगांव निवासी राहुल पुत्र गिर्राज सिंह जाटव ने मामला दर्ज कराते हुए बताया कि बुधवार शाम को उसका चाचा गजराज और ग्रामीण भूपसिंह व भगोरन प्लांट की तरफ से आ रहे थे। रास्ते में ऋषि ठाकुर ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि ऋषि ने गजराज के साथ मारपीट की, जातिसूचक गालियां दी और उसे निर्वस्त्र कर दिया। जब पीड़ित पक्ष के लोग बीच-बचाव करने पहुंचे तो तेजसिंह, पुन्नी और विशाल सहित 20-25 हमलावरों ने एकराय होकर हमला कर दिया। आरोपियों ने उन्हें भी जातिसूचक शब्द कहे और लाठी-डंडों व कांच की बोतलों से हमला कर दिया। हमले में चंदन, गिर्राज सिंह, राहुल और बॉबी को गंभीर चोटें आई हैं। घायलों में से गिर्राज और चंदन की हालत नाजुक होने के कारण उन्हें आरबीएम चिकित्सालय के लिए रैफर कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में शांतिभंग करने के आरोप में गौरव, प्रदीप राजपूत, हरगोविंद राजपूत, विजय कुशवाह, अंकित जाटव, भरत जाटव को गिरफ्तार किया है।

मिनरल पाउडर भरने के दौरान ट्रक में आग लगी

मसूदा, (निसं)। पीपलाज रीको क्षेत्र में गुरुवार को एक मिनरल फैक्टरी में पाउडर भरने के लिए खड़े एक ट्रक में अचानक शार्ट शर्किट हो गया। शार्ट शर्किट के दौरान ट्रक के केबिन में आग लग गई। आग लगते ही आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने के बाद वहां काम करने वाले लोगों ने इसकी जानकारी दमकल विभाग को दी। जानकारी पर पारी प्रभारी बलरामसिंह दमकल वाहन के साथ मौके पर पहुंचे तथा आग पर काबू पाया। आग बुझाने के दौरान फायरमैन कृष्ण गुर्जर, धर्मेन्द्र कुमार एवं वाहन चालक रणजीत सिंह आदि शामिल रहे। बताया जा रहा है कि आग की घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

हनुमानगढ़ में मंदिर से लौटते समय युवक की हत्या

दोस्तों पर पैसों के लालच में मारपीट कर हत्या का आरोप लगाया

- **तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू**

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले के संगरिया थाना क्षेत्र में एक युवक की कथित तौर पर मारपीट कर हत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस संबंध में तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पहचान दौलतपुरा निवासी कालूराम नायक के रूप में हुई है। वह चंडीगढ़ में नौकरी करता था और होली पर 2 मार्च को अपने घर आया था। कालूराम अपने साथ वेतन के रूप में लगभग 36 हजार रुपए लेकर आया था। तीन मार्च को गांव के महेंद्र, हरबंश और पवन कुमार कालूराम के घर आए। उन्होंने कालूराम को भद्रकाली मंदिर में धोक लगाने के लिए साथ चलने को कहा। घर से निकलते समय कालूराम अपनी मां और भाई से 18 हजार रुपए लेकर अपनी जेब में रखकर उनके साथ बाइक पर चला गया। रिपोर्ट के अनुसार मंदिर से लौटते समय चारों महेंद्र के खेत में बैठकर शराब पीने लगे। इसी दौरान आरोपियों को पता चला कि कालूराम के पास पैसे हैं। आरोप है कि पैसों के लालच में तीनों ने मिलकर कालूराम के साथ मारपीट की, उसकी जेब से रुपए निकाल लिए और उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। बाद में उसकी मौत हो गई। शाम तक कालूराम के घर नहीं लौटने पर उसके भाई प्रकाश नायक ने फोन किया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। बाद में महेंद्र ने फोन कर बताया कि कालूराम की तबीयत खराब हो गई है। जब प्रकाश मौके पर पहुंचा, तो उसका भाई मृत अवस्था में मिला। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने महेंद्र, हरबंश और पवन कुमार के खिलाफ हत्या सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पालना गृह में छोड़ा नवजात

अजमेर, (कासं)। शहर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के शिशु रोग विभाग के बाहर बने आश्रय पालना गृह में एक अज्ञात युवक द्वारा करीब 8 से 10 दिन का नवजात बच्चा कपड़े के थैले में छोड़कर चले जाने का मामला सामने आया है।

जानकारी के अनुसार किसी अज्ञात युवक ने नवजात बच्चे को कपड़े के थैले में रखकर पालना गृह में छोड़ दिया। जैसे ही पालना गृह में लगे अलार्म सिस्टम का सायरन बजा, अस्पताल के नर्सिंगकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और बच्चे को पालना गृह से निकालकर शिशु रोग विभाग में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच के बाद बच्चे को उपचार के लिए भर्ती कर लिया है। चिकित्सकों के अनुसार नवजात की हालत फिलहाल स्थिर नहीं बताई जा रही है और उसका उपचार जारी है। अस्पताल का मेडिकल स्टाफ लगातार बच्चे की निगरानी कर रहा है। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि पालना गृह ऐसी ही परिस्थितियों के लिए बनाया गया है, ताकि किसी कारणवश यदि कोई नवजात को नहीं रख सकता तो उसे सुरक्षित तरीके से यहां छोड़ा जा सके और तुरंत उसे चिकित्सा सुविधा मिल सके। फिलहाल बच्चे की देखभाल अस्पताल प्रशासन की निगरानी में की जा रही है।

विधानसभा में सभापति संदीप शर्मा और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा के बीच तीखी नोंकझोंक

कांग्रेस विधायकों ने वैल में उतरकर हंगामा और नारेबाजी की, आसन के अपमान पर सत्ता पक्ष ने भी विपक्ष को जमकर घेरा

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में गुरूवार को बिल पर बहस के दौरान सभापति संदीप शर्मा और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बीच जमकर नोकझोंक हो गई। डोटासरा के सभापति के प्रति बर्ताव को लेकर सत्तापक्ष ने कड़ी आपत्ति की, इस पर दोनों तरफ से जमकर हंगामा और नारेबाजी हुई। देखते ही देखते कांग्रेस और बीजेपी के विधायक आमने-सामने हो गए। काफी देर हंगामे के बीच ही बिल पर बहस चलती रही, हंगामा बढ़ने पर सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित करनी पड़ी।

- **दोनों पक्षों तू-तू-मैं-मैं होने के कारण सदन की कार्यवाही भी आधे घंटे स्थगित करनी पड़ी**
- **दरअसल विवाद की शुरूआत तब हुई, जब सभापति ने कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा को वक्त का ध्यान दिलाते हुए घंटी बजाई। इस पर आपत्ति जताते हुए डोटासरा ने कहा कि ''बिल पर बहस के दौरान किसी विधायक को घंटी बजाकर टोकने की परंपरा नहीं है। यह गलत हो रहा है, आप घंटी नहीं बजा सकते।''**
- **डोटासरा द्वारा लगातार टिप्पणियों से नाराज होकर सभापति संदीप शर्मा ने कहा कि ''आपकी हरकतें सड़क छाप हैं, यह आपके संस्कार है क्या? आप इस तरह बात नहीं कर सकते हैं, चेयर का सम्मान करना होता है। आप आसन का अधिकार कैसे छीन सकते हैं? घंटी बजाने का अधिकार कैसे छीन लेंगे?''**

दरअसल कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा दुकान वाणिज्यिक अधिष्ठान बिल पर बहस में बोल रहे थे। इसी दौरान सभापति संदीप शर्मा ने हरिमोहन शर्मा को वक्त ध्यान दिलाते हुए घंटी बजाई। इस पर गोविंद सिंह डोटासरा ने आपत्ति जताते हुए कहा कि बिल पर बहस के दौरान किसी विधायक को घंटी बजाकर टोकने की परंपरा नहीं है। यह गलत हो रहा है, आप घंटी नहीं बजा सकते।

इसी बात को लेकर डोटासरा और सभापति संदीप शर्मा के बीच जमकर बहस और नोकझोंक हुई। सभापति संदीप शर्मा ने कहा कि आप इस तरह बात नहीं कर सकते हैं, चेयर का सम्मान करना होता है, यह गलत है। सभापति से नोकझोंक करते देख मंत्रियों और बीजेपी विधायकों ने कड़ा ऐतराज जताया।

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि आसान को धमकाया जा रहा है, यह बर्दाश्त नहीं होगा।

नोकझोंक के बाद बीजेपी विधायकों ने कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी की। सभापति संदीप शर्मा ने कहा कि आप चेयर का अधिकार कैसे छीन सकते हैं? घंटी बजाने का अधिकार कैसे छीन लेंगे? मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि यह कोई नाथी का बाड़ा नहीं है। आसन पर टिप्पणी की जा रही है, वह सरासर गलत है।

इसी बीच कांग्रेस विधायकों ने वैल में आकर नारेबाजी शुरू कर दी। डोटासरा ने हंगामे के बीच सभापति पर टिप्पणी करना जारी रखा। इस पर सभापति ने कहा कि आपकी हरकतें सड़क छाप हैं। सड़क छाप आप लग रहे हो। ये आपके संस्कार हैं क्या? इस तरह नहीं चल सकता। अपनी भाषा पर गौर कीजिए।

कांग्रेस विधायकों के हंगामे और नारेबाजी के बीच नोकझोंक चलती रही। इस बीच संदीप शर्मा की जगह सभापति अर्जुनलाल जीनगर चेयर पर आ गए। जीनगर ने शांत होने का आग्रह किया, लेकिन कांग्रेस विधायकों ने नारेबाजी जारी रखी। डोटासरा ने सभापति पर टिप्पणियां जारी रखी तो जीनगर ने आपत्ति जताई। हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी।

विधानसभा की कार्यवाही फिर से शुरू होने के बाद स्पीकर वासुदेव देवनानी चेयर पर आए। डोटासरा ने कहा कि बिल पर हरिमोहन शर्मा के बोलने के दौरान सभापति ने घंटी बजाकर टोका तो मैंने उनसे कहा था कि यह उचित नहीं है। इसके बाद सभापति संदीप शर्मा ने बहुत ही आक्रामक होकर टिप्पणियां कीं, इनका मेडिकल टेस्ट करवाएं। स्पीकर ने इस पर आपत्ति करते हुए कहा कि संदीप शर्मा उस वक्त सभापति के तौर पर चेयर पर थे, उनके खिलाफ इस तरह कमेंट नहीं कर सकते। यह कार्यवाही से निकाला जाएगा।

वहीं दूसरी ओर संदीप शर्मा ने कहा कि, डोटासरा ने मानसिक विकृत व्यक्ति जैसी हरकतें कीं। इनकार व्यवहार बिल्कुल भी ससंदीय नहीं था। मेडिकल टेस्ट इनका भी होना चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि गोविंद सिंह डोटासरा ने सभापति के प्रति बहुत ही ओछी टिप्पिणयां कीं।

इनका व्यवहार किसी भी रूप से संसदीय परंपराओं के अनुकूल नहीं था। स्पीकर पूरी कार्यवाही की रिकॉर्डिंग देख सकते हैं, डोटासरा ने ऐसी ऐसी टिप्पणणियां कीं, जो कोई कहने की सोच भी नहीं सकता। सदन में बने गतिरोध पर स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कहा कि जो कुछ हुआ है, उसे देखा जाएगा।

सभापति को मैंने ही कहा था कि सबको 5-5 मिनट बोलने का समय देना है। इस पूरे मामले को देखा जाएगा, मैं पूरी कार्यवाही देखूंगा, उसके बाद फैसला होगा।

राज सखी स्टोर्स, रूरल विमेन बीपीओ जैसे नवाचारों से आधी आबादी होगी सशक्त

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में महिला आत्मनिर्भरता को मिली नई उडान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- **भजनलाल सरकार ने बजट में महिला सुरक्षा एवं सम्मान के अनेक प्रावधान किए**

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, उन्हें आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से मजबूत करने तथा महिला सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष के बजट में भी रूरल विमेन बीपीओ, राज सखी स्टोर, अमृत पोषण वाटिकाओं का निर्माण, किशोरी बालिका योजना का विस्तार, मुख्यमंत्री लखपति दीदी ऋण योजना के अंतर्गत ऋण सीमा में वृद्धि सहित ऐसी अनेक घोषणाएं की गई हैं, जिससे आधी आबादी सशक्त एवं आत्मनिर्भर बन सके।

राज्य सरकार द्वारा महिला सशक्तीकरण एवं वित्तीय समावेशन के तहत किए जा रहे प्रयासों से प्रदेशभर में 16 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बनी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आर्थिक संबल देने एवं रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाने के लिए 100 करोड़ रुपये का व्यय कर जिला स्तर पर रूरल विमेन बीपीओ स्थापित किये जाएंगे। साथ ही, मुख्यमंत्री लखपति दीदी ऋण योजना के तहत ऋण सीमा भी एक लाख रुपये से बढ़ाकर एक लाख 50 हजार रुपये करने का बजटीय प्रावधान किया गया है, जिससे महिला उद्यिमता को और अधिक प्रोत्साहन मिल सके। राजीविका के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक नवाचार किए जा रहे हैं। सरकार द्वारा इस वर्ष की बजटीय घोषणा के तहत राजीविका के अन्तर्गत संगठित 100 क्लस्टर लेवल फेडरेशन के कार्यालय एवं अन्य उपयोग के लिए भवन उपलब्ध करवाये जायेंगे। साथ ही, इन कार्यालयों में डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता के लिए 'सक्षम सेंटर' भी शुरू किए जाएंगे। स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाये गये उत्पादों की बेहतर ब्रांडिंग, डिजाइनिंग एवं पैकेजिंग कर डेयरी, टैक्सटाइल, फुटवियर, मिलेट्स एवं मसाले इत्यादि से सम्बन्धित क्षेत्रों के 50 नवीन एंटरप्राइजेज स्थापित किये जायेंगे। साथ ही, राज्य सरकार द्वारा इन उत्पादों की ब्रिक्री के लिए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों से समन्वय भी किया जाएगा। राज्य सरकार महिला उद्यिमता को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

इसी क्रम में सभी संभागीय मुख्यालयों पर 'राज सखी स्टोर्स' स्थापित किए जाएंगे, जिससे राजीविका से जुड़ी महिलाओं को उद्यम को सफल बनाने के लिए आवश्यक क्षमता संवर्द्धन मिल सके। इस हेतु सभी जिलों में चरणबद्ध रूप से सेंटर फोर एंटरप्रेन्योरशिप एण्ड कैपिसिटी बिल्डिंग स्थापित किये जायेंगे।

मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना के तहत ऋण की सीमा 50 लाख से बढ़ाकर एक करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान भी किया गया है। वहीं, स्वयं सहायता समूह की लगभग 5 हजार महिलाओं को प्रशिक्षित कर 'बैंकिंग कॉरस्पोंडेंट' सखी बनाया जायेगा।राज्य सरकार द्वारा महिला स्वयं सहायता समूह की आजीविका संवर्द्धन के लिए 11 हजार अमृत पोषण वाटिकाओं का निर्माण किया जाएगा, जिससे आंगनबाड़ी केन्द्रों व स्कूलों में मिड-डे-मील के लिए स्थानीय स्तर पर फल, सब्जी भी उपलब्ध हो सकेंगे। राज्य सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए भी अर्ली चाइल्डहुड केयर एण्ड एजुकेशन कोर्स करवाया जाएगा। साथ ही, प्रदेश की एक हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रतिष्ठित संस्थानों से विशिष्ट प्रशिक्षण दिलवाया जायेगा। इस वर्ष के बजट में आकांक्षी जिले करौली, धौलपुर, बारां, जैसलमेर एवं सिरोही में संचालित 'किशोरी बालिका योजना' का विस्तार किया गया है। अब यह योजना राज्य के समस्त 27 आकांक्षी ब्लॉक्स में शुरू की जाएगी, जिससे 50 हजार से अधिक किशोरी बालिकाएं पूरक पोषाहार से लाभान्वित हो सकेंगी। राजकीय कार्यालयों में कार्यालय समय में 6 माह से 6 वर्ष के बच्चों की देखभाल के लिए चरणबद्ध रूप से 'मुख्यमंत्री शिशु-वात्सल्य सदन' खोले जायेंगे।

महिलाओं के विरूद्ध सार्वजनिक स्थानों पर छेड़छाड़, घरेलू हिंसा एवं अन्य अपराधों की रोकथाम के लिए कार्यरत कालिका पेट्रोलिंग यूनिट की संख्या को चरणबद्ध रूप से 500 से बढ़ाकर 600 किया जाएगा। वहीं, 100 पुलिस थानों में महिला बैरक विकसित किये जायेंगे। पर्यटकों की सुरक्षा व सहयोग के लिए पर्यटन सहायता बल कैडर का सुदृढ़ीकरण हेतु महिला सुरक्षाकर्मियों एवं गाइड्स की नियुक्ति की जायेगी। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में महिलाओं को मुख्यमंत्री सुपोषण न्यूट्री-किट, लाडो प्रोत्साहन, मुख्यमंत्री नारी शक्ति प्रशिक्षण एवं कौशल संवर्द्धन, मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन, सोलर दीदी एवं लखपति दीदी जैसी योजनाओं से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। महिलाएं इन योजनाओं से लाभान्वित होकर सशक्त हुई हैं तथा उनकी निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी बढ़ी है। इन प्रयासों से महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। साथ ही, वे राज्य के विकास में अहम भागीदारी भी सुनिश्चित करेंगी।

'आसन की अवमानना और अमर्यादित आचरण विधायी परंपराओं के विरुद्ध'

सत्ता पक्ष के विधायकों ने डोटासरा के खिलाफ अनुशंसात्मक कार्रवाई की मांग उठाई

जयपुर (विसं)। राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र के दौरान विपक्षी सदस्यों द्वारा आसन ( ) के प्रति किए गए अमर्यादित व्यवहार और असंसदीय शब्दावली के प्रयोग की सत्ता पक्ष के विधायकों ने कड़े शब्दों में निंदा की। विधानसभा परिसर में मीडिया से रूबरू होते हुए विधायक संदीप शर्मा (कोटा दक्षिण), कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत, मदन दिलावर और विधायक गुरुवीर सिंह (सादुलशहर) ने संयुक्त रूप से विपक्ष के आचरण को लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताया।

घटनाक्रम के समय सभापति की भूमिका निभा रहे विधायक संदीप शर्मा ने बताया कि सदन की कार्यवाही नियमों और तय समय सीमा (5 मिनट) के अधीन संचालित की जा रही थी। जब सदस्यों को समय सीमा समाप्त होने का संकेत देने के लिए घंटी बजाई गई, तो विपक्ष के वरिष्ठ सदस्यों द्वारा आसन को चुनौती देना और उग्र होकर बदतमीजी करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि आसन पर बैठे व्यक्ति को सदन की व्यवस्था बनाए रखने का पूर्ण अधिकार है, किंतु विपक्ष ने व्यक्तिगत टिप्पणी कर सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाई है।

कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि कांग्रेस सदस्यों का व्यवहार विधायी गुंडागर्दी जैसा प्रतीत होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल के नेता द्वारा सभापति के विरुद्ध जिस प्रकार की असंसदीय भाषा और विकृत मानसिकता का प्रदर्शन किया गया, उसे पूरे राजस्थान की जनता ने देखा है। यह केवल एक सदस्य का नहीं, बल्कि पूरे सदन और जनता के विश्वास का अपमान है।

सत्ता पक्ष के अनुसार, विपक्षी सदस्य रचनात्मक बहस के बजाय सदन की कार्यवाही में व्यवधान डालने और सुर्खियां बटोरने का प्रयास कर रहे हैं।

मदन दिलावर और गुरुवीर सिंह ने कहा कि विपक्ष का सदन में इस तरह का आचरण पहले भी देखा गया है। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से इस पूरे घटनाक्रम की फुटेज की समीक्षा करने और दोषियों के विरुद्ध कठोर विधिक एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया है उन्होंने कहा कि एक जिम्मेदार विपक्ष को तार्किक सुझाव देने चाहिए, न कि सदन को अखाड़ा बनाकर व्यक्तिगत आक्षेप करने चाहिए।

विधानसभा में होगा महिलाओं का सम्मान

जयपुर (विसं)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर स्पीकर वासुदेव देवनानी की पहल पर राजस्थान विधानसभा और राजस्थान प्रवासी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को सांय तीन बजे विधानसभा में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सम्मान समारोह 2026 का आयोजन होगा। स्पीकर देवनानी की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले आयोजन में प्रदेश की उपमुख्यमंत्री, महिला मंत्री, सांसद विधायकों सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रेरणादायी महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। देवनानी बताया कि समारोह का उद्देश्य समाज, राजनीति, प्रशासन तथा विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के नेतृत्व, योगदान और उपलब्धियों को सम्मानित करना है। प्रवासी नारी और महिला विधायकों का संकल्प, राजस्थान की शक्ति विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में महिला शक्ति, नेतृत्व क्षमता और समाज के विकास में उनकी भूमिका को रेखांकित किया जाएगा।

दो माह में 4249 साइबर शिकायतों का निस्तारण

- **पुलिस ने 30 लाख रुपए के 121 मोबाइल बरामद**

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के निर्देश पर जयपुर दक्षिण जिले में चलाए गए विशेष साइबर अभियान में दो माह में 4 हजार 249 साइबर शिकायतों का निस्तारण किया है। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि 1 जनवरी से 28 फरवरी 2026 तक चलाए गए अभियान के दौरान वर्ष 2025 की कुल 7 हजार 483 साइबर शिकायतों में से 4 हजार 249 (करीब 57 प्रतिशत) का निस्तारण किया गया। इस अभियान के तहत अशोक नगर, चाकसू, सोडाला और मानसरोवर सर्किल में विशेष कार्रवाई की गई। मानसरोवर सर्किल में सर्वाधिक 65.55 प्रतिशत शिकायतों का निस्तारण किया गया।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) ने बताया कि जनवरी-फरवरी 2026 में साइबर सेल की टीम ने सीईआईआर पोर्टल और तकनीकी सहायता से गुम हुए 121 मोबाइल फोन (कुल कीमत करीब 30 लाख रुपये) ट्रेस कर बरामद किए और परिवादियों को सुपुर्द किए।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) ने बताया कि ऑपरेशन वज्र प्रहार 2.0 के तहत 1 जनवरी 2025 से 28 फरवरी 2026 तक साइबर ठगी से जुड़ी 8.54 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अपराधियों के खातों में होल्ड करवाई गई। साथ ही 27.56 लाख रुपये की राशि रिकवर कर पीड़ितों के खातों में रिफंड करवाई गई। राजर्षि राज ने बताया कि साइबर जागरूकता के तहत 15 स्कूल-कॉलेजों में अभियान चलाकर 5000 से अधिक विद्यार्थियों और आमजन को जागरूक किया गया। समन्वय पोर्टल के माध्यम से विभिन्न राज्यों में वांछित 300 साइबर अपराधियों की तलाश कर संबंधित थानों को कार्रवाई के लिए सूचित किया गया।

ग्राम विकास अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की प्रतापगढ़ टीम ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए ग्राम विकास अधिकारी यशवंत जोशी और दलाल राजमल (ई-मित्र संचालक) को 8 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता ने बताया कि इस ट्रैप कार्रवाई में सामने आया कि परिवादी से मकान के पट्टे की रजिस्ट्री कराने के एवज में कुल 12 हजार रुपये की मांग की गई थी। शिकायत के अनुसार ग्राम पंचायत सुहागपुरा के ग्राम विकास अधिकारी तथा ग्राम पंचायत कचोटिया के अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे यशवंत जोशी ने दलाल राजमल के माध्यम से रिश्वत की मांग की। सत्यापन में यह पुष्टि हुई कि 8 हजार रुपये रजिस्ट्री से पहले और शेष राशि बाद में देने का तय हुआ था।

अमेरिकी न्यायालय के फैसले से भारतीय आयातकों को 88 बिलियन डॉलर रिफंड राशि मिलेगी : सीए सुनील भार्गव

भार्गव का कहना है कि अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार न्यायालय के न्यायमूर्ति रिचर्ड के. ईटन ने इस संबंध में 4 मार्च 2026 को फैसला सुनाया

जयपुर (कासं)। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून विशेषज्ञ सीए सुनील भार्गव का कहना है कि अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार न्यायालय के 4 मार्च 2026 के फैसले से भारतीय आयातकों को 88 बिलियन की रिफंड राशि मिलेगी। उन्होंने बताया कि अमेरिकी न्यायालय ने विवादास्पद 25 प्रतिशत आईईईपीए शुल्क के बिना सभी गैर-निपटाए आयात प्रविष्टियों के तत्काल निपटान का आदेश दिया, साथ ही इन अब-अमान्य शुल्कों के साथ पहले से निपटाई गई प्रविष्टियों के लिए धनवापसी को अनिवार्य किया। न्यायमूर्ति रिचर्ड के. ईटन का 4 मार्च, 2026 का आदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए एक निर्णायक क्षण है, जो संभावित रूप से केवल भारतीय आयातकों के लिए 88 अरब डॉलर की धनवापसी खोलता है। सीए भार्गव का कहना है कि आईईईपीए शुल्क के तहत 48 अरब डॉलर और रूसी तेल शुल्क के तहत अतिरिक्त 40 अरब डॉलर राशि मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह फैसला संयुक्त राज्य अमेरिका में 3 लाख से अधिक आयातकों को प्रभावित करता है, जिनमें से केवल 3000 ने न्यायालय में धनवापसी की मांग करते हुए मुकदमा दायर किया था।

सीए सुनील भार्गव

न्यायमूर्ति ईटन ने अपने फैसले को अमेरिकी संविधान के एकरूपता खंड में स्थापित किया, जो यह अनिवार्य करता है कि ''सभी शुल्क, आयात और उत्पाद शुल्क संयुक्त राज्य अमेरिका में एकसमान होंगे।'' सभी शुल्क धनवापसी मामलों पर अपने विशेष अधिकार का दावा करते हुए, न्यायमूर्ति ईटन ने कहा कि किसी अन्य न्यायाधीश द्वारा कोई परस्पर विरोधी निर्णय देने की कोई गुंजाइश नहीं है।

उन्होंने चेतावनी दी कि अन्यथा मानने से वैध दावों वाले लोगों के लिए धनवापसी के त्वरित दावों में बाधा उत्पन्न होगी और उन आयातकों को पूरी तरह से इनकार कर दिया जाएगा, जिन्होंने मुकदमा दायर नहीं किया है, सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले का लाभ जो आईईईपीए आयात को गैरकानूनी घोषित करता है।

मोनू मानेसर को मिली जमानत

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने भरतपुर के पहाडी इलाके में रहने वाले नासिर और जुनैद की हत्या से जुडे मामले में आरोपी मोनू मानेसर को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस अनिल कुमार उपमन ने यह आदेश आरोपी की जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता अश्विनी गर्ग ने बताया कि प्रकरण में याचिकाकर्ता बीते करीब ढाई साल से जेल में बंद है। वहीं सह आरोपी अनिल कुमार को गत 28 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली चुकी है। प्रकरण में पेश आरोप पत्र के 74 गवाहों में एक गवाह से भी जिरह नहीं हुई है। ऐसे में प्रकरण की सुनवाई पूरी होने में लंबा समय लगने की संभावना है। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए। जिसका विरोध करते हुए सरकारी वकील ने कहा कि घटना में दो लोगों की मौत हुई है।

ऐसे में याचिकाकर्ता पर लगे आरोपों को देखते हुए उसे जमानत नहीं दी जाए। गौरतलब है कि 16 फरवरी, 2023 को हरियाणा में बोलेरो गाडी में दो जली हुई लाशें मिली थी, बाद में पता चला की ये लाश राजस्थान के भरतपुर जिले में रहने वाले नासिर और जुनैद की हैं। घटना को लेकर मृतक के परिजनों ने पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया था। जिसमें कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 11 सितंबर, 2023 मोनू मानेसर को गिरफ्तार किया था।

प्रदेश में जर्जर स्कूल भवनों की मरम्मत को लेकर मुख्य सचिव से शपथ पत्र मांगा

राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा कि 19 मार्च को मुख्य सचिव शपथ पत्र पेश करते हुए बताएं कि प्रदेश के जर्जर सरकारी स्कूलों के निर्माण और मरम्मत की क्या कार्य योजना है?

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश के सरकारी स्कूलों के जर्जर भवनों से जुडे मामले में मुख्य सचिव को शपथ पत्र पेश करने को कहा है। अदालत ने मुख्य सचिव को कहा है कि वे 19 मार्च को शपथ पत्र पेश कर बताए कि स्कूलों के निर्माण और मरम्मत की क्या कार्य योजना है। अदालत ने राज्य सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि क्या हम यह आदेश पारित कर दें कि आगामी सत्र से केवल उन्हीं स्कूलों में कक्षाएं संचालित की जाए, जिनके भवनों को चार्टेड इंजीनियर सही माने। जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने यह आदेश झालावाड स्कूल हादसे के बाद लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

- **अदालत ने राज्य सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि क्या हम यह आदेश पारित कर दें कि आगामी सत्र से केवल उन्हीं स्कूलों में कक्षाएं संचालित की जाए, जिनके भवनों को चार्टेड इंजीनियर सही माने।**
- **हाईकोर्ट ने कहा कि ''यदि अभी भी हालात नहीं सुधरे तो हम आगामी जुलाई माह के बाद केवल अस्पताल और स्कूल इमारत बनाने के अलावा अन्य किसी भी नए निर्माण की अनुमति नहीं देंगे।''**

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि यदि अभी भी हालात नहीं सुधरे तो हम आगामी जुलाई माह के बाद केवल अस्पताल और स्कूल इमारत बनाने के अलावा अन्य किसी भी नए निर्माण की अनुमति नहीं देंगे। अदालत ने कहा कि यह देखना हमारा काम नहीं है कि राज्य सरकार को पैसा कहां से मिलेगा। राज्य सरकार बाध्य है कि वह प्रदेश में स्कूली बच्चों को सुरक्षित और पर्याप्त संसाधन मुहैया कराए। अदालत ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की रिपोर्ट के अनुसार बच्चे अभी भी गंदी जगहों पर पढ रहे हैं। प्राधिकरण की रिपोर्ट के अनुसार भरतपुर में बीस साल पुरानी बिल्डिंग में दरारें आ गई थी। अदालत ने कहा कि आंधी-तूफान की वजह से स्कूल भवनों में दरारें आ जाती है, निर्माण के दौरान क्या इन भवनों को तय मापदंड नहीं अपनाए जाते। पूर्व में शिक्षा सचिव ने शपथ पत्र पेश कर कहा था कि कोई भी पुरानी इमारत काम में नहीं ली जा रही, फिर ऐसी घटनाएं कैसे हो रही हैं। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार को देखना चाहिए कि कोई भी स्कूल दो मंजिल से ऊंची नहीं हो और छोटे बच्चों की कक्षाएं ग्राउंड फ्लोर पर ही हो। अदालत ने इस बात पर भी चिंता जताई कि कई माह बीतने के बाद भी केवल आधा दर्जन स्कूलों में ही मरम्मत का काम शुरू हुआ है।

देवनानी ने किया पोस्टर का विमोचन

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरूवार को यहां राजस्थान विधान सभा में सिविल डिफेन्स वॉलिंटियर्स कार्निवल के पोस्टर का विमोचन किया। देवनानी ने बताया कि नागरिक सुरक्षा सेवा के वरिष्ठ स्वयं सेवकों के लिए राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन तीन से पांच अप्रेल तक अजमेर के पुष्कर में होगा। सम्मेलन का विषय जन सुरक्षा की गांरटी है। इस मौके पर नागरिक सुरक्षा से जुडे वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

होटल संचालक मुन्नीराम मंडा की हत्या के मामले में तीन युवक गिरफ्तार

होली पर सीकर-नोखा स्टेट हाइवे 20 स्थित होटल पर बदमाशों ने फायरिंग की थी

बीदासर, (निसं)। होली के पर्व पर सोमवार की मध्य रात्रि को कस्बे के सीकर-नोखा स्टेट हाइवे 20 स्थित द रॉयल ट्रीट रेस्टोरेंट एंड होटल पर बोलेरो कैम्पर में सवार होकर आए बदमाशों ने होटल संचालक मुन्नीराम मंडा की गोलियों से भूनकर की गई निर्मम हत्या के बाद एक्शन मोड में आई पुलिस ने गुरूवार को तीन युवकों को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी दिलीप सिंह ने बताया कि मुन्नीराम की हत्या में षड़यंत्र रचने व रैकी करने के आरोप में श्रीडुंगरगढ़ तहसील के घाबरिया अमृतवासी निवासी छात्र नेता सुभाष गोदारा, पुलिस थाना छापर के गांव जोगलिया निवासी लेखराम कड़वासरा और मोमासर निवासी मनोज मेघवाल को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपाधीक्षक नेमीचंद चौधरी ने बताया कि अनुसंधान के दौरान सामने आया है कि मुन्नीराम की हत्या से पूर्व मनोज मेघवाल ने होटल में खाना खाने के बहाने मुन्नीराम की हर गतिविधियों की रैकी कर शुटर धनाराम व राजूराम को जानकारी दी। सुभाष व लेखराम हत्या की षड़यंत्र में शामिल थे। उक्त आरोपी घटना के बाद हरियाणा भागने की फिराक में थे, जिनको हरियाणा बॉर्डर पर ही पुलिस ने दबोच लिया। आरोपियों के सम्पूर्ण नेटवर्क का दौराने अनुसंधान पीसी रिमांड लिया जाकर खुलासा किया जाएगा। घटना के रैकी में शामिल मनोज मेघवाल को पुलिस ने बापर्दा गिरफ्तार किया है। इसके अलावा घटना के नामजद व घटना के षड़यंत्र में शामिल आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस की विशेष टीमें आरोपियों की तलाश सरगर्मी से कर रही है। मुन्नीराम की हत्या की योजना कई दिनों से चल रही थी। पहले भी मुन्नीराम की हत्या का प्रयास किया गया था और दूसरों को भी हत्या करने की सुपारी दी गई थी, जिसकी पुष्टि दौराने अनुसंधान की जाएगी। हत्या की योजना हत्या से पांच दिन पूर्व ही बना ली गई थी। उन्होंने बताया कि षड़यंत्र में शामिल देवीसिंह लगभग एक साल से निरंतर हत्या की योजना बना रहा था। वहीं आरोपियों से कड़ी पूछताछ के बाद मामले की जांच कर रहे बीदासर थानाधिकारी दिलीप सिंह ने तीनों युवकों को गिरफ्तार कर गुरूवार की देर शाम सुजानगढ न्यायालय में पेश किया है, जहां न्यायालय ने तीनों आरोपियों को पांच दिन के पीसी रिमांड पर भेजा है।

आरोपियों के घर के बाहर मुख्य मार्ग पर किए गए अतिक्रमण को बुलडोजर से ध्वस्त किया।

- हत्या में षड़यंत्र रचने व रैकी करने के आरोप में छात्र नेता सुभाष गोदारा, लेखराम कड़वासरा और मनोज मेघवाल को गिरफ्तार किया
- 'हत्या की योजना वारदात से पांच दिन पूर्व ही बना ली गई थी, षड़यंत्र में शामिल देवीसिंह लगभग एक साल से हत्या की योजना बना रहा था'

हत्या के नामजद आरोपी के ठिकानों पर प्रशासन की दबिश :- मुन्नीराम हत्याकांड के नामजद आरोपी एचएस देवीसिंह खेरिया के वार्ड चार स्थित मकान पर गुरूवार की शाम नगर पालिका प्रशासन व पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीमों ने पहुंचकर पालिका की बिना अनुमति के निर्माणाधीन दो मंजिला मकान को सीज कर दिया तथा घर के बाहर मुख्य मार्ग पर किए गए अतिक्रमण को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया। इससे पूर्व कस्बे के पुराना बस स्टैंड पर एक आवासीय स्वीकृति पर बने दो मंजिला बने खुड़िया होटल को व्यवसायिक गतिविधियों के चलते पालिका ने सीज किया। सीज कार्रवाई के दौरान दोनों स्थानों पर पुलिस की भारी जाब्ता तैनात रहा। कार्रवाई में पुलिस उपाधीक्षक नेमीचंद चौधरी, तहसीलदार अमरसिंह बोचला, ईओ पूनमचंद नाई, बीदासर थानाधिकारी दिलीप सिंह, सांडवा थानाधिकारी चौथमल वर्मा, छापर थानाधिकारी इंद्रलाल सहित पालिका के सफाईकर्मी उपस्थित थे। कार्रवाई के दौरान दोनों स्थानों पर नगरवासियों की भारी भीड़ उमड़ गई, उपस्थित भीड़ ने पुलिस और प्रशासन जिंदाबाद के नारे भी लगाए।

कार्रवाई के दौरान तहसीलदार अमरसिंह बोचला ने बताया कि बीदासर के होटल पर हुई हत्या को लेकर संदिग्त व्यक्तियों की सम्पतियों को सीज किया जा रहा है, जो अवैध है या अतिक्रमण कर रखा या बिना स्वीकृति निर्माण कार्य किया गया है। जिन पर नगर पालिका द्वारा कार्रवाई की जा रही है। पुलिस और प्रशासन का कार्रवाई में पूरा सहयोग है। भविष्य में ऐसी घटनाएं जहां कहीं पर भी होती है तो इसी प्रकार अपराधियों की सम्पतियों को सीज किया जाएगा। अपराधियों पर नियंत्रण के लिए उक्त सारी कार्रवाईयां की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाओं की पूनर्वति न हो इसके लिए पुलिस और प्रशासन एक्शन मोड पर है।

अलवर : सरकारी स्कूल में सरस्वती माता की मूर्ति तोड़ी

खटीक समाज युवा मंडल ने प्रदर्शन कर नाराजगी जताई।

अलवर, (निसं)। अलवर जिले के चिमरावली स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सरस्वती माता की मूर्ति तोड़ने का विरोध शुरू हो गया है। बुधवार को खटीक समाज युवा मंडल के सदस्यों ने स्कूल परिसर में प्रदर्शन कर नाराजगी जताई।

युवा मंडल के सदस्यों ने बताया कि मंडल ने 26 जनवरी को विद्यालय को मूर्ति भेंट की थी और 20 फरवरी को विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा करवाई गई थी। उन्होंने कहा कि 26 फरवरी की रात कुछ युवकों ने हथौड़े से मूर्ति के हाथ-पैर तोड़ दिए। सुबह प्रिंसिपल मंजू शर्मा ने घटना के बारे में जानकारी दी। समाज के धीरज का कहना है कि गांव के कुछ युवकों ने मूर्ति तोड़ने की बात स्वीकार की और दूसरी मूर्ति लगाने की बात कही है। उन्होंने बताया कि मामले को लेकर थाने में कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई, वहीं बच्चों के द्वारा खेलते समय मूर्ति टूटने की बात बताकर मामले को दबाने की कोशिश की गई। मूर्ति तोड़े जाने और बिना सहमति दूसरी मूर्ति लगाए जाने के विरोध में खटीक समाज युवा मंडल के सदस्य व ग्रामीण स्कूल पहुंचे और जमकर विरोध जताया। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और नई मूर्ति विधि-विधान से स्थापित करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे और पुलिस से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की गई।

403 विद्यार्थियों को मिलेगी उपाधि : जोधपुर में कृषि विश्वविद्यालय का सप्तम दीक्षांत समारोह बीस मार्च को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के सुश्रुत सभागार में आयोजित किया जाएगा। कृषि विश्व विद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर वीएस जैतावत ने बताया कि विश्वविद्यालय का सातवां दीक्षांत समारोह राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े के आतिथ्य में संपन्न होगा।

जोधपुर : हैड कांस्टेबल की मौत के बाद होली स्नेह मिलन स्थगित

- हैड कांस्टेबल भंवर सिंह की रेलवे लाइन के पास मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत हो गई थी

जोधपुर, (कासं)। बोरानाडा थाने में तैनात हैड कांस्टेबल भंवर सिंह की मौत के बाद गुरुवार को रातानाडा पुलिस लाइन में आयोजित होने वाला पुलिस का होली स्नेह मिलन स्थगित कर दिया गया है।

हैड कांस्टेबल भंवर सिंह की बुधवार देर रात सालावास रेलवे लाइन के पास मालगाड़ी की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई थी। इस दुखद घटना के बाद पूरे पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई है, जिसके चलते गुरुवार को आयोजित होने वाले पुलिस होली स्नेह मिलन कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक भंवर सिंह पुत्र नारायण सिंह मूल रूप से बिलाड़ा के संभाडिया निवासी थे, वर्तमान में जोधपुर के लक्ष्मण नगर में रह रहे थे। बुधवार रात उनका शव सालावास रेलवे ट्रैक पर क्षत-विक्षत अवस्था में मिला। टक्कर इतनी भीषण थी कि उनके पैर कटकर शरीर से अलग हो गए। घटना स्थल के पास ही उनकी मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है।

भंवरसिंह का हाल ही में कांस्टेबल से हैड कांस्टेबल के पद पर पदोन्नति हुआ था। नए पद की जिम्मेदारियों के बीच इस आकस्मिक हादसे ने उनके परिवार और साथी पुलिसकर्मियों को झकझोर कर रख दिया है। हादसे की गंभीरता और शोक को देखते हुए जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट ने संवेदनशीलता दिखाई है। गुरुवार को आयोजित होने वाला पारंपरिक होली स्नेह मिलन समारोह तुरंत प्रभाव से रद्द कर दिया गया।

अलवर के देसूला के बदमाशों ने शराब ठेकेदारों से रंगदारी मांगी

अलवर, (निसं)। अलवर जिले में अपराधियों के हौसले इतने ज्यादा बुलंद हो चुके हैं कि वे अब शराब ठेकेदारों को भी नहीं छोड़ रहे हैं। बदमाश अब शराब ठेकेदारों से भी रंगदारी मांगने में लगे हुए हैं।

मामले के अनुसार अलवर के उद्योग नगर स्थित देसूला गांव में एक परिवार पर दर्जनों मुकदमे उद्योग नगर थाने में दर्ज हैं। यह परिवार शराब तस्करी सहित सट्टा सहित अनेकों प्रकार के दो नम्बरी कामों में व्यस्त है, जिनके विरूद्ध अनेकों मामले लम्बित चल रहे हैं। यह परिवार अब उद्योग नगर क्षेत्र स्थित शराब ठेकेदारों को भी अपना निशाना बनाने में लगा हुआ है शराब ठेकेदार ने आरोप लगाया कि देसूला निवासी जगदीश नामक बदमाश ने उन पर अवैध ब्रांच के लिए दबाव बनाया, लेकिन ठेकेदारों ने इसे गैर कानूनी बताते हुए मना कर दिया तो उन्होंने उक्त शराब ठेकेदारों से पचास हजार की मंथली मांगी। इधर जब इन लोगों के बारे में ग्रामीणों से जानकारी मांगी तो देसूला के निवासियों ने बताया कि यह परिवार अपराधी किस्म का है। इनका एक लड़का आईपीएल खिलाता है और दो भाई राठी फैक्ट्री के पास सट्टे की खाईवाली का काम कर रहे हैं। इन पर अनेक मामले दर्ज बताए गए हैं, अगर इनकी पुलिस हिस्ट्री निकाली जाए तो सभी मामले सामने आ सकते हैं। इन लोगों के कारनामे पुलिस से छिपे नहीं है, लेकिन मिलीभगत के चलते आज तक इनके अनैतिक कार्यों पर अंकुश नहीं लगाया जा सका है।

ग्रामीणों का कहना है कि इन लोगों ने क्षेत्र में इतना ज्यादा खौफ पैदा कर रखा है कि आम आदमी इनके अपराधों के बारे में कुछ बोलने से भी डरता है। ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक से अपील की है कि इन बदमाशों के अपराधों पर अंकुश लगाएं, ताकि क्षेत्र का आम आदमी अपने को सुरक्षित महसूस करे।

चादर महोत्सव का शुभारंभ करेंगे मोहन भागवत

जैसलमेर, (नि.सं.)। राजस्थान के जैसलमेर में 6 से 8 मार्च को तीन दिवसीय चादर महोत्सव और दादागुरु इकतीसा पाठ का आयोजन होगा। चेन्नई से जैसलमेर आरही स्पेशल ट्रेन संख्या 06005 से शुक्रवार सुबह लगभग 2 हजार श्रद्धालु महोत्सव में शामिल होंगे।

तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत करेंगे। इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा को भागवत संबोधित करेंगे। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण 7 मार्च को विश्वभर में एक साथ 1 करोड़ 8 लाख श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक दादागुरु इकतीसा पाठ का ऐतिहासिक महासंकल्प है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान, विद्या भारती तथा अनेक सामाजिक-सांस्कृतिक संस्थाओं के प्रतिनिधि कार्यक्रम में सहभागी होंगे। कार्यक्रम गच्छाधिपति आचार्य मणिप्रभ सूरी की पावन निश्रा में सम्पन्न होगा। इस विराट महोत्सव के प्रेरणास्त्रोत पूज्य आचार्य जिनमनोज्ञ सागर है। चादर महोत्सव समिति के चेयरमैन महाराष्ट्र सरकार के मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा एवं संयोजक जीतो के पूर्व चेयरमैन तेजराज गोलेछा है। आयोजन में विभिन्न भारतीय परंपराओं के करीब 400 संतों की उपस्थिति होगी। करीब 20 हजार श्रद्धालुओं की तीन दिवसीय कार्यक्रम में मौजूदगी रहेगी।

नकबजनी की वारदात का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

- पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया गेहूं, पंखे और महत्वपूर्ण बैंक दस्तावेज बरामद कर वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक भी जब्त की
- गत 19 फरवरी को लक्ष्मीपुरा (गोरख्या) स्कूल में चोरों ने ताले तोड़कर चोरी की वारदात अंजाम दी थी

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा जिले की करेड़ा थाना पुलिस ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीपुरा (गोरख्या) में हुई नकबजनी की वारदात का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। करेड़ा थाना पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया गेहूं, पंखे और महत्वपूर्ण बैंक दस्तावेज बरामद कर वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

जानकारी के अनुसार गत 19 फरवरी को लक्ष्मीपुरा (गोरख्या) स्कूल के प्रधानाध्यापक लादूलाल भील ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात चोरों ने स्कूल के ताले तोड़कर मिड-डे मील का करीब 90 किलो गेहूं, चावल, बर्तन, गैस चूल्हा, खेलकूद का सामान, अक्षय पेटिका से नकदी और स्कूल की चेकबुक व पासबुक चोरी कर ली है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सहाड़ा) बुद्धराज खटीक व वृत्ताधिकारी (आसीन्द) ओमप्रकाश सैन के सुपरविजन में थानाधिकारी पूर्णमल मीणा के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।

टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों की सूचना के आधार पर संदिग्धों पर नजर रखी। पुलिस ने पूर्व में संपत्ति संबंधी अपराधों में लिप्त अपराधियों के मोबाइल रिकॉर्ड खंगाले। कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए पुलिस ने ठिकरिया खेड़ा निवासी पिंटू (26) पुत्र गोपाल बलाई और माधु (21) पुत्र हरदेव गुर्जर को हिरासत में लेकर पूछताछ की। कड़ाई से पूछताछ करने पर दोनों ने स्कूल में चोरी करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर 90 किलो गेहूं, दो पंखे, दो बैंक पासबुक और एक चेकबुक के साथ वारदात में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद की है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

कोटा : नहर में डूबे एक युवक का शव मिला

- दो दोस्त पानी में बह गये थे, एक को बचा लिया था

कोटा, (निसं)। उद्योग नगर थाना इलाके के डीसीएम क्षेत्र में नहर में नहाने गये दो दोस्त तेज बहाव में बह गये। मौके पर मौजूद लोगों ने एक को तो बचा लिया, लेकिन दूसरा पानी में डूब गया और तेज बहाव में बह गया। नहर में युवक के डूबने की सूचना पर पुलिस व नगर निगम की गौताखोर टीम मौके पर पहुंची और नहर में बह गये युवक के शव को बरामद कर नहर से बाहर निकालकर पुलिस को सौंप दिया।

उद्योग नगर थानाधिकारी जितेन्द्र सिंह ने बताया कि नहर में नहाते समय एक युवक के तेज बहाव में डूबने की सूचना मिली। सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मौके पर नगर निगम की गोताखोर टीम को बुलाकर पानी में बहे युवक की तलाश शुरू की और युवक का शव को बरामद कर नहर से बहार निकाला गया। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक युवक की पहचान हनुमंतखेड़ा निवासी पवन कुमार के रूप में हुई। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

छात्र की मौत को लेकर परिजनों ने धरना दिया

कोटा, (निसं)। कुन्हाड़ी थाना इलाके में करंट की चपेट में आने से बुधवार को एक छात्र की मौत हो गई। घटना को लेकर परिजनों व समाज के लोगों ने गुरूवार को इलाके में स्थित हॉस्टल के बाहर धरना देकर आक्रोश जताया।

जानकारी के अनुसार कुन्हाड़ी इलाके के लैंडमार्क सिटी में होली खेलने के दौरान एक हॉस्टल के बाहर लगे ट्रांसफार्मर के करंट की चपेट में आने से बीएसटीसी कर रहे छात्र धीरज मीणा की मौत हो गई थी। हादसे के बाद मृतक के परिजनों व समाज के लोगों ने दोषियो के विरूद्ध कार्यवाही की मांग को लेकर हॉस्टल के बाहर धरना देकर नारेबाजी की। समाज के लोगों की मांग थी कि मृतक छात्र धीरज के परिजनों को आर्थिक मुआवजा दिया जाये साथ ही घटना के पीछे जो भी दोषी है उसके खिलाफ कार्यवाही की जाये। लोगों ने हॉस्टल संचालक सहित केडीए को दोषी ठहराया। हॉस्टल के बाहर मृतक छात्र के परिजनों व समाज के लोगों द्वारा धरने की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों से समझाइश की।

कुन्हाड़ी थानाधिकारी कौशल्या ने बताया कि बूंदी के गोविंदपुरा बावड़ी निवासी धीरज मीणा जो दोस्तों के साथ होली खेलने के लिये कोटा के लैंडमार्क सिटी आया था। जहां होली खेलने के दौरान करंट की चपेट में आने से छात्र की मौत हो गई। थानाधिकारी ने बताया कि घटना को लेकर बुधवार को मृतक के परिजनों ने करंट की बात बताई थी। गुरूवार को मृतक के परिजनों के साथ कुछ लोगों ने घटना का जिम्मेदार हॉस्टल संचालक व केडीए को ठहराते हुए हॉस्टल के बाहर धरना दिया। थानाधिकारी ने बताया कि धरने की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे और लोगों से समझाइश की। मृतक के परिजनों ने रिपोर्ट दी है, परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है और मामले में जो भी दोषी पाया जायेगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। वहीं मृतक के परिजनों को मुआवजे पर परिजनो व केडीए प्रशासन के बीच शुक्रवार को वार्ता होगी, जिसके बाद धरने को समाप्त किया गया। मामले में जांच की जा रही हैं।

उदयपुर के मेनार में 451 साल पुरानी जीत की याद में बारूद की होली खेली

आधी रात परंपरा निभाने जुटे हजारों लोग, गर्जी तोपें, गोलियों की आवाज से सहमा इलाका

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर से 45 किलोमीटर दूर उदयपुर-चित्तौड़गढ़ नेशनल हाइवे पर स्थित मेनार गांव में करीब 451 साल पहले मुगल चौकी ध्वस्त करने की खुशी में मेनारिया ब्राह्मण समाज द्वारा बुधवार की रात को परम्परागतरूप में बारूद की होली खेली गई।

जानकारी के अनुसार इस अवसर पर आधी रात का सन्नाटा अचानक धमाकों से टूटता है। ढोल-नगाडों की थाप के बीच लाल पगड़ियां बांधे युवक तलवारें लहराते हुए चौक की ओर बढ़ते हैं। देखते ही देखते तोपें गरजने लगती हैं, बंदूकों की तडतडाहट आसमान चीर देती है और बारूद की गंध से पूरा गांव भर उठता है। यह किसी युद्ध का दृश्य नहीं, बल्कि मेवाड़ की शौर्य परंपरा का जश्न है जो हर साल होली के बाद मेनार गांव में दोहराया जाता है। हर साल होलिका दहन के 48 घंटे बाद यानि तीसरी रात (जमरा बीज) को यह आयोजन होता है।

बुधवार रात करीब दस बजे से गांव का माहौल बदलने लगा। पारंपरिक धोती-कुर्ता और कसुमल साफा पहने लोग घरों से निकले। हाथों में तलवारें और बंदूकें थीं। टुकड़ियां अलग-अलग रास्तों से ललकारते हुए ओंकारेश्वर चौक की ओर बढ़ी।

ढोल-दुंदुभियों की गूंज के बीच गांव के पांच प्रमुख रास्तों की प्रतीकात्मक मोर्चाबंदी की गई। मशालें लेकर पांच दल गांव में निकले और जब वे एक साथ चौक में लौटे तो वातावरण रोमांच से भर उठा। इसके बाद बारूद की होली की शुरुआत हुई। तोपों में बारूद भरकर धमाके किए गए, बंदूकों से हवाई फायर हुए और तलवारों के साथ प्रसिद्ध गैर नृत्य प्रस्तुत किया गया। हर धमाके के साथ भीड जयकारे लगाती रही। इस आयोजन में महिलाओं की भूमिका भी अहम रही। सिर पर मंगल कलश रखकर वे बोचरी माता की घाटी तक शोभायात्रा में शामिल हुईं। यहां ऐतिहासिक विजय की शौर्य गाथा पढ़ी गई और मुख्य होली को ठंडा करने की परंपरागत रस्म निभाई गई। इसके बाद महिलाएं वीर रस के गीत गाती हुई जुलूस के साथ ओंकारेश्वर चौक पहुंची जहां रात का सबसे रोमांचक चरण बारूद की होली शुरू हुआ।

लोक परंपरा के अनुसार मेवाड़ में महाराणा अमरसिंह के समय आसपास के क्षेत्रों में मुगल सेनाओं की कई चौकियां थी। मेनार गांव के पूर्वी छोर पर भी ऐसी ही एक मुगल छावनी स्थापित थी जिससे स्थानीय लोग परेशान थे। बताया जाता है कि जब वल्लभनगर क्षेत्र में मुगल चौकी पर विजय का समाचार मेनार पहुंचा तो गांव के लोगों ने ओंकारेश्वर चबूतरे पर सभा की और उसी जोश में मुगल चौकी पर धावा बोल दिया। संघर्ष के बाद चौकी ध्वस्त कर दी गई। उसी जीत की याद में यह परंपरा पीढियों से निभाई जा रही है। इस अनोखी परंपरा को देखने के लिए दूर-दराज से लोग मेनार पहुंचे। राजस्थान के कई शहरों के अलावा मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र से भी बड़ी संख्या में लोग आए। कई प्रवासी ग्रामीण भी विदेशों से गांव लौटे।

प्रतापगढ़ के दुधली टांडा गांव में महिलाओं और पुरुषों ने लट्ठमार होली खेली

प्रतापगढ़, (निसं)। जिले के धमोत्तर पंचायत समिति के दुधली टांडा गांव के श्री वीर तेजाजी महाराज मंदिर के पास गुरुवार को लट्ठमार होली नगाड़ों की थपथपाहट के साथ डीजे की धूम पर खेली गई। लट्ठमार होली का आयोजन जो कि लबाना बाहुल्य क्षेत्रों में सदियों से चलता आ रहा है। इस होली में महिलाओं द्वारा पुरूषों पर लट्ठ बरसाए गए। पुरूष सहजता के साथ लट्ठ की मार को सहन करते हुए बचाव किया।

समाजसेवी दशरथ लबाना ने बताया कि लट्ठमार होली से पहले शाम ढलने से पूर्व विधि विधान पूर्वक पूजा-ार्चना के साथ पुरूष व महिलाओं द्वारा ललेनो नृत्य नगाड़ों के थपथपाहाट से शुरू किया गया। उसके बाद में लट्ठमार होली खेली गई। नेजा लूटने के दौरान पुरूषों को घेर-घेर कर लाठियां बरसाई गई, जबकि पुरूष अपनी लाठियों के दम पर महिलाओं से लाठियों से बचने का जतन किया। लबाना बाहुल्य गांवों में लट्ठमार होली के मद्देनजर आस-पास के कई गांवों के समाजजन यहां भागीदारी करने पहुंचे।

दुधली टांडा गांव के नायक मांगीलाल लबाना ने बताया कि गांव के बुर्जुगों के अनुसार पुरूष प्रधान समाज में महिलाओं के समानता का दर्जा बना रहे, इसके लिए बुर्जगों ने इस प्रकार के कार्यक्रम रखे थे। पुराने समय में पुरूष प्रधान समाज में जहां महिलाओं की हर जगह उपेक्षा की जाती थी। इससे महिलाओं में पुरूष समाज के प्रति उत्पत्र कुंठा के भाव को दूर करने के लिए लट्ठमार होली का आयोजन किया। इसके माध्यम से महिलाओं की सालभर की कुंठाएं को होली के पावन पर्व में खत्म करने के उद्देश्य को लेकर भाभी, काकी, अन्य महिलाएं अपने देवर, नजदीकी रिश्तेदारी, अन्य जनों को भी मारेगी, महिलाएं भी अपने प्रतिशोध होली के माध्यम से मन में भेदभाव को मिटाया गया। इस दिन पुरूष खुशी-खुशी महिलाओं से मार खाकर उनकी सालभर की भरी कुंठाओं और गिले शिकवों को दूर किया। इस खेल को खेलने से पूर्व भगवान शिव व पार्वती के सुखमय जीवन के गीतों का गायन किया।

मांगीलाल लबाना ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य भगवान शिवशंकर के वरदान के कारण यह आयोजन लबाना समाज में खेला जाता है। चैर द्वारा बेल ले जाना व नायक की मृत्यु कर देने पर जब पार्वती व शिवशंकर भगवान विचरण कर रहे थे। उस समय नायक की पत्नी रो रही थी। उस समय पार्वती व शिवशंकर भगवान को नायक की पत्नी रोने पर दया आने पर उन्होंने कहा कि इसको दण्डी मारकर भगाने को लेकर नायक की पत्नी ओको शिवशंकर ने वरदान दिया था और उसके पति को जिवित कर देने को लेकर लट्ठमार होली का आयोजन चोर को भगाने को लेकर किया जा रहा है। इस पर्व को स्थानीय भाषा में नेजा लुटना भी कहा जाता है। हजारों की संख्या में आसपास के ग्रामीणजन देखने को पहुंचे।

होली में महिलाओं ने पुरूषों पर लट्ठ बरसाये तो पुरूषों ने सहजता के साथ बचाव किया।

- होली में महिलाओं द्वारा पुरूषों पर लट्ठ बरसाए गए, पुरुष सहजता के साथ लट्ठ की मार को सहन करते हुए बचाव किया

खेल जगत

टी-20 विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान क्रिकेट में सरफराज अहमद को टेस्ट टीम का कोच बनाए जाने को लेकर बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। जिससे पाकिस्तान क्रिकेट में उथल-पुथल का दौर जारी है। - शाहिद आफरीदी

पूर्व पाक खिलाड़ी, सरफराज अहमद को कप्तान बनाये जाने को लेकर विरोध जताते हुए।

आज का खिलाड़ी

डैरेन सैमी

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रही जंग के कारण क्रिकेट टीमों के लिए घर जा पाना मुश्किल हो रहा है। मिडल-ईस्ट में खराब हालातों के कारण से वेस्टइंडीज की टीम भारत में ठहरने को मजबूर है और कोच डैरेन सैमी ने सोशल मीडिया पर एक भावुक संदेश शेयर किया कि वो और उनकी टीम घर लौटने की अनुमति मिलने का इंतजार कर रही है। सैमी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि वो सिर्फ घर जाना चाहते हैं।वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के हेड कोच डैरेन सैमी ने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट करके लिखा कि, मैं बस घर जाना चाहता हूं।

क्या आप जानते हैं ?... अक्टूबर 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ भारत ने 20 ओवर में 297/6 रन बनाकर टी-20 इतिहास का सर्वोच्च स्कोर बनाया।

ICC MEN'S T20 WORLD CUP

फाइनल 8 को

भारत व न्यूजीलैंड के बीच शाम 7 बजे

भारत चौथी बार टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में, इंग्लैंड को 7 रन से हराया

सैमसन ने 89 रन बनाए, बेथेल का शतक बेकार

मुंबई, 5 मार्च। भारत ने चौथी बार टी-20 वर्ल्डकप के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। टीम ने गुरुवार को दूसरे सेमीफाइनल मैच में इंग्लैंड को 7 रन से हराया। टीम 2007, 2014, 2024 में भी फाइनल तक पहुंच चुकी है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। टीम इंडिया ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 253 रन बनाए। 254 रन चेज कर रही इंग्लैंड की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 246 रन ही बना सकी। जैकब बेथेल ने 48 बॉल पर 105 रन की पारी खेली। लेकिन, अपनी टीम को फाइनल में नहीं पहुंचा सके।

भारतीय टीम की ओर से संजू सैमसन ने 89 रन की पारी खेली। जबकि शिवम दुबे ने 43 रन बनाए। ईशान किशन ने 39, हार्दिक पंड्या ने 27 और तिलक वर्मा ने 21 रन का योगदान दिया। इंग्लैंड से विल जैक्स और आदिल रशीद ने 2-2 विकेट झटके। एक विकेट जोफ्रा आर्चर को मिला। 2 बैटर्स रनआउट हुए।

भारत ने टी-20 वर्ल्डकप में अपना दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बना लिया। टीम इंडिया का सबसे बड़ा स्कोर रिकॉर्ड 256 रन है। जोकि टीम ने इस वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर-8 मैच में बनाया था। ओवरऑल टी-20 वर्ल्ड कप में यह चौथा सबसे बड़ा स्कोर रहा। श्रीलंका के नाम टी-20 वर्ल्ड कप में हाईएस्ट टोटल का रिकॉर्ड हैं, टीम ने केन्या के खिलाफ 2007 में 260 रन बनाए थे।

संजू सैमसन और ईशान किशन ने तोड़ा 19 साल पुराना रिकॉर्ड

मुंबई, 5 मार्च। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल मैच भारत और इंग्लैंड के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जा रहा है। जहां संजू सैमसन और ईशान किशन ने एक 19 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया है। भारत और इंग्लैंड का सेमीफाइनल मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मुकाबले में सैमसन और ईशान के बीच 97 रनों की पार्टनरशिप हुई जो टी20 वर्ल्ड कप के नॉकआउट मैच में भारत के लिए सबसे बड़ी पार्टनरशिप है। उन्होंने युवराज सिंह और रॉबिन उथप्पा का रिकॉर्ड तोड़ा है।युवराज सिंह और रॉबिन उथप्पा ने 2007 टी20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 84 रनों की साझेदारी की थी। युवराज और उथप्पा ने महज 39 गेंदों में 84 रन जोड़ दिए थे। ये अब तक टी20 वर्ल्ड कप किसी नॉकआउट मैच में भारत के लिए सबसे बड़ी पार्टनरशिप थी। अब 19 साल बाद संजू सैमसन और ईशान किशन ने 97 रनों की साझेदारी कर इस रिकॉर्ड को तोड दिया है। सैमसन और किशन ने 45 गेंदों में 97 रनों की पार्टनरशिप की। ईशान 18 गेंद में 39 रन बनाकर आउट हो गए, जबकि सैमसन ने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में 26 गेंदों में फिफ्टी पूरी कर ली थी।

जिला एथलेटिक संघ द्वारा 400 मीटर दौड़ का आयोजन 7 को

जयपुर, 5 मार्च। जयपुर जिला एथलेटिक संघ के द्वारा 400 मी दौड़ का आयोजन 7 तारीख को सुबह 7:30 बजे सवाई मानसिंह स्टेडियम में किया जाएगा। प्रतियोगिता पुरुष/महिलाओं और 20 साल के लड़के और लड़कियों के ग्रुप में होगी। इच्छुक प्रतियोगी अशोक धाकड़ को अपने नाम लिखा देवें। चयनित खिलाड़ी टॉक में होने वाली राज्य प्रतियोगिता में भाग लेंगे ।

जिम्बाब्वे टीम का पहला बैच हरारे के लिए रवाना

नई दिल्ली, 5 मार्च। जिम्बाब्वे टीम का पहला बैच बुधवार को अपने घर हरारे के लिए रवाना हो गया है। जिम्बाब्वे की टीम को दो मार्च को स्वदेश रवाना होना था, लेकिन एक मार्च को दिल्ली में साउथ अफ्रीका से पांच विकेट से हारने के बाद उसकी टीम यहीं फंस गई थी। इसके बाद ने जिम्बाब्वे टीम की वापसी के लिए वैकल्पिक यात्रा व्यवस्था की। दरअसल, ईरान और इजरायल के बीच जारी तनाव के कारण वेस्ट एशिया का एयरस्पेस बंद है। जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों को इसी रूट से अपने देश लौटना था। फिलहाल वेस्टइंडीज की टीम अभी भी भारत में ही है। ट्रैवल रूट बदला गया जिम्बाब्वे क्रिकेट ने बुधवार को ऑफिशियल स्टेटमेंट रिलीज कर इस बात की जानकारी दी। बोर्ड ने ट्वीट कर बताया, खिलाड़ियों का पहला बैच बुधवार को भारत से रवाना हो गया, जबकि बाकी खिलाड़ी शुक्रवार दोपहर को रवाना होंगे।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान पाक खिलाड़ी ने की महिला स्टाफ के साथ गलत हरकत

नई दिल्ली, 5 मार्च। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान क्रिकेट टीम का बेहद निराशाजनक प्रदर्शन रहा, जिसके कारण खिलाड़ियों को काफी आलोचना का सामना करना पड़ा रहा है। वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने खिलाड़ियों के खिलाफ एक्शन लेते हुए 50-50 लाख पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना भी लगाया। अब इन सब के बीच एक चौंकाने वाली खबर ये कि, पाकिस्तान टीम ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे जहां होटल में एक ऐसी घटना हुई जिससे पाकिस्तान टीम के मैनेजर नवीद चीमा को सख्त एक्शन लेने की जरूरत पड़ गई है।

श्रीलंका में होटल स्टाफ के साथ पाकिस्तान के एक खिलाड़ी पर कथित तौर पर बुरे व्यवहार का आरोप लग है, जिसके बाद इस खिलाड़ी पर जुर्माना भी लगाया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये घटना श्रीलंका के कैंडी स्थित गोल्डन क्राउन होटल में हुई, जहां पाकिस्तान टीम टी20 वर्ल्ड कप के लिए ठहरी हुई थी।

आरोप के अनुसार, पाकिस्तानी टीम के एक खिलाड़ी ने महिला हाउसकीपिंग स्टाफ के साथ खराब व्यवहार किया जिसके बाद होटल के अधिकारियों ने इसकी शिकायत पाकिस्तानी टीम के मैनेजर नवीद चीमा से की। इस मामले के बाद नवीद चीमा ने खिलाड़ी पर जुर्माना लगाया और होटल मैनेजमेंट से माफी भी मांगी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मैनेजर नवीद चीमा की ओऱ से इस मामले को जल्दी निपटाया गया था लेकिन अब उस खिलाड़ी को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की डिसिप्लिनरी कमिटी के सामने पेश होने की संभावना है जहां आगे की कार्रवाई हो सकती है।

फीफा विश्व कप में बड़ा उलटफेर संभव, ईरान की जगह ले सकता है इराक या यूएई?

नई दिल्ली, 5 मार्च। विश्व कप के सह मेजबान अमेरिका की पहल पर मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के बढ़ने के कारण तीन महीने बाद होने वाली फुटबॉल की सबसे बड़ी प्रतियोगिता में ईरान का भाग लेना संदिग्ध है और ऐसी स्थिति में उसकी जगह इराक या यूएई को दी जा सकती है। ईरान को विश्व कप के ग्रुप चरण के अपने तीनों मैच अमेरिका में खेलने हैं। उसे ग्रुप जी में रखा गया है और उसे इंग्लेवुड, कैलिफोर्निया में 15 जून को न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ मैच खेलने हैं। इसके बाद वह 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ पहले दौर का अपना अंतिम मैच खेलेगा। अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद ईरान ने भी जवाबी हमले किए। उसने 2022 विश्व कप के मेजबान कतर और सऊदी अरब सहित अमेरिका के सहयोगियों पर मिसाइलें दागीं। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने सऊदी अरब को विश्व कप 2034 के लिए मेजबान चुना है। एशियाई फुटबॉल महासंघ के उपाध्यक्ष और ईरान के शीर्ष फुटबॉल अधिकारी मेहदी ताज ने कहा, ''निश्चित रूप से इस हमले के बाद हम विश्व कप में भाग लेने को लेकर उम्मीद की दृष्टि से नहीं देख सकते।'' अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान 11 जून से शुरू होने वाले विश्व कप के लिए अपनी टीम भेजेगा या नहीं या अमेरिका की सरकार उसकी टीम को अपने यहां आने से रोकेगी या नहीं।

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय

क्रमांक :- प.6 (र) (01) एचजेयू/परीक्षा/दीक्षांत समारोह/2026/3706 दिनांक :- 27/02/2026

तृतीय दीक्षांत समारोह अद्यतन सूचना

अत्यन्त हर्ष के साथ यह सूचित किया जाता है कि माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति की अध्यक्षता में हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर का तृतीय दीक्षांत समारोह दिनांक 25.03.2026 (बुधवार) को आयोजित किया जा रहा है। इस संबंध में आगामी समस्त प्रकार की सूचनाओं के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.hju.ac.in का अवलोकन करें।

राज.संवाद/सी/25/21746 कुलसचिव

कृषि महाविद्यालय, खेमरी, बसेडी, धौलपुर

(श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर)

क्रमांक :- प.( )/कृमब/2026/1718 दिनांक :- 27/02/2026

ई-बिड सूचना

कृषि महाविद्यालय, बसेड़ी में विभिन्न श्रेणी के मृदा भराई और भूमि समतलीकरण हेतु ई-बिड प्रपत्र वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है एवं sppp.rajasthan.gov.in and www.sknau.ac.in पर देखा जा सकता है। पूर्ण रूप से भरी हुई निविदाएं दिनांक 11.03.2026 समय सायं 05:00 बजे तक Upload करवाई जा सकती है प्राप्त निविदाएं दिनांक 12.03.2026 को दोपहर 03.00 बजे टैण्डर समिति द्वारा खोली जावेगी।

UBN : SKN2526WSOB00524

NIB CODE - SKN2526A0487

राज.संवाद/सी/25/21722 अधिष्ठाता

ADPC, Karauli(Rajasthan)

Add. keshavpura puliya mandrayal road karauli, E-Mail: adpcsamsakarauli@gmail.com

No. (Ref. No.) 1892 Date: 27/2/26

NOTICE INVITING e-BID (NIB: 25/2025-26)

Request for proposal invited for Supply, Installation, Testing, Commissioning of Digital Library in 12 Govt. Schools from 27.02.2026 to 06:00 PM of dated 09.03.2026. Other details may be seen in the Bidding Document at State Public Procurement Portal website www.sppp.rajasthan.gov.in and e-procportal.

Estimated cost:79.56 Lacs

UBN NO. RSE2526GLRC0750

DIPR/C/4656/2026

Additional District Project Coordinator Karauli (Rajasthan)

कार्यालय नगर निगम, पाली (राज.)

(लालबहादुर शास्त्री टाऊन हॉल, सुरजपोल के पास, पाली, पिनकोड-306401)

टेलीफोन :- 02932-250033, ई-मेल :- cmcpali@yahoo.co.in

क्रमांक :- प. 15/विद्युत/2026/760 दिनांक :- 27/02/2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

नगर निगम पाली में विद्युत एवं भण्डार के कार्यो हेतु ई-निविदा आमंत्रित की गई है। निविदा सम्बन्धी जानकारी व अन्य शर्ते निगम कार्यालय एवं एवं वेबपार्टल http://eproc.rajasthan.gov.in पोर्टल व http://sppp.rajasthan.gov.in के UBN नं . DLB2526GSOB36595, DLB2526GSOB36596, DLB2526GSOB36604, DLB2526SSOB36591, DLB2526SSOB36592, DLB2526SSOB36599, DLB2526SSOB36602, DLB2526SSRC36589 के जरीये देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/21736 आयुक्त नगर निगम पाली

कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा जिला-राजसमन्द (राज0)

Email: np_ntd@yahoo.co.in, nagarpalikanathdwara@gmail.com Ph. 02953-233526

क्रमांक : न.पा.नाथ./स्टोर/निविदा/26/18518 दिनांक : 27.02.2026

अभिव्यक्ति की अभिरूची (EOI)

सर्वसाधारण एवं इच्छुक इवेन्ट मेनेजमेन्ट कम्पनी/सुयोग्य फर्मो/इवेन्ट कम्पनी/लोक-कला मण्डलों को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका नाथद्वारा द्वारा गणगौर मेला-2026 दिनांक 21.03.2026 से दिनांक 23.03.2026 तक आयोजित किया जाएगा। उक्त मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम को आकर्षक बनाने हेतु विशाल गणगौर मेला 2026 में आयोजित किये जाने वाले निम्न कार्यक्रमों हेतु सुयोग्य फर्मो/इवेन्ट कम्पनी/लोक-कला मण्डलों इत्यादि से प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते हैं:-

1. अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन।
2. भारत वर्ष में ख्यातनाम बॉलीवुड गायक मय दल/आर्केस्टा मय एक प्रसिद्ध नृत्यकार कार्यक्रम।
3. भजन संध्या कार्यक्रम।

उक्तानुसार प्रस्ताव नगरपालिका नाथद्वारा जिला-राजसमन्द (राज0) कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से दिनांक 04.03.2026 से दिनांक 11.03.2026 सायं 6:00 बजे तक प्राप्त किए जायेंगे तथा प्राप्त प्रस्तावों पर छंटनी उपरान्त योग्य प्रस्तावों पर दिनांक 13.03.2026 को विचार जायेगा।

अतः प्रस्ताव अपने प्रस्तावों के साथ अनुभव प्रमाण पत्र एवं पूर्व में धार्मिक स्थलों/मेला/उत्सवों इत्यादी में प्रस्तुत किए रंगा-रंग कार्यक्रमों की विडियों/डीवीडी/फोटो एलबम/प्रमाण-पत्र आदि सामग्री दस्तावेजों सहित निर्धारित स्थल एवं समय पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होवें। उक्त विज्ञप्ति एवं शर्तें राजकीय पोर्टल वेबसाईट www.spppp.rajasthan.nic.in के NIB code -DLB2526B2353 UBN- DLB2526SLOB36706 पर देखी जा सकती है।

शर्तें :-

1. इवेन्ट कम्पनी/कलाकार/फर्म आदि जिस नाम से प्रस्ताव प्रस्तुत करेगी, उसी नाम से भुगतान आरटीजीएस/एनईएफटी/ऑनलाईन द्वारा कार्यक्रम समापन उपरान्त सीधे बैंक खाते में किया जाएगा, अतः तदानुसार प्रस्ताव बैंक खाता संख्या, शाखा IFSC Code विवरण प्रस्तुत करें।
2. इवेन्ट कम्पनी/फर्म/कलाकार द्वारा प्रस्तुत दर/राशि में सभी प्रकार के चार्जेज व कर (GST) सम्मिलित करने होंगे। नगरपालिका नाथद्वारा द्वारा किसी प्रकार के अतिरिक्त कर/शुल्क/परिवहन शुल्क/आने-जाने, ठहरने, खाने-पीने इत्यादि का भुगतान नहीं किया जाएगा, इसलिए समस्त व्यय/करों को जोड़कर प्रस्ताव प्रस्तुत करें।
3. फर्म को सम्बधित साज एवं संगीत वाद्ययंत्र स्वयं को लाने होंगे। नगरपालिका द्वारा केवल साउण्ड की व्यवस्था की जावेगी।
4. स्वीकृत दर/राशि में से नगरपालिका द्वारा नियमानुसार आयकर तथा अन्य कर सीधे कटौती कर जमा करवाया जायेगा तथा अन्य सभी दरों की जिम्मेदारी स्वयं इवेन्ट कम्पनी/फर्म/कलाकार की होगी।
5. प्रस्ताव के साथ पेन कार्ड की स्वयं प्रमाणित छाया प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
6. किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास सुरक्षित होगा, कोई अग्रिम भुगतान नहीं किया जायेगा।
7. उपरोक्त कार्यक्रम की दिनांक सांकेतिक हैं वास्तविक कार्यक्रम दिनांक हेतु कार्यादेश के समय पृथक से सूचित किया जावेगा।
8. कमेटी द्वारा कार्य के गुणवत्तापूर्ण होने की रिपोर्ट पश्चात् ही भुगतान किया जायेगा एवं गुणवत्ता में कमी होने पर भुगतान काटा जा सकेगा।

Raj.Samwad/C/25/21733 आयुक्त

सबा क्लब ने पी एंड टी क्रिकेट क्लब को हराया

भैरा राम के शतक पर पानी फिरा

जयपुर, 5 मार्च। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा वन रियलिटी द्वारा प्रायोजित के एल सैनी स्मृति ए डिवीजन लीग में आज खेले गए मैच में सबा क्लब ने पी एंड टी क्रिकेट क्लब (इंडिया पोस्ट) को 2 विकेट से हराया। पी एंड टी क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आदर्श शर्मा के 98 रन, नरेश गहलोत के 21 रन, विनीत सक्सेना के 53 रन, अजीम अख्तर के 36 रन, भैराराम के नाबाद 103 रन (58 गेंद,4 चौके व 9 छक्के) की पारी से 50 ओवर में 7 विकेट पर 366 रनो का स्कोर बनाया। सबा क्लब के लिए दक्ष जैन ने 55 पर 2, सुमित भगेरिया, गौरव सालवी, ऋषभ सांखला व मिहित अग्रवाल ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी मे सबा क्लब ने लक्ष्य का पीछा करते हुए सौरभ राजपूत के 42 रन, मोहित भागतानी के 76 रन, लोकेश सैनी के 66 रन, ऋषभ सांखला के 74 रन, तुषार चौधरी के 49 रन, लखन कड़वासरा के 23 रनो की उम्दा पारियों से 49.4 ओवर में 8 विकेट पर 372 रन रन बनकर रोमांचक जीत दर्ज की। पी एंड टी क्रिकेट क्लब के लिए रवि शर्मा ने 62 पर 3, अमित शर्मा ने 59 पर 2, चंद्रपाल सिंह ने 86 पर 2 ब प्रदीप जाखड़ ने 77 पर एक विकेट लिया।

अर्जुन ने मुंबई में सानिया के साथ सात फेरे लिये

मुंबई, 5 मार्च। सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर ने मुंबई में सानिया चंडोक के साथ सात फेरे लिए। शादी समारोह मे खेल, राजनीति और बॉलीवुड जगत की बड़ी हस्तियों ने शिरकत की। पिछले साल अर्जुन तेंदुलकर की अगस्त 2025 में सानिया के साथ निजी समारोह मे सगाई की थी। शादी की तैयारियां पिछले कुछ दिनों से जोर-शोर से चल रही थीं। साउथ मुंबई के एक लग्जरी होटल में आयोजित इस विवाह समारोह में भारतीय क्रिकेट के कई बड़े नाम शामिल हुए। पूर्व भातीय कप्तान एमएस धोनी अपनी पत्नी साक्षी के साथ स्टाइलिश अंदाज में दिखे। जबकि भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर भी अपनी पत्नी के साथ समारोह में शामिल हुए। इसके अलावा राहुल द्रविड़, हरभजन सिंह, युवराज सिंह, इरफान पठान, जहीर खान जैसे कई पूर्व क्रिकेटर और उनके परिवार भी पहुंचे।

जयपुर में 7-8 को 100 किमी. नेशनल वन स्टार एंड्योरेंस चैम्पियनशिप

जयपुर, 5 मार्च। लगभग एक दशक बाद नेशनल वन स्टार एंड्योरेंस चैंपियनशिप 2025-26 का आयोजन 7-8 मार्च 2026 को जयपुर में किया जाएगा। प्रतियोगिता बेगास रोड, सांझरिया स्थित रॉयल इक्वेस्ट्रियन क्लब परिसर में होगी। यह आयोजन भारतीय अश्वारोहण महासंघ के तत्वावधान और राजस्थान अश्वारोहण संघ के सहयोग से संपन्न होगा। क्लब निदेशक कैप्टन मुकेश सिंह शक्तावत ने बताया कि प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय नियमों और तकनीकी मानकों के अनुरूप आयोजित की जाएगी, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से चयनित घुड़सवार भाग लेंगे। चैंपियनशिप का शुभारंभ 7 मार्च को प्रातः 5 बजे फ्लैग-ऑफ के साथ होगा, जबकि समापन 8 मार्च की सायंकाल पुरस्कार वितरण समारोह के साथ किया जाएगा। 100 किमी वन स्टार एंड्योरेंस घुड़सवारी खेल की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता है, जिसमें राइडर और घोड़ा निर्धारित समय सीमा में 100 किलोमीटर दूरी तय करते हैं। इस दूरी को चार चरणों 30, 30, 20 और 20 किलोमीटर में विभाजित किया जाता है। प्रत्येक चरण के बाद वेटरनरी जांच में घोड़े की हार्ट रेट, सांस, चाल, डिहाइड्रेशन और मांसपेशियों की स्थिति का परीक्षण किया जाता है। घोड़े की फिटनेस अनिवार्य होने के कारण यह खेल सुरक्षा पहले के सिद्धांत पर आधारित है। यह आधिकारिक राष्ट्रीय चैंपियनशिप है, जिसके आधार पर खिलाड़ियों की राष्ट्रीय रैंकिंग बनती है और सफल प्रतिभागियों के लिए आगे अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के अवसर खुलते हैं। जयपुर में इतने वर्षों बाद इस स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन राजस्थान के अश्वारोहण खेल के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

आज से शुरू होगा स्पोर्ट्स कार्निवल 2026

जयपुर, 5 मार्च। जयपुर रीजनल चैप्टर द्वारा आयोजित फ्लैगशिप स्पोर्टिंग इवेंट 'स्पोर्ट्स कार्निवल 2026' का सातवां एडिशन 6 से 8 मार्च तक सवाई मान सिंह स्टेडियम में के तत्वाधान में आयोजित किया जाएगा। तीन दिवसीय इस आयोजन में शहर के डिज़ाइनर्स और आर्किटेक्ट्स खेल प्रतियोगिताओं के साथ आपसी मेलजोल और नेटवर्किंग का अवसर प्राप्त करेंगे। चैप्टर चेयरमैन, क्षितिज मनु ने बताया कि यह आयोजन अब डिज़ाइन फ्रेटरनिटी का एक महत्वपूर्ण वार्षिक कार्यक्रम बन चुका है, जो प्रोफेशनल जीवन के साथ-साथ फिटनेस, टीम भावना और आपसी जुड़ाव को भी बढ़ावा देता है। कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के यूथ अफेयर्स एंड स्पोर्ट्स विभाग के सचिव आईएएस, डॉ. नीरज कुमार पवन मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

इब्राहिम जादरान अफगानिस्तान के नए टी-20 कप्तान

नई दिल्ली, 5 मार्च। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इब्राहिम जादरान को टी-20 इंटरनेशनल टीम का नया कप्तान नियुक्त किया है। जादरान स्टार स्पिनर राशिद खान की जगह ली है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने श्रीलंका के खिलाफ आगामी टी-20 और वनडे सीरीज के लिए गुरुवार को अपनी टीमें घोषित कर दीं। बोर्ड के मुताबिक, जादरान अब टी-20 फॉर्मेट में टीम की अगुआई करेंगे और उनकी कप्तानी का पहला असाइनमेंट श्रीलंका के खिलाफ सीरीज होगी।

राशिद खान लंबे समय से अफगानिस्तान की टी-20 टीम की कप्तानी कर रहे थे, लेकिन हाल ही में हुए टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम के प्रदर्शन के बाद कप्तानी में बदलाव किया गया है। जादरान हाल के सालों में अफगानिस्तान के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में रहे हैं और पहले टीम के उपकप्तान भी रह चुके हैं।

13 मार्च को होने वाले पहले मैच से टी-20 मुकाबले से सीरीज की शुरुआत हो होगी। सीरीज का दूसरा और तीसरा टी-20 मैच15 और 17 मार्च को खेले जाएंगे। टी-20 सीरीज के तीनों मैच शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसके बाद 20 मार्च को होने वाले मुकाबले से वनडे सीरीज की शुरुआत होगी।

अफगानिस्तान की टी-20 और वनडे टीम टी-20 टीम: इब्राहिम जादरान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), नूर रहमान (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, शाहिदुल्लाह कमाल, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, शराफुद्दीन अशरफ, राशिद खान, नूर अहमद, मुजीब उर रहमान, जिया उर रहमान, फरीद अहमद मलिक और अब्दुल्ला अहमदजई। रिजर्व: नांग्याल खारोटी, बिलाल सामी और इजाज अहमदजई।

वनडे टीम: हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमत शाह (उपकप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इकराम अलीखिल, इब्राहिम जादरान, सेदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, राशिद खान, नांग्याल खरोटी, गजनफर, जिया उर रहमान शरीफी, फरीद अहमद मलिक और बिलाल समी। रिजर्व: कैस अहमद, मोहम्मद सलीम सफी और बशीर अहमद।

राजस्थान ने पॉडिन्चेरी को हराया

जयपुर, 5 मार्च। झझर में आज खेले गए राजस्थान - पॉन्डिचेरी अंडर 23 वीमेन ट्रॉफी मैच को राजस्थान ने 8 विकेट से जीता, राजस्थान की जीत में चंद्रज्योतसना का अर्धशतक, मैना सियोल, शानू, अर्चना योगी, अनाया गर्ग का शानदार प्रदर्शन। पॉन्डिचेरी पारी 140 आल आउटाटीम के लिए कविशा26, ऋषिका 24 व अर्थिका23 रन।आरसीए की गेंदबाज मैना सियोल 23 / 3, अर्चना योगी 20 / 2, शानू 21 / 2 व सीधी शर्मा, कंचन हुड्डा 1- 1 विकेट। आरसीए पारी 141 / 2, टीम के लिए चंद्रज्योत्सना भाटी 58, अनाया गर्ग नाबाद 33, डिंपल कँवर नाबाद 18 व तनिका शर्मा 16 रन। पॉन्डिचेरी की गेंदबाज ऋषिका, पूजा 1 - 1 विकेट। जयपुर में खेले गए मैच : - आरसीए अकादमी छत्तीसगढ़ - बिहार। छत्तीसगढ़ पारी 359/4, बिहार135 आल आउट। **अनंत ग्राउंड :** जम्मू एंड कश्मीर-मध्य प्रदेश। जम्मू एंड कश्मीर पारी 130 आल आउट, मध्य प्रदेश पारी 131/4, जैपुरिया ग्राउंड कर्णाटक- बड़ोदा। कर्णाटक पारी 232/8, बड़ोदा पारी 153 आल आउट।

टीम आरपीसी ने कानोता पोलो को हराकर जीता मैच

एसएमएस गोल्डवास कप टूर्नामेंट

जयपुर, 5 मार्च। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत गुरुवार को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर एसएमएस गोल्ड वास (आउट ऑफ हैट) कप टूर्नामेंट का दूसरा मुकाबला हुआ। यह रोमांचक मैच आरपीसी और कानोता पोलो के बीच खेला गया। इस मुकाबले में टीम आरपीसी से कानोता पोलो को 5-4.5 के स्कोर से शिकस्त देकर सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली।इस मैच में विजेता टीम आरपीसी से हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने 3 गोल और तरुण बिलवाल ने 2 गोल बनाए।

टीम से विग्रहराज सिंह चौहान और नरेंद्र सिंह भी खेले। वहीं, दूसरी ओर टीम कानोता से एलन शॉन माइकल ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए टीम के लिए 4 गोल हासिल किए। यहां टीम को आधे गोल का एडवांटेज भी मिला। टीम से खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों में लक्ष्यराज सिंह, विक्रमादित्य सिंह बरकाना और प्रताप सिंह कानोता शामिल रहे।

सेमीफाइनल कल: अब कल 6 मार्च को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर शाम 5 बजे सेमीफाइनल मुकाबला खेला जाएगा। यह टक्कर कृष्णा पोलो और कानोता पोलो के बीच होगी। टीम कृष्णा पोलो से यशोवर्धन सिंह गुलर, आरके सिद्धांत सिंह, विशाल सिंह राठौड़ और अश्विनी शर्मा खेलेंगे। वहीं, टीम कानोता पोलो से लक्ष्यराज सिंह, विक्रमादित्य सिंह बरकाना, प्रताप सिंह कानोता और एलन शॉन माइकल खेलेंगे। इस टूर्नामेंट का फाइनल रविवार, 8 मार्च को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड में होगा।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड भीनमाल जिला जालोर

क्रमांक :- अ.अ./भी. / जलपरिवहन / निविदा/2025-26/2766-77 दिनांकः 26-02-2026

बिड आमंत्रण सूचना (NIB) संख्या 48-50/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड भीनमाल में निम्नलिखित कार्यों के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत जो उपयुक्त पात्रता रखते है, संवेदको से ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किये जा सकते है। निविदा का विस्तृत विवरण एवं पात्रता की शर्ते वेबसाईट www.dipronline.org, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा ऑनलाईन इलेक्ट्रोनिक फॉरमेट http://eproc.rajasthan.gov.in में प्रस्तुत की जानी है।

क्र. सं.	विवरण	अनु. लागत (लाखों में)	धरोहर राशी 2%	निविदा शुल्क	प्रोसेसिंग शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि	SPPP UBN No.
48/ 2025-26	खण्ड भीनमाल के अन्तर्गत उपखण्ड रानीवाडा में समस्याग्रस्त गाँवों के लिए जल परिवहन का कार्य	41.90	83800/-	500/-	500/-	वार्षिक	PHE2526 WSRC14997
49/ 2025-26	खण्ड भीनमाल के अन्तर्गत उपखण्ड जसवंतपुरा में समस्याग्रस्त गाँवों के लिए जल परिवहन का कार्य	33.40	66800/-	500/-	500/-	वार्षिक	PHE2526 WSRC14998
50/ 2025-26	खण्ड भीनमाल के अन्तर्गत उपखण्ड भीनमाल ग्रामीण में समस्याग्रस्त गाँवों के लिए जल परिवहन का कार्य	52.50	105000/-	1500/-	1500/-	वार्षिक	PHE2526 WSRC14999

निविदादाता को आईटी एक्ट 2000 के तहत डिजिटल सिगनेचर सर्टिफिकेट प्राप्त कर डिजिटल हस्ताक्षर युक्त निविदा प्रस्तुत करनी होगी। इसके अभाव में निविदा मान्य नहीं होगी।

पानी बचाओं-जीवन बचाओं

निविदा प्रपत्र उपलब्ध होने की तिथि	27.02.2026
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय	09.03.2026 मध्यान्ह पश्चात् 2.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय	09.03.2026 मध्यान्ह पश्चात् 2.00 बजे तक
प्री-क्वालिफिकेशन बीड खोलने की तिथि एवं समय	09.03.2026 मध्यान्ह पश्चात् 3.30 बजे

DIPR/C/4662/2026

(प्रशान्त कुमार)
अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड भीनमाल

मुख्यमंत्री ने टीकाराम जूली के गांव पहुंच कर शोक जताया

उन्होंने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की स्व. माताजी के चित्र को पुष्प अर्पित किए

कोटपूतली-बहरोड़/जयपुर, 5 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को कोटपूतली-बहरोड़ की माढ़ण तहसील के ग्राम काठूवास पहुंचकर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की माताजी के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने स्व. चलती देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना दी और दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिजनों को यह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

इस अवसर पर केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव, राजस्व राज्य मंत्री विजय सिंह, सांसद व प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और विधायक देवी सिंह शेखावत सहित, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को कोटपूतली-बहरोड़ के ग्राम काठूवास में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की माताजी के निधन पर शोक व्यक्त किया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव, राजस्व राज्य मंत्री विजय सिंह, सांसद व प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ मौजूद थे।

'खामनेई का उत्तराधिकारी भी मारा जाएगा'

तेहरान/वाशिंगटन/तेल अवीव, 05 मार्च। ईरान पर अमेरिका-इजराइल के संयुक्त सैन्य अभियान के तहत किए गए आक्रमण में अब तक मिली सफलता की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तारीफ की है। उन्होंने कहा कि अब ईरान के अगले नेता की भी मौत हो सकती है। इस बीच इजराइल ने ईरान के एक बड़े नौसेना के ठिकाने पर विस्फोट किया है। ईरान ने अमेरिका को धमकी दी है कि श्रीलंका में युद्धपोत पर किए

- **अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर हमले की कार्यवाही पर खुशी जताते हुए कहा**

गए हमले का माकूल जवाब दिया जाएगा। इस बीच, ईरान के बंदर अब्बास में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) नेवल बेस के पास जोरदार धमाके हुए हैं।

ईरान इंटरनेशनल समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इशारा किया कि ईरान के साथ लड़ाई बढ़ने पर अली खामेनेई के होने वाले वारिस मारे जाएंगे। उधर, इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि उसने ईरान में एक महत्वपूर्ण मिलिट्री कंपाउंड के खिलाफ एक बड़ा ऑपरेशन पूरा किया है। आईडीएफ ने इस कंपाउंड में स्थित ईरान की सैन्य सुरक्षा के कई महत्वपूर्ण मुख्यालयों को नुकसान पहुंचाया।

स्व. अजित पवार के बेटे पार्थ राज्यसभा जाएंगे

राज्यसभा में पवार परिवार के सदस्यों की संख्या में वृद्धि होने की पूरी संभावना है

- **पार्थ की मां और स्व. अजित की पत्नी सुनेत्रा ने अभी तक राज्यसभा सदस्यता नहीं छोड़ी है और अजित के चाचा शरद पवार एक बार फिर एमवीए के टिकट पर राज्यसभा जाने की तैयारी में हैं।**
- **लोकसभा में शरद पवार की पुत्री सुप्रिया सुले पहले से ही मौजूद हैं, इस प्रकार पवार परिवार एक मात्र ऐसा खानदान है जिसके दो से तीन सदस्य संसद में देखे जाएंगे।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 मार्च। इस बार महाराष्ट्र से पवार परिवार के दो सदस्य राज्यसभा सांसद बनने वाले हैं। वे अलग-अलग पार्टियों, अलग-अलग राजनीतिक खेमों और अलग-अलग पीढ़ियों से आते हैं। पवार परिवार के मुखिया शरद पवार (85) संसद के उच्च सदन में अपना तीसरा कार्यकाल शुरू करने वाले हैं। वहीं शरद पवार के भतीजे और महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री स्वर्गीय अजित पवार के बेटे पार्थ पवार पहली बार सांसद बनने की तैयारी में हैं।

दरअसल, कुछ समय तक राज्यसभा में तीन पवार भी रह सकते हैं, क्योंकि महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार, जो पार्थ की मां हैं, ने अभी तक राज्यसभा से इस्तीफा नहीं दिया है।

मौजूदा स्थिति के अनुसार, 16 मार्च को होने वाले राज्यसभा चुनाव के बाद संसद में पवार परिवार के तीन सदस्य होंगे-राज्यसभा में शरद पवार और पार्थ पवार तथा लोकसभा में शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले।

इस वर्ष महाराष्ट्र से राज्यसभा की सात सीटों पर चुनाव होने जा रहा है। राज्यसभा चुनाव में विधायक वोट देते हैं, और 2024 के महाराष्ट्र चुनाव में एनडीए की बड़ी जीत के कारण, इन सात सीटों में से छह उसके खाते में जाने की संभावना है।

इनमें भाजपा को चार सीटें, एकनाथ शिंदे की शिवसेना को एक सीट और अजित पवार की एनसीपी को एक सीट मिलने की उम्मीद है। इस प्रकार विपक्ष के लिए केवल एक सीट बचती है।

कुछ समय पहले कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) दोनों ने राज्यसभा सीट पर दावा किया था। बाद में शरद पवार की बेटी और सांसद सुप्रिया सुले ने उद्धव ठाकरे के निवास पर जाकर उनकी पार्टी का समर्थन मांगा। जब यह स्पष्ट हो गया कि वरिष्ठ नेता तीसरी बार राज्यसभा जाना चाहते हैं, तो कांग्रेस ने भी, हाई कमान की सलाह पर, शरद पवार के नाम पर सहमति दे दी।

पार्थ पवार (35) एनसीपी प्रमुख अजित पवार के बेटे हैं, जिनकी इस साल जनवरी में एक दुखद विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी।

अजित पवार की मृत्यु से पहले उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार राज्यसभा सांसद बन गई थीं। दुर्घटना में अजित की मौत के बाद सुनेत्रा पवार को महाराष्ट्र का उपमुख्यमंत्री बनाया गया, लेकिन उन्होंने अभी तक राज्यसभा से इस्तीफा नहीं दिया है। उनके इस्तीफे के बाद सीट खाली होने पर एनसीपी नया उम्मीदवार नामित करेगी।

महाराष्ट्र में शरद पवार कैसे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रणनीतिकार की भूमिका निभा सकते हैं।

लेकिन एक व्यावहारिक मुद्दा था, जिसे सुलझाना था।

कांग्रेस यह सुनिश्चित करना चाहती थी कि एनसीपी के दोनों गुट आपस में विलय न करें और शरद पवार एनडीए में शामिल न हों। ऐसा होने पर कांग्रेस की भारी किरकिरी होती।

राज्य कांग्रेस नेताओं ने एनसीपी नेताओं से यह बयान दिलवाया कि दोनों एनसीपी के बीच विलय की संभावना पूरी तरह खत्म हो चुकी है। जयंत पाटिल ने एनसीपी (एस.पी.) की ओर से मीडिया को बयान जारी कर कहा कि अजित पवार के निधन के बाद से दोनों एनसीपी के बीच कोई चर्चा नहीं हुई है।

जब यह साफ हो गया कि दोनों एनसीपी का विलय नहीं होगा, तब कांग्रेस ने शरद पवार की राज्यसभा उम्मीदवारी पर सहमति दे दी।

- **समर्थन के बदले में शिवसेना को महाराष्ट्र विधान परिषद की सीट दी गई जो उद्धव को जाएगी। इस सीट को जीतने के लिए 37 विधायकों की जरुरत है और उद्धव के पास 29 विधायक हैं, कांग्रेस के पास 16 और पवार के पास 10 विधायक हैं। इन सभी के समर्थन से उद्धव की जीत पक्की हो गई है।**

शिवसेना ने अपनी सीट त्याग दी और प्रियंका चतुर्वेदी ने एक भावुक पोस्ट में कहा: "उन सभी का विशेष धन्यवाद, जिन्होंने मेरा साथ दिया और प्रार्थना की... ये संदेश मुझे जहां भी रहूं, फोकस्ड रहने और कड़ी मेहनत करने में मदद करेंगे।

गठबंधन, विधान परिषद में शिवसेना (यू.बी.ए.) को एक सीट देगा, जो उद्धव ठाकरे को मिलेगी।

प्रत्येक सीट जीतने के लिए 37 विधायकों का समर्थन आवश्यक है। एम.वी.ए. के पास 46 विधायक हैं, जिनमें उद्धव सेना के 29, कांग्रेस के 16 और शरद पवार गुट के 10 विधायक हैं। इसलिए वे निश्चित रूप से एक सीट जीत सकते हैं।

सत्तारूढ़ महायुति के पास 288 सदस्यीय विधानसभा में 228 विधायक हैं, जिसका मतलब है कि उसके छह उम्मीदवार जीतेंगे। इन छह सीटों में से एक रामदास अठावले को मिलेगी, जो केन्द्र में मंत्री भी हैं।

नीतीश कुमार ने राज्यसभा का नामांकन भरा

पटना, 05 मार्च। बिहार की राजनीति में गुरुवार को उस समय हलचल तेज हो गई, जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवारों ने राज्यसभा चुनाव के लिए अपने नामांकन पत्र दाखिल कर दिये। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के

- **भावुक समर्थकों ने नीतीश के आवास के बाहर प्रदर्शन किया**

नितिन नबीन और रामनाथ ठाकुर, राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के उपेन्द्र कुशवाहा तथा शिवेश कुमार ने भी अपने नामांकन दाखिल किये।

सभी उम्मीदवारों ने बिहार विधानसभा परिसर स्थित विधान सभा कार्यालय प्रकोष्ठ में सचिव की उपस्थिति में राज्यसभा चुनाव के लिए अपने नामांकन पत्र जमा किए। नामांकन दाखिल करने के दौरान राजनीतिक माहौल काफी सक्रिय दिखाई दिया और गठबंधन के कई बड़े नेता इस मौके पर मौजूद रहे।

नामांकन दाखिल होने के साथ ही, बिहार में राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले दिनों में राज्यसभा चुनाव को लेकर बिहार की राजनीति में और भी हलचल देखने को मिल सकती है।

इधर बिहार की राजनीति में गुरुवार को उस समय भावुक और तीखे दृश्य देखने को मिले, जब बड़ी संख्या में समर्थक और कार्यकर्ता मुख्यमंत्री आवास के बाहर जुट गए।

फर्जी पट्टे जारी करने पर अजमेर नगर निगम के चार अधिकारी एपीओ

अजमेर के कांग्रेस नेताओं ने पिछले 5 वर्षों में जारी सभी पट्टों की जांच की मांग की

अजमेर, 5 मार्च (कासं)। अजमेर नगर निगम में फर्जी पट्टे जारी करने के मामले में डिप्टी कमिश्नर सहित चार अधिकारियों के एपीओ होने के बाद सियासत गरमा गई है।

कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार जयपाल सहित, नेताओं ने आरोप लगाया कि नगर निगम में नियमों को दरकिनार कर फर्जी और अवैध तरीके से पट्टे जारी किए गए। यह पूरा प्रकरण प्रशासनिक लापरवाही ही नहीं, बल्कि सुनियोजित भ्रष्टाचार का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि जिस भूमि को सरकार द्वारा अवाप्त (अधिग्रहित) किया जा चुका था, उसका पहले नक्शा स्वीकृत कर दिया गया और शिकायत सामने आने के बाद उसे निरस्त किया गया। यह कार्रवाई खुद साबित करती है कि प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं।

- **कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि जिस भूमि को सरकार द्वारा अवाप्त किया जा चुका था, उसका निगम अधिकारियों ने नक्शा स्वीकृत कर दिया था। शिकायत होने के बाद उसे निरस्त किया गया। यह कार्यवाही साबित करती है कि प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं हुईं।**

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा का नगर निगम बोर्ड अब तक का 'सबसे भ्रष्ट' बोर्ड रहा है। उनके अनुसार, बोर्ड के संरक्षण में कर्मचारियों द्वारा नियमों की अनदेखी कर अवैध पट्टे जारी किए गए। धर्मेन्द्र राठौड़ और डॉ. जयपाल ने कहा कि नगर निगम बोर्ड हर मोर्चे पर विफल रहा है। चाहे सफाई व्यवस्था का मुद्दा हो, पट्टों का वितरण हो या जनता को राहत देने का मामला, हर क्षेत्र में भाजपा बोर्ड असफल साबित हुआ है। नेताओं ने कहा कि निगम के कर्मचारी बोर्ड के संरक्षण में भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं, जिसके चलते शहर की व्यवस्था चरमरा गई है और जवाबदेही तय नहीं हो पा रही है।

कांग्रेस नेताओं ने मांग की कि भाजपा बोर्ड के कार्यकाल के पिछले पांच वर्षों में जारी किए गए सभी पट्टों की उच्च स्तरीय जांच करवाई जाए। उन्होंने कहा कि केवल अंतिम छह महीनों के ही नहीं, बल्कि पूरे कार्यकाल के दौरान जारी पट्टों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की अनियमितताओं पर सख्त रोक लग सके। अधिकारियों के एपीओ होने के बाद, अब यह मामला राजनीतिक ही नहीं, प्रशासनिक जवाबदेही का भी बड़ा मुद्दा बन गया है।

बुलैट ट्रेन प्रोजैक्ट की लागत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मूल अनुमानित लागत 1,08,000 करोड़ रुपये का लगभग 53 प्रतिशत खर्च होने के बाद, यह परियोजना अब मध्य-कालीन संशोधन की स्थिति से गुजरती प्रतीत हो रही है। नई दिल्ली ने जापान द्वारा प्रस्तावित ई10 शिंकानसेन संस्करण को खरीदने में अनिच्छा जताई है, जिसकी लागत लगभग 20,000 करोड़ रुपये बताई गई है। इसके बजाय सरकार ने सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बी ई एम एल)" को ऐसे ट्रेनसेट बनाने का अनुबंध दिया है, जो अधिकतम 280 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगे (जबकि शिंकानसेन की गति 320 किमी प्रति घंटा है)।

सिग्नलिंग अनुबंध भी जापान के बजाय "डीआरए-सीमेंस" के एक कंसोर्टियम को दिया गया है, जो ईसीटीएस-2 सिस्टम तैनात करेगा, जबकि जापान ने कोएक्सियल लीकी केबल सिस्टम की पेशकश की थी।

इसके अलावा, एनएचएसआरसीएल को महाराष्ट्र के ठाणे क्रीक के पास पानी के नीचे सुरंग बनाने के लिए आवश्यक 13 मीटर टनल बोरिंग मशीन (टी बी एम) हासिल करने में भी परेशानी का सामना करना पड़ा है। ये मशीनें जर्मन कंपनी "एच के" ने चीन स्थित अपने संयंत्र में बनाई थीं। शुरूआत में भारत नहीं पहुंच सकी थीं, क्योंकि इन्हें भारत लाने वाले जहाजों को दक्षिण चीन सागर में चीनी कस्टम अधिकारियों ने रोक लिया था। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर के हस्तक्षेप के बाद, चीन सरकार ने अंततः अपने बंदरगाह के माध्यम से इस सामान को भेजने की अनुमति दी, लेकिन सूत्रों के अनुसार मशीनों के कई महत्वपूर्ण पुर्जे गायब हैं। इसी कारण ये टी बी एम फिलहाल मुंबई बंदरगाह पर बेकार पड़ी हुई हैं।

लद्दाख के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं किया गया है। राजनीतिक विश्लेषक इस इस्तीफे को एक महत्वपूर्ण घटना मान रहे हैं। उनका मानना है कि इसका असर लद्दाख के प्रशासनिक और राजनीतिक परिदृश्य पर पड़ सकता है। कविंदर गुप्ता के इस्तीफे के बाद लद्दाख में विनय कुमार सक्सेना को नया उप राज्यपाल बनाया गया है, जो अभी तक दिल्ली के उप राज्यपाल थे।

मोज़तबा को खामनेई का उत्तराधिकारी बनाने पर सहमति बनी

तेहरान, 05 मार्च। अमेरिका-इजराइल के हमले में मारे गए ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के उत्तराधिकारी के रूप में उनके दूसरे बेटे मोजतबा खामेनेई के नाम पर सहमति बन गई है। इसे लेकर पवित्र शहर कोम में 88 सदस्यों वाली असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स (विशेषज्ञों की सभा) में मतदान हो चुका है।

- **मोज़तबा ईरान के हाल ही में मारे गए सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह खामनेई के दूसरे पुत्र हैं**

ईरान इंटरनेशनल अखबार ने सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा कि असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स गुरुवार को एक आपात सत्र में मोजतबा खामेनेई को आधिकारिक नेता के तौर पर घोषित करेगी। यह सत्र ईरान इंटरनेशनल की उस रिपोर्ट के दो दिन बाद आहूत किया गया है, जिसमें कहा गया था कि असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स ने रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के दबाव में मोजतबा खामेनेई को अगला नेता चुना है।

तृणमूल के चार प्रत्याशियों ने राज्यसभा का पर्चा भरा

कोलकाता, 05 मार्च। राज्यसभा चुनाव 2026 के लिए तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवारों ने गुरुवार को आधिकारिक रूप से अपने नामांकन पत्र दाखिल कर दिए। पार्टी की ओर से अभिनेत्री कोएल मलिक, वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी, पूर्व पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार और मंत्री बाबुल सुप्रियो को उम्मीदवार बनाया गया है।

ईरान के आकाश पर अमेरिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारत के खिलाफ भी इस्तेमाल किया। इसलिए भारत ने दूसरा रास्ता चुना। सोवियत मिग-21, मिग-23, मिग-29, और सुखोई-30एमकेएल, जो आज भी भारतीय वायुसेना की रीढ़ है। साथ ही ब्रिटिश-फ्रेंच जैगुआर, फ्रांसीसी मिराज-2000 और ब्रिटिश हॉकर हंटर विमान। । पीढ़ी दर पीढ़ी भारत ने शांतिपूर्वक और सोच-समझकर ऐसी वायुसेना बनाई जो वॉशिंगटन पर निर्भर नहीं थी।

शीत युद्ध के खत्म होने के बाद माहौल बदला और1990 के दशक में नई दिल्ली और वॉशिंगटन के बीच रिश्तों में गर्मजोशी आई। दो बड़े लोकतंत्र, जिनकी चिंताएं भी मिलती-जुलती थीं और आर्थिक संबंध भी बढ़ रहे थे। कुछ समय के लिए लगा कि एक नई शुरुआत हो रही है। फिर मई 1998 में भारत ने परमाणु परीक्षण किया।

क्लिंटन प्रशासन की प्रतिक्रिया तुरंत आई। अमेरिका ने जल्दी ही प्रतिबंध लगा दिए। तकनीकी सहयोग रोक दिया गया। कूटनीतिक रिश्तों में अचानक ठंडापन आ गया। वॉशिंगटन का संदेश साफ था। अगर आप यह फैसला अपने तरीके से लेते हैं, तो उसकी कीमत भी चुकानी पड़ेगी। भारत ने वह कीमत चुकाई, लेकिन उसे कभी भूला नहीं।

1998 की उस घटना ने भारत की रणनीतिक सोच में गहरी छाप छोड़ दी, एक तरह का संदेह और अविश्वास पैदा कर दिया। बाद की सरकारों ने इसे कम करने की कोशिश की और कुछ हद तक सफल भी रहीं, लेकिन पूरी तरह खत्म नहीं कर पाईं।

- **भारत ने बाकी और कई हथियार खरीदे अमेरिका से, पर फाइटर हवाई जहाज नहीं। भारत ने पाकिस्तान व टर्की की स्थिति देखी थी, अमेरिका ने दोनों देशों को आधुनिक फाइटर जहाज दिये, पर इन दोनों देशों पर स्पेयर पार्ट्स न सप्लाई करने का विकल्प अपने पास रखा। जब भी कोई नीतिगत मतभेद हुआ, अमेरिका ने टर्की व पाकिस्तान के स्पेयर पार्ट्स न देने की धमकी दी और धमकी क्रियान्वित भी की। भारत अपने आपको कभी भी इस स्थिति में नहीं देखना चाहता था। अतः अमेरिका से फाइटर हवाई जहाज न खरीदने का दृढ़ संकल्प लिया।**

आज आंकड़ों में यह साफ दिखाई देता है। भारत ने अमेरिका से सी-17 ग्लोबमास्टर भारी परिवहन विमान, सी-130जे सुपर हरक्यूलिस ट्रांसपोर्ट विमान, हिंद महासागर में पनडुब्बियों की खोज और लंबी दूरी की निगरानी के लिए पी-81 पोसीडॉन, अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर, चिनूक, भारी हेलीकॉप्टर और तेजी से मिसाइल दागने वाले एमक्यू-9बी प्रीडेटर ड्रोन भी खरीदे हैं। भारत ने अमेरिकी सैन्य उपकरणों पर अरबों डॉलर खर्च किए हैं। लेकिन अमेरिकी लड़ाकू विमान नहीं खरीदे।

कारण स्पष्ट है, हालांकि इस पर खुलकर बात नहीं की जाती, वह है, युद्ध में स्वायत्तता।

एक लड़ाकू विमान सिर्फ हथियारों का मंच नहीं होता। यह किसी देश की अपनी शर्तों पर अपने आसमान की रक्षा करने की संप्रभु क्षमता का प्रतीक होता है। और जैसे ही आप अमेरिकी फाइटर जेट खरीदते हैं, यह धारणा बनती है कि आप अमेरिकी निर्भरता भी स्वीकार करते हैं-जैसे स्पेयर पार्ट्स, सॉफ्टवेयर अपग्रेड आदि में अमेरिकी निर्भरता, साथ ही निर्यात लाइसेंस, राजनीति और नीतिगत दबाव भी।

भारत ने वह भी देखा कि तुर्की के साथ हुआ, जो नाटो का सदस्य है और एफ-16 उड़ाता है, अमेरिका ने द्विपक्षीय विवाद में पुर्जों की आपूर्ति रोकने की धमकी देकर दबाव बनाया। भारत ने यह भी देखा कि पाकिस्तान के साथ क्या हुआ-जिसके एफ-16 कई बार अमेरिका से खराब रिश्तों के कारण स्पेयर पार्ट्स की कमी से जमीन पर खड़े रह गए।

भारत ने तय किया कि वह खुद को कभी उस स्थिति में नहीं डालेगा।

जब 2000 के दशक में अमेरिका ने भारत को एफ-16 बेचने की कोशिश की, तो यह जानते हुए भी कि वही विमान पाकिस्तान को दिया जा चुका है, फिर भी उसने यह प्रस्ताव रखा। यह पेशकश कई लोगों को दुस्साहसी और अजीब लगी।

सौदा कराने के लिए लॉकहीड मार्टिन ने तो एफ-16 के एक नए संस्करण का नाम बदलकर एफ-21 तक रख दिया। यह एक मार्केटिंग चाल थी, इतनी स्पष्ट और बनावटी कि रक्षा हलकों में मज़ाक बन गई। नाम बदलो, पाकिस्तान से जुड़ी छवि मिटाओ, और सौदा कर लो-यही उम्मीद थी लेकिन भारत ने न तो वह विमान खरीदा, और न ही उस कहानी को स्वीकार किया।

कुछ साल बाद भारतीय नौसेना ने अपने विमानवाहक पोत के लिए एफ/ए-18 सुपर हॉर्नेट का गंभीर मूल्यांकन किया। उसने आंकड़े, तकनीकी विशेषताएं और कैरियर-अनुकूलता, सब देखा।

लेकिन जब भारतीय वायुसेना ने फ्रांस का राफेल चुना, तो नौसेना को भी वही रास्ता अपनाने का राजनीतिक आधार मिल गया। कारण तकनीकी बताए गए-जैसा कि अक्सर होता है। लेकिन रणनीतिक कारण साफ थे: फ्रांस महंगा जरूर है, लेकिन सवाल नहीं पूछता।

फ्रांस शर्तें नहीं लगाता। और अगर आप रूस से पनडुब्बियां खरीदते हैं तो वह आपको दबाव में नहीं लाता।

फिर फरवरी 2019 में बालाकोट हुआ। भारत ने पाकिस्तान के अंदर एक आतंकवादी शिविर पर हमला किया। पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की। इसके बाद हुई हवाई झड़प में पाकिस्तान ने एफ-16 उड़ाए और भारत ने सोवियत दौर के मिग-21 बाइसन से उनमें से एक को मार गिराया।

'अमेरिका का शत्रु होना खतरनाक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहने से वैश्विक अर्थव्यवस्था बर्बाद हो जाएगी और सभी क्षेत्रों में आर्थिक मंदी आ जाएगी। उन्हें आशंका है कि आपूर्ति में रुकावट आने पर तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से भी ऊपर जा सकती है।

तेल आपूर्ति में लंबे समय तक रुकावट आने की पूरी संभावना है, क्योंकि ईरान ने होरमुज़ स्ट्रेट्स पर अपना कब्जा जमा रखा है। यह ईरान के पूर्वी तट के पास स्थित एक संकीर्ण समुद्री मार्ग है, जो तेल से भरे टैंकरों की आवाजाही का मुख्य रास्ता है। होरमुज़ से लगभग 20 प्रतिशत वैश्विक तेल परिवहन होता है। होरमुज़ स्ट्रेट पर ईरान के कब्जे के साथ-साथ, अमेरिकी सहयोगी खाड़ी देशों पर ईरान के हमले भी क्षेत्र की प्रमुख तेल उत्पादन सुविधाओं को नष्ट कर रहे हैं। यह केवल खाड़ी देशों के लिए ही नहीं, बल्कि दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के लिए भी चिंता का विषय है।

ईरान पश्चिम एशिया के पूरे क्षेत्र में अमेरिकी सहयोगी देशों सऊदी अरब, कतर, यूएई, बहरीन और अन्य पर अमेरिकी हवाई अड्डों और सैन्य ठिकानों की मेजबानी करने के कारण बमबारी कर रहा है। उनके महत्वपूर्ण ठिकानों को ईरानी मिसाइल हमलों से एक-एक कर नष्ट किया जा रहा है। आने वाले वर्षों में इसका उनकी अर्थव्यवस्थाओं पर भारी असर पड़ेगा। सऊदी अरब की सबसे बड़ी तेल सुविधाओं में से एक पर ईरानी ड्रोन और मिसाइलों से हमला हुआ है, जिससे उसे बंद करना पड़ा है। कतर के सभी गैस क्षेत्र भी बंद कर दिए गए हैं, क्योंकि उन्हें चालू रखना बहुत महंगा पड़ सकता है। वहीं, एक बार चालू किए गए गैस क्षेत्र को बंद करना भी अत्यंत महंगा होता है और बाद में समस्याएँ पैदा करता है। खाड़ी देशों के कई तेल टर्मिनल और बंदरगाह सुविधाओं को भारी नुकसान हुआ है, जिन्हें वर्षों में भारी खर्च से दोबारा बनाना होगा। इन देशों में मिलिट्री ठिकानों पर भी ईरानी मिसाइलों से हमला हुआ है, जिससे बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है।

- **अमेरिका के युद्ध विशेषज्ञ अब महसूस करने लगे हैं, कि युद्ध क्षेत्र की इकॉनमी अब अमेरिका के खिलाफ पड़ने लगी है। उदाहरण के लिए, ईरान के ड्रोन्स व मिसाइल को रोकने के लिए काम में लिए जाने वाले अमेरिका के "इन्टरसैप्टर्स" की कीमत कई मिलियन डॉलर है, जबकि ईरान की मिसाइल की कीमत 20,000 डॉलर से भी कम है तथा ईरानी ड्रोन्स तो और भी सस्ते हैं।**
- **यही ही नहीं, अन्तर्राष्ट्रीय सम्बंधों में मायने रखने वाले कई देश, जैसे स्पेन, फ्रांस, इटली, आदि, अब संगठित होकर ट्रंप के ईरान के युद्ध के खिलाफ बोलने लगे हैं।**

फिलहाल इन्हें बंद करना पड़ेगा। लेकिन इन्हें दोबारा शुरू करने के लिए मरम्मत और पुनर्निर्माण पर अरबों डॉलर खर्च करने होंगे। मौजूदा युद्ध की स्थिति में, जब रोज़मर्रा का अस्तित्व ही सबसे बड़ा सवाल है, भविष्य के ये खर्च तुरंत चिंता का विषय नहीं हैं।

इस बीच, धीरे-धीरे अमेरिकी विशेषज्ञों को एहसास हो रहा है कि युद्ध की आर्थिक स्थिति अमेरिका-इज़रायल गठजोड़ के खिलाफ जा रही है। सवाल यह है कि ईरान अपनी मिसाइलों और ड्रोन्स को इन इलाकों में अमेरिकी सहयोगियों और अमेरिकी फैसिलिटीज़ पर दाग रहा है, जिन्हें रोकने के लिए बहुत महंगे इंटरसैप्टर और हथियारों का इस्तेमाल करना पड़ रहा है।

अनुमान के अनुसार, अमेरिकी इंटरसैप्टर और मिसाइलें, जैसे पैट्रियट, कई मिलियन डॉलर की होती हैं, जबकि ईरानी मिसाइल की कीमत लगभग 20,000 डॉलर या उससे भी कम है। ईरानी ड्रोन तो इससे भी सस्ते हैं। इसलिए ईरानी मिसाइलों और ड्रोन की लगातार बौछार से बचाव की लागत अमेरिका-इज़राइल गठजोड़ के लिए गंभीर रूप से नुकसानदेह साबित हो रही है।

दूसरी ओर, अमेरिकी विशेषज्ञ चिंतित हैं कि रक्षात्मक मिसाइलों का भंडार कम होता जा रहा है, जबकि ईरान के पास मिसाइलों का पर्याप्त भंडार है। अमेरिकी रक्षा प्रमुख डैन केन ने अभियान शुरू होने से पहले ही गोला-बारूद और मिसाइलों की कमी की चेतावनी दे दी थी, जिसे अत्यधिक आत्मविश्वास से भरे डॉनल्ड ट्रंप और उनके समर्थकों ने नजरअंदाज कर दिया।

ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों की कुछ प्रमुख आवाज़ें ईरान में ट्रंप के युद्ध का विरोध करने वाले एक समूह के रूप में एकजुट हो रही हैं। यूरोप में स्पेन ने खुलकर अपनी बात कही है, और फ्रांस, इटली तथा अन्य देश भी बदलती स्थिति में अपने कदम मिलाने की बात कर रहे हैं।

बिहार-महाराष्ट्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तरनजीत सिंह संधू को दिल्ली का नया लैफ्टिनैट गवर्नर बनाया गया। हिमाचल प्रदेश के गवर्नर शिव प्रताप शुक्ला को तेलंगाना भेजा गया है और तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा को महाराष्ट्र का नया गवर्नर बनाया गया है। बिहार भाजपा के सीनियर नेता नंद किशोर यादव को नागालैंड का गवर्नर बनाया गया है। लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) सैयद अता हसनैन को बिहार का गवर्नर बनाया गया है। केरल के गवर्नर राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर तमिलनाडु के गवर्नर का काम संभालेंगे। लद्दाख के लेफ्टिनेंट गवर्नर कविंदर गुप्ता को हिमाचल प्रदेश का नया राज्यपाल बनाया गया।वहीं, भारत के राष्ट्रपति ने पश्चिम बंगाल के गवर्नर डॉ. सी.वी. आनंद बोस का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। तमिलनाडु के गवर्नर आर.एन. रवि को पश्चिम बंगाल का गवर्नर नियुक्त किया गया। इसकी जानकारी राष्ट्रपति भवन ने दी है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:-**राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908